3 राजधानी
700 जमातियों के पासपोर्ट जब्त

6 अभिमत
सशस्त्र बलों में कोविड संक्रमण

10 स्पोर्ट्स
अर्जुन पुरस्कार लिए बुमराह व धवन हो सकते हैं दावेदार

11 विदेश
पाकिस्तान में संक्रमण के दो हजार से ज्यादा नए मामले

RNI NO. DELHI/2012/48369
वर्ष 8 अंक 189
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 14 मई, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

केवल मेरी इमेज ही टाइपकास्ट हुई है, मैं पहले जैसा ही हूं
विविध-12

www.dailypioneer.com

मिलेगा 3 लाख करोड़ का बिना गारंटी लोन, परिभाषा भी बदली

● वित्त मंत्री ने किया सूक्ष्म, लघु, मझोले व कुटीर उद्योगों को मजबूती की खुराक देने वाले 6 उपायों का ऐलान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प और लोकल पर वोकल होने की अपील के साथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 20 लाख करोड़ के विशेष आर्थिक पैकेज के ऐलान के अगले ही दिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को सूक्ष्म, लघु, मझोले और कुटीर उद्योगों को मजबूती की खुराक देते हुए छह ठोस उपायों की घोषणा की।

एमएसएमई और अन्य छोटी इकाइयों के लिए छह बूंद जिंदगी की साबित होने वाले **इन उपायों में तीन लाख करोड़ का गारंटी फ्री लोन, संकट का सामना कर रही एमएसएमई इकाइयों को 20 हजार करोड़ का कर्ज, फंड ऑफ फंड गठित कर बेहतर संभावना वाली इकाइयों में 50,000 करोड़ की इक्विटी पूंजी डालना, एमएसएमई की परिभाषा को बदलना और 200 करोड़ तक की सरकारी खरीद को लेकर ग्लोबल टेंडर पर पाबंदी लगाना शामिल हैं।** केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज से चुनिंदा क्षेत्रों को मिलने वाले फायदों का क्रमवार ब्योरा दिया। अन्य सेक्टरों से जुड़ी जानकारी देने का यह सिलसिला अगले दो दिनों तक जारी रहेगा। वित्त मंत्री ने एमएसएमई और अन्य छोटी इकाइयों के बारे में कहा कि बिना किसी गारंटी के दिए जाने वाले कर्ज से 45 लाख लघु उद्यमों को लाभ होगा। यह कर्ज चार साल के लिए दिया जाएगा और 12 महीने यानी एक साल तक ईएमआई से राहत भी मिलेगी। मौजूदा संकट के कारण जो एमएसएमई इकाइयां कर्ज नहीं चुका पा रही हैं उन्हें कुल 20,000 करोड़ रुपए के कर्ज की सुविधा दी जाएगी।

इससे दो लाख इकाइयों को फायदा होगा। इसके अलावा बेहतर संभावना और वृद्धि क्षमता रखने वाली एमएसएमई इकाइयों के लिए फंड ऑफ फंड गठित किया जा रहा है, इसके जरिए वृद्धि उनमें 50,000 करोड़ रुपए की इक्विटी पूंजी डाली जाएगी। वित्त मंत्री ने बताया कि सरकार ने एमएसएमई की परिभाषा भी बदल दी है। नई परिभाषा के तहत अब एक करोड़ रुपये तक के निवेश वाली इकाइयां भी सूक्ष्म (माइक्रो) इकाई ही कहलाएंगी। अभी तक यह सीमा 25 लाख रुपए थी। एमएसएमई की परिभाषा के लिए कारोबार (टर्नओवर) आधारित मानदंड बनाया गया है। इसके तहत 5 करोड़ रुपए तक के कारोबार वाली इकाइयां भी सूक्ष्म इकाइयां कहलाएंगी यानी कि ज्यादा निवेश और अधिक टर्नओवर के बावजूद उन्हें सूक्ष्म इकाई होने का लाभ मिलता रहेगा। सीतारमण ने कहा कि लघु एवं मझोले उद्यमों के लिए निवेश और कारोबार सीमा बढ़ाने के जरिए उन्हें वित्तीय और अन्य लाभ उठाने की छूट दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि 200 करोड़ रुपए तक की सरकारी खरीद को लेकर वैश्विक निविदा पर पाबंदी होगी। इससे एमएसएमई को सरकारी निविदाओं में भाग लेने तथा अधिक कारोबार हासिल करने में मदद मिलेगी।

राहत की अन्य घोषणाएं करतीं वित्त मंत्री ने गैर-वेतन भुगतान पर कर कटौती में एक चौथाई छूट तथा गैर-बैंकिंग कंपनियों को नकदी की अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध कराने की योजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन उपायों का मकसद कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन में बदहाल हो रहीं कंपनियों और इकाइयों में नई जान फूंकना है। प्रधानमंत्री मोदी के 20 लाख करोड़ रुपये के विशेष आर्थिक पैकेज के पहले चरण की जानकारी देते हुए सीतारमण बताया कि 90,000 की नकदी बिजली वितरण कंपनियों को उपलब्ध कराई जाएगी ताकि उन्हें मौजूदा वित्तीय संकट से पार पाने में मदद मिले। इसके अलावा करदाताओं को राहत देने के लिए आयकर रिटर्न और अन्य रिटर्न भरने की तारीख भी बढ़ा दी गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि बिना वेतन वाले भुगतान के लिए स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) और स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) की दर में 31 मार्च 2021 तक के लिए 25 प्रतिशत की कटौती की गई है। इस कदम से इकाइयों के पास 50,000 करोड़ रुपए की नकदी बढ़ेगी। वित्त मंत्री ने बताया कि 100 से कम कर्मचारी वाले कंपनियों को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) में योगदान से राहत की अवधि भी तीन महीने के लिए बढ़ा दी गई है। साथ ही सभी कंपनियों के लिए ईपीएफ में कर्मचारियों के मूल वेतन के 12 प्रतिशत के बराबर सांविधिक योगदान के बजाय इसे 10 प्रतिशत करने की छूट भी दी गई है। इससे नियोक्ताओं के पास अतिरिक्त नकदी बचेगी। निर्माण क्षेत्र के लिए राहत का (शेष पेज 9)

सरकार ने एमएसएमई सेक्टर को पिलाई छह बूंद जिंदगी की

नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान विशेष आर्थिक पैकेज के बारे बतातीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

ईपीएफ पर निजी कंपनियों और कर्मचारियों को राहत

नई दिल्ली। वित्त मंत्री ने 100 से कम कर्मचारी वाले कंपनियों को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) में योगदान से राहत की अवधि भी तीन महीने के लिए बढ़ा दी। साथ ही सभी कंपनियों के लिए ईपीएफ में कर्मचारियों के मूल वेतन के 12 प्रतिशत के बराबर सांविधिक योगदान करने की जगह इसे 10 प्रतिशत करने की छूट दी गई है। इससे नियोक्ताओं के पास अतिरिक्त नकदी बचेगी। दूसरी ओर वित्त मंत्री ने कहा कि बिना वेतन वाले भुगतान के लिए स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) और स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) की दर में 31 मार्च 2021 तक के लिए 25 प्रतिशत की कटौती की गई है। उन्होंने कहा कि इस कदम से इकाइयों के पास 50,000 करोड़ रुपए की नकदी बढ़ेगी।

आर्थिक पैकेज से कारोबार करने वालों को मदद मिलेगीः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने कहा है कि सरकार द्वारा कोरोना वायरस से प्रभावित अर्थव्यवस्था को ताकत देने के लिए बुधवार को घोषित आर्थिक पैकेज से नकदी का प्रवाह बढ़ेगा, उद्यमियों को सशक्त किया जा सकेगा और उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता को मजबूत किया जा सकेगा। उन्होंने ट्वीट किया कि इस पैकेज से कारोबार करने वालों विशेषरूप से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों को मदद मिलेगी। मोदी ने बुधवार को ट्विटर पर लिखा, सरकार द्वारा घोषित कदमों से नकदी बढ़ेगी, उद्यमियों को सशक्त किया जा सकेगा और उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाई जा सकेगी।

आयकर रिटर्न की तिथि बढ़ी, जल्द मिलेगा रिफंड

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को आकलन वर्ष 2020- 21 के दौरान आयकर रिटर्न भरने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 30 नवंबर 2020 कर दिया। इसके साथ ही कर विवादों के निपटान के लिए लाई गई विवाद से विश्वास योजना का लाभ भी बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के 31 दिसंबर 2020 तक बढ़ा दिया गया है। इस आकलन वर्ष में भरी जाने वाली व्यक्तिगत आयकर रिटर्न और अन्य रिटर्न दोनों के लिए अंतिम तिथि 30 नवंबर 2020 तक बढ़ी दी गई है। पुराने लंबित कर विवादों के निपटारे के लिए लाई गई विवाद से विश्वास योजना का लाभ भी अब 31 दिसंबर 2020 तक उपलब्ध होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत लंबित विवादों के निपटारे की (शेष पेज 9)

रीयल एस्टेट कंपनियों को बड़ी राहत

नई दिल्ली। रीयल एस्टेट कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को रीयल्टी परियोजनाओं को पूरा करने की समयसीमा छह महीने बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि रीयल एस्टेट (नियमन एवं विकास) कानून यानी रेरा कानून के तहत कोरोना वायरस महामारी को दैवीय आपदा माना जाएगा। आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के रीयल एस्टेट नियामकों को परामर्श जारी कर कोविड-19 को दैवीय आपदा के रूप में लेने को कहेगा, जिससे रेरा कानून के तहत इसे मनुष्य के वश से बाहर की आपदा माना जाएगा। इससे बिल्डरों को परियोजनाओं को पूरा करने के लिए और समय दिया जा सकेगा। यह राहत रेरा के तहत पंजीकृत उन सभी परियोजनाओं (शेष पेज 9)

सीएपीएफ कैंटीन में बिकेंगे सिर्फ स्वदेशी उत्पाद : शाह

● प्रधानमंत्री की देश को आत्मनिर्भर बनाने की अपील के बाद गृह मंत्रालय ने लिया फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जैसी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की सभी कैंटीनों में एक जून से केवल स्वदेशी उत्पादों की ही बिक्री होगी।

शाह ने कहा कि सीएपीएफ के करीब 10 लाख जवानों के परिवार के 50 लाख सदस्यों के लिए स्वदेशी उत्पादों की बिक्री की जाएगी। शाह ने इस संबंध में कई ट्वीट किए और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने और भारत में बने उत्पाद उपयोग करने की अपील की जिसके बाद गृह मंत्रालय ने यह निर्णय लिया है।

शाह ने देश के लोगों से स्वदेश निर्मित उत्पादों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने और लोगों को भी ऐसा ही करने के लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा,'गृह मंत्रालय ने यह निर्णय लिया है कि सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की कैंटीनों पर अब सिर्फ स्वदेशी उत्पादों की ही बिक्री होगी। यह एक जून 2020 से देशभर की सभी सीएपीएफ कैंटीनों पर लागू होगा। इससे लगभग 10 लाख सीएपीएफ कर्मियों के 50 लाख परिजन स्वदेशी (शेष पेज 9)

पीएम केयर फंड से प्रवासी मजदूरों के लिए एक हजार करोड़

नई दिल्ली(पीएनएस)। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से बुधवार को कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में पीएम केयर फंड से 3100 करोड़ रुपये दिए जाने की घोषणा की गई है। पीएमओ की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि 3100 करोड़ में से 2 हजार करोड़ रुपये वेंटिलेटर खरीद के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। वहीं एक हजार करोड़ रुपये का इस्तेमाल प्रवासी मजदूरों के कल्याण के लिए किया जाएगा और 100 करोड़ रुपये वैक्सीन के डिवलेपमेंट पर खर्च किए जाएंगे। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 27 मार्च को कोरोना वायरस के मामले सामने आने के बाद देश में पीएम केयर फंड की शुरुआत की थी और लोगों से फंड में दान करने की अपील की थी। इस फंड के अन्य पदेन सदस्य रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार देश को संबोधित किया था और 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी।

जनता की मांग पर बस-मेट्रो चलाने की तैयारी में सरकार

● केजरीवाल ने लॉकडाउन 4 पर मांगे थे दिल्ली वालों से सुझाव, मिला जबर्दस्त रिस्पांस

● 264 मेट्रो स्टेशनों 2200 कोच, 1100 एस्केलेटर्स और 1000 लिफ्ट की सफाई-रखरखाव का काम तेज : डीएमआरसी

संजय राय। नई दिल्ली

राजधानी पहुंचने वाले रेल यात्रियों की मुश्किलों को आसान बनाने के लिए जहां दिल्ली सरकार ने रेलवे स्टेशनों से बसें चलाने का मन बना लिया है वहीं, डीएमआरसी ने मेट्रो को जल्द चलाने की तैयारी लगभग पूरी कर ली है। कोरोना काल में सार्वजनिक यातायात शुरू करने की पुरजोर मांग दिल्ली की जनता की ओर से की गई है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों से यह राय मांगी थी कि लॉकडाउन 4 में कितनी ढील दी जाए।उन्हें जनता से जबर्दस्त रिस्पांस मिला है। वॉट्सऐप पर 4,76,000 मैसेज, 10,700 ईमेल, 39,000 फोन कॉल, और चेंज डॉट आर्ग पर 22,700 यानी लाखों सुझाव भेजे गए हैं। अधिकांश में दिल्ली वालों ने 17 मई के बाद सार्वजनिक परिवहन साधनों, स्कूल कॉलेजों और उद्योग धंधों को खोलने की मांग की है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लोगों के सुझावों को केंद्र सरकार के पास भेजेंगे। सूत्रों के मुताबिक, बसों और मेट्रो के अलावा टैक्सियों, ऑटो रिक्शा आदि (शेष पेज 9)

आगरा सेंट्रल जेल में हड़कंप, दस और कैदी निकले कोरोना पॉजिटिव

● सभी जेलों में आने वाली सप्लाई को विसंक्रमित करने के आदेश

● 100 कैदियों को कराया गया आइसोलेट, सभी की होगी जांच

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ, आगरा

आगरा सेंट्रल जेल में एक सजायाफ्ता कैदी की कोरोना से मौत के बाद बुधवार को 10 और कैदियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद जेल महकमे में हड़कंप मच गया है। जिन कैदियों में कोरोना वायरस का संक्रमण पाया गया है, वह पहले से ही क्वॉरेंटाइन में चल रहे हैं।

जेल की संबंधित बैरक को पूरी तरह से खाली कराकर उसमें रहने वाले 100 कैदियों को अलग अहाते में आइसोलेट कर दिया गया है। इन सभी कैदियों व जेल कर्मियों की टेस्टिंग कराई जा रही है। प्रशासन से प्राथमिकता पर टेस्ट की रिपोर्ट मांगी गई है। डीजी जेल आनंद कुमार ने यूपी के सभी जेलों में आने वाली खाद्य पदार्थों की सप्लाई को विसंक्रमित करने का आदेश दिया है। उन्होंने बताया कि शक है कि किसी सफाईकर्मी या जेल में आए राशन, सब्जी या फल से कोरोना संक्रमण हुआ है। आगरा सेंट्रल जेल की ओर से डीजी कारागार आनंद कुमार को भेजी गई रिपोर्ट के अनुसार कारागार में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी वीरेन्द्र कुमार पुत्र परमानन्द को उच्च रक्तचाप एवं ब्रेन स्ट्रोक से संबंधित लक्षणों के उपचार के लिए 3 मई को एसएन मेडिकल कॉलेज (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	32,008	↑ 637
निफ्टी	9,383	↑ 187
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

आम लोगों के लिए खुल सकते हैं सेना के द्वार

नई दिल्ली। भारतीय सेना आम नागरिकों के तीन साल के लिए सेना में शामिल किए जाने के प्रस्ताव का अध्ययन कर रही है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस समय सेना शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत युवाओं को 10 साल के आरंभिक कार्यकाल के लिए भर्ती करती है। सेना के एक प्रवक्ता ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, सेना आम नागरिकों को तीन साल की अवधि के लिए बल में शामिल करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। सेना प्रतिभाशाली युवाओं को आकर्षित करने के लिए अनेक प्रयास करती रहती है। सूत्रों ने बताया कि उक्त प्रस्ताव 13 लाख अधिकारियों और जवानों वाली थलसेना में सुधार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

'थक गई है पुलिस, अर्द्धसैनिक बल महाराष्ट्र भेजे केंद्र'

● प्रदेश के गृह मंत्री ने केंद्र से किया अनुरोध, मांगी 20 कंपनियां

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने केन्द्र सरकार से राज्य में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 20 कंपनियां तैनात करने का अनुरोध किया है ताकि कोरोना वायरस के बीच क्षमता से अधिक काम रहे पुलिसकर्मियों को कुछ आराम दिया जा सके।

राज्य के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बुधवार को यह जानकारी दी। देशमुख ने कहा कि महाराष्ट्र के पुलिसकर्मी कोरोना वायरस की रोकथाम के लिये दिन-रात काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई पुलिसकर्मी कोरोना (शेष पेज 9)

देश भर में कोरोना से मौतों का आंकड़ा 2,415 हुआ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि देशभर में बुधवार सुबह आठ बजे तक (पिछले 24 घंटे की अविध में) कोविड-19 से होने वाली मौत का आंकड़ा बढ़कर 2,415 हो गया जबकि संक्रमण के मामले बढ़कर 74,281 हो गए। इस अवधि के दौरान कोविड-19 के 122 मरीजों की मौत हुई जबकि संक्रमण के 3,525 नए मामले सामने आए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मंगलवार तक कोविड-19 के 2.75 प्रतिशत मरीज आईसीयू में थे, 0.37 प्रतिशत वेंटिलेटर पर थे, जबकि 1.89 प्रतिशत मरीजों को ऑक्सीजन दी जा रही थी। उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि देश में प्रतिदिन जांच क्षमता बढ़कर एक लाख (शेष पेज 9)

जैन मुनि की आगवानी में उमड़ी भीड़, ठेंगे पर सोशल डिस्टेंसिग

● वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने दिए जांच के आदेश

पायनियर समाचार सेवा। सागर

लॉकडाउन के दौरान मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा में जैन मुनि प्रणाम सागर महाराज की आगवानी और पूजा-आरती के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग यानी शारीरिक दूरी का कोई ध्यान नहीं रखा गया और न ही चेहरे पर मास्क लगाए गए थे। वहां मौजूद पुलिस मूकदर्शक बनी रही। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। वायरल वीडियो के अनुसार जिला मुख्यालय से करीब 35 किमी दूर बंडा कस्बे में सोमवार शाम जैन मुनि प्रणाम सागर के नेतृत्व में मुनियों के एक समूह के पहुंचने पर बड़ी संख्या में लोग सड़क पर इकठ्ठा हो गए। इस मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया ने कहा कि इस मामले में बंडा थाना क्षेत्र के पुलिस अधिकारी को जांच करने का निर्देश दिया गया है। भीड़ के अगवानी का ये वीडियो वायरल हुआ तो प्रशासन हरकत में आया। सोशल मीडिया पर इसको लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। यहां पर पास ही स्थित भाग्योदय तीर्थ अस्पताल में 10 मई को एक लैब टेक्नीशियन की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव निकली थी। इसी क्षेत्र से मुनि संघ नौ मई को रवाना हुए थे। इसी भाग्योदय अस्पताल में एक मरीज इलाज कराने आया था, जिसे भोपाल में इलाज कराने के लिए रेफर किया गया, बाद में जिसकी सात मई को मौत हो गई थी। उसकी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई थी। इस मरीज की कांटैक्ट हिस्ट्री के चलते भाग्योदय अस्पताल के नौ डॉक्टर और कर्मचारी क्वाइरंटाइन हैं। इसमें से एक लैब टेक्नीशियन भी कोरोना पॉजिटिव निकला. यह मरीज भी भाग्योदय कैंपस में निवास करता है। वहीं केंद्र से लेकर राज्य सरकारें लोगों से शारीरिक दूरी बनाए रखने की बार-बार अपील कर रही हैं।

जैन मुनि की अगवानी के लिए उमड़ी भीड़

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 14 मई, 2020

जम्मू कश्मीर के छात्र बोले, मकान मालिकों ने कर दिया है परेशान

गुरुग्राम से जम्मू कश्मीर जाने को तैयार हैं यहां रह रहे छात्र

खाने के सामान की कीमत बढ़ने की भी कही बात

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के पुराने नागरिक अस्पताल में थर्मल चेकिंग कराने को लाइन में लगे जम्मू एंड कश्मीर के गुरुग्राम में पढ़ने वाले छात्र।

अन्य राज्यों की तरह जम्मू एंड कश्मीर के युवा भी यहां से जाने की तैयारी में जुट गए हैं। पलायन के पीछे उनका कहना है कि यहां पर मकान मालिकों ने बहुत परेशान कर रखा है। किराए को लेकर दबाव बनाया जा रहा है। वहीं राशन के रेट भी काफी बढ़ाकर लिए जा रहे हैं। इसलिए अब वे अपने घर जाने में ही भलाई समझते हैं।

बुधवार को यहां पुराने नागरिक अस्पताल स्थित आयुर्वेद चिकित्सालय में उनकी थर्मल चेकिंग की गई। करीब 50 छात्र यहां पर पहुंचे थे। छात्र तालिब रशीद बट, अख्तर, मंजूर, जावेद आदि ने बताया कि उनमें कोई दो साल से तो कोई एक साल से, कोई छह महीने से गुरुग्राम में रहकर पढ़ाई कर रहा है। लॉकडाउन होने के बाद उन्हें लगा था कि यहां पर रहते हुए अपने घर से ही पढ़ाई कर लेंगे। कुछ दिन तक पढ़ाई की भी। जिन मकानों में वे किराए पर रहते थे, वहां भी उनके लिए परेशानी खड़ी हो गई।

मकान मालिक किराए का दबाव बनाने लगे हैं। उन्हें किराए से मतलब है, चाहे वे खाना भी न खाएं। सभी छात्रों पर यह दबाव बनाया जाता रहा है। घर से पैसे मंगवाकर वे यहां पर खर्चा चला रहे हैं। कभी किसी का किराया रखा भी नहीं। फिर भी उनके साथ ऐसा व्यवहार किया गया कि जैसे वे किराया देकर नहीं जाएंगे। इन छात्रों का कहना है कि किराए के अलावा किरयाणा सामान के रेट भी काफी बढ़ा दिए गए हैं। बहुत महंगा सामान बेचा जा रहा है। ऐसा कब तक चलता। इसलिए उन्होंने घर जाने की तैयारी कर ली है। बस से घर जाएंगे। बुधवार को यहां पर थर्मल स्कैनिंग कराने आए हैं।

बिहार, एमपी के लिए 3000 प्रवासियों को ट्रेन से किया रवाना

रेलवे स्टेशन पर सोशल डिस्टेंस के साथ लोगों को ट्रेनों में चढ़ाया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

रेलवे स्टेशन से अपनी राज्यों को जाने के लिए ट्रेन में सवार होते प्रवासी लोग।

लॉकडाउन के बीच अपने घरों को जाने वालों में बुधवार को गुरुग्राम रेलवे स्टेशन से 1400 कृषि श्रमिकों को ट्रेन से भेजा गया। अपने घरों को जाने के लिए इन श्रमिकों के चेहरों पर खुशी भी देखी गई तो बहुत से तनाव में भी थे। प्लेटफार्म पर सोशल डिस्टेंस के साथ लोगों को ट्रेन में चढ़ाया गया।

बता दें कि हरियाणा सरकार द्वारा 5000 बसों और 100 ट्रेनों में प्रवासी लोगों को अपने घरों पर भेजने के लिए 8 मई को घोषणा की गई है। इसमें बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश व पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए 100 विशेष श्रमिक ट्रेनें शामिल हैं। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड में 5000 बसें शामिल हैं। इसी कड़ी में बुधवार को गुरुग्राम से मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ के लिए विशेष श्रमिक ट्रेन में सवार होकर जाने के लिए पहुंचे कृषि श्रमिकों को स्टेशन के बाहर सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स ने यात्रियों को फ्री टिकट और भोजन के पैकेट वितरित किए। 20 बोगियों में 1400 कृषि श्रमकिों को अपने घरों को भेजा गया है। उनके ट्रेन में बैठने पर तालियां बजाकर खुशी से विदाई दी गई। श्रमिक स्पेशल ट्रेन बिहार के मधुबनी के लिए यहां प्लेटफार्म नंबर-1 से रवाना की गई। इस 20 बोगियों वाली ट्रेन में 1600 श्रमिकों को अपने घरों को भेजा गया है।

संक्षिप्त समाचार

म्यामांर की हला यिन मोन को भाया गुरुग्राम

गुरुग्राम। अपने देश वापस जाने के लिए बुधवार को यहां आयुर्वेद विभाग परिसर में म्यांमार की युवती हला यिन मोन भी अपनी जांच कराने पहुंची थी। जांच प्रक्रिया के बाद जब उनसे बात की गई तो उन्होंने गुरुग्राम को बेस्ट प्लेस बताया। टूरिस्ट विजा पर हला यिन मोन यहां पर करीब ढाई माह पहले आई थी। हालांकि इससे पूर्व वह देश के अन्य हिस्सों में भी घूमकर आ चुकी हैं। गुरुग्राम में भी वह कई ऐतिहासिक स्थलों पर घूमी है। उसने बताया कि यहां पर बहुत अच्छा लग रहा है। उसे यहां किसी तरह की परेशानी नहीं है। हां, कोरोना के कारण लॉकडाउन की वजह से वे फंस गए। फिर भी उन्हें कोई दिक्कत नहीं आई। यहां पर लोगों से भी मिली। बहुत अच्छा लगा। बोली, सब कॉपरेटिव लोग हैं। हला यिन मोन को यहां जांच के लिए लेकर आई थाईलैंड की मन्ना फास ने कहा कि वह अभी थाईलैंड नहीं जा रही। वह हला यिन मोन की थर्मल चेकिंग के लिए उसके साथ आई है। वह खुद अभी यहीं पर है। उसे भी यहां पर किसी से शिकायत नहीं है। सभी अच्छे से उनका साथ दे रहे हैं। कोई परेशानी नहीं हो रही।

कोरोना वॉरियर पुलिसकर्मियों को भेंट की तुलसी की दवा

गुरुग्राम। आयुष्य मंत्रालय के जागरुकता अभियान में भागीदार बनकर सामाजिक संस्था जनजागरण मंच व यूथ सनातन संघ के द्वारा पुलिसकर्मियों को आयुर्वेदिक औषधि तुलसी रस, गिलोय टेबलेट, तुलसी-सोंठ-काली मिर्च से बनी टॉफियां भेंट की। यूथ सनातन संघ के अध्यक्ष बम-बम ठाकुर ने बताया कि अब तक तक दिल्ली व गुरुग्राम में सेवा दी गयी है। जिसमें दिल्ली एम्स के डॉक्टर, थाना, डीएम ऑफिस के साथ ही गुरुग्राम पुलिस आयुक्त ऑफिस में सैकड़ों लोगों को यह उत्पाद भेंट किया। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा पुलिसकर्मियों, डॉक्टर, सफाई कर्मचारी व गरीब लोगों में कोरोना महामारी से बचने के लिए करीब 30 दिन से लगातार निशुल्क यह औषधि वितरित की जा रही है। जनजागरण मंच के अध्यक्ष हरिशंकर कुमार ने बताया कि अभी तक भारत मे जो भी कोरोना के मरीज ठीक हो रहे हैं, उनमें से करीब अधिकांश मरीजों को आयुर्वेदिक दवाओं से फायदा हुआ है। आयुष्य मंत्रालय के रिसर्च में पाया गया कि क्वारंटाइन में जितने भी कोरोना पॉजिटिव मरीज पर आयुर्वेदिक प्रयोग तुलसी, सोंठ, हल्दी, आवंला, गिलोय से दिव्य काढ़ा का सात दिन के सेवन से सभी पॉजिटिव केस 90 प्रतिशत तक कोरोना नेगेटिव पाया गया।

पुलिस ने दी सूचना तो नोटीयर्स फाउंडेशन ने पहुंचाया राशन

गुरुग्राम। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में कोरोना काल के बीच वंचितों को नोटीचर्स फाउंडेशन की ओर से राशन पहुंचाया जा रहा है। इसी कड़ी में यहां गांव चौमा से एक पुलिसकर्मी ने संस्था के पास कॉल करके जरूरतमंद को राशन पहुंचाने की जानकारी दी। इस जानकारी पर नोटीयर्स फाउंडेशन के सदस्य विकास दाहिमा और आदित्य सारवान ने जरूरतमंदों को राशन पहुंचाया। उन्होंने बताया कि लगातार 48 दिन से दिल्ली-एनसीआर में राशन वितरित कर रहे हैं। संस्था के वॉलंटियर इसमें पूरी मेहनत के साथ लगे हैं। विकास दाहिमा व आदित्य सारवान ने कहा कि कोरोना काल में जरूरतमंदों को राशन वितरित करने के लिए वे जहां पर भी चलता है, वहीं पर राशन देकर आते हैं। भविष्य में भी यह काम जारी रखेंगे। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे जरूरतमदों को संभाले। यह बीमारी का दौर है।

गुरुग्राम में बुधवार को 5 नए कोरोना पॉजिटिव केस आए

गुरुग्राम। बुधवार को जिला में कोरोना के 5 केस पॉजिटिव आए। इस तरह से यहां कुल पॉजिटिव केसों की संख्या 166 हो गई है। जिसमें से 67 नेगेटिव यानी ठीक हो चुके हैं। बुधवार को आए पॉजिटिव केसों में एक केस शीतला कालोनी से लिंक है। जो कि बिहार के नवादा का रहने वाला है। वह एक शीट बनाने वाली कंपनी में हेल्पर है। एक केस उद्योग विहार में काल सेंटर से है। इसी तरह 1 केस बसई में फैक्ट्री से, एक केस उद्योग विहार एक्सपोर्ट फैक्ट्री से, 1 केस सेक्टर-28 से दर्ज किया गया है। इस तरह से यहां कुल पॉजिटिव केसों की संख्या 166 हो गई है, जिसमें से 67 ठीक हो चुके हैं। 99 उपचाराधीन हैं।

गृहमंत्री अनिल विज सोहना में शोक सभा में शामिल हुए

सोहना। हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने कहा कि कम उम्र में व्यक्ति का जाना परिजनों पर एक पहाड़ की तरह टूटने के समान होता है । भगवान के आगे व्यक्ति विवश हो जाता है।

अनिल विज भाजपा प्रदेश प्रवक्ता समाजसेवी युवा साथी सूरजपाल अम्मू के बड़े भाई व निशांत राघव के पिता श्याम पाल सिंह राघव उर्फ पपला की रश्म पगड़ी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बुधवार को दमदमा मार्ग पर स्थित स्मार्ट व्यू होटल में पहुंचे। रश्मपगड़ी कार्यक्रम में अनिल विज ने दिवंगत आत्मा श्याम पाल राघव की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। भगवान से प्रार्थना करते हुए कहा कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सूरजपाल अम्मू ने सरकार के आदेशों की पालना करते हुए रसम पगड़ी के दौरान सोशल डिस्टेंस मास्क सैनिटाइजर का विशेष ध्यान रखा। दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रधान चन्द्र प्रकाश, समाजसेवी विमलेश गोस्वामी, सुरेश मैदान, आदर्श गुप्ता, चंद्र मोंगिया, जतन वीर, राघव, राकेश, पाहवा, शिव कुंड कमेटी के प्रधान अनुराग राणा जितेंद्र राणा रोहतास जैन राजीव जैन।

स्वास्थ्य विभाग को सौंपे पीपीई किट, फेस शील्ड व साबुन

पुलिसकर्मियों के लिए भी उपलब्ध कराएंगे यह सामान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कोरोना काल में स्वास्थ्यकर्मियों को काम करने में किसी तरह की दिक्कत ना आए, इसी उद्देश्य से बुधवार को कैनविन संस्था व सुचित्रा ऐरिक्शन कंपनी की ओर से पीपीई किट, फेस शील्ड और साबुन के पैकेट सौंपे गए।

कैनविन फाउंडेशन के सह-संस्थापक नवीन गोयल, सुचित्रा ऐरिक्सन के चेयरमैन आशीष कपूर ने सिविल सर्जन डा. जेएस पूनिया को सौंपी गई सामान की किट के बाद कहा कि और भी सामान की जरूरत हो तो, उन्हें सूची भेज दें। सामान पहुंचा दिया जाएगा। नवीन गोयल ने इस मौके पर कहा कि कोरोना से इस युद्ध में कोरोना वॉरियर्स को सुविधाएं पहुंचाना हम सबका कर्तव्य है। सभी कोरोना वॉरियर्स को उनका सेल्यूट है, जो कि इन विषय परिस्थितियों में अपने काम को बखूबी अंजाम दे रहे हैं।

गुरुग्राम के सीएमओ को कोरोना योद्धाओं के लिए उपकरण सौंपते कैनविन संस्था के सह-संस्थापक नवीन गोयल व सुचित्रा ऐरिक्शन कंपनी के आशीष कपूर।

मंगलवार को मनाए गए विश्व नर्सिंग डे की शुभकामनाएं उन्होंने सभी नर्सिंग स्टाफ को देते हुए कहा कि इनके काम को भी सेल्यूट है। खुद भी कोरोना की चपेट में आकर नर्सिंग स्टाफ का अपने काम के प्रति समर्पण का भाव अपना आप में अहम है। उन्होंने नर्सिंग स्टाफ को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने काम को पूरी हिम्मत के साथ करें। अस्पतालों में उन्हीं के कंधों पर मरीजों की देखरेख का भार होता है। कंपनी के अधिकारी अशीष कपूर ने यहां जिला स्वास्थ्य विभाग को आश्वस्त किया कि कोरोना वॉरियर्स की सहायता को, उन्हें सुविधाएं देने को कटिबद्ध हैं।

कोविड-19 के 48 पॉजिटिव मरीजों ने अब तक की रिकवरी

सोनीपत। कोविड अस्पताल बीपीएस मेडिकल कॉलेज खानपुर कलां में उपचाराधीन कोविड-19 कोरोना वायरस के एक दर्जन से अधिक मरीजों ने बुधवार को रिकवरी की है। इस प्रकार कोरोना पॉजिटिव मरीजों में रिकवरी करने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 48 हो गई है, जिनमें अकेले सोनीपत जिला के मरीजों की संख्या 35 है।

उपायुक्त डॉ. अंशज सिंह ने यह बीपीएस मेडिकल कॉलेज खानपुर कलां से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में बेहतरीन देखभाल व प्रोत्साहन ने कोरोना पॉजिटिव मरीजों को तेजी से ठीक किया है। कोविड अस्पताल में सोनीपत के पॉजिटिव मरीजों का कुल आंकड़ा 118 है। सोनीपत के कोरोना पॉजिटिव के एक्टिव केस 83 रह गए हैं। रिकवरी करने वाले मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर घर भेज दिया गया है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि यह मरीज भी जल्द ही रिकवरी कर लेंगे।

नियमों का उल्लंघन करने वालों के काटे चालान

नियमों को तोड़ने वालों को दी सख्त हिदायतें

पायनियर समाचार सेवा। नूंह।

चालान करती पुलिस

लॉकडाउन में बिना वजह घूमने व नियमों का उल्लंघन करने वालों की अब खैर नहीं है, क्योंकि ऐसे लोगों पर अब ट्रैफिक पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में गुरुवार को ट्रैफिक पुलिस ने दो टीमें गठित कर आकेड़ा चौकी व नगीना-होड़ल मार्ग पर एक अभियान चलाकर चालान काटे। दोनों टीमों ने नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले सैकड़ों वाहनों के चालान किए और आगे से बिना हेलमेट व शीट बेल्ट के वाहन न चलाने की हिदायतें भी दी। ट्रैफिक पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई जारी रखने से दुर्घटनाओं में भी कमी आई है।

ट्रैफिक पुलिस के सब इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने बताया कि उनके द्वारा लगातार लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है, जो लोग समझाने के बावजूद भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं, उन पर कार्रवाई भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिंदगी अनमोल है, जो छोटी सी लापरवाही के चलते खतरे में पड़ सकती है। हेलमेट व शीट बेल्ट लगाने से पुलिस का फायदा नहीं है, इससे स्वयं चालक का फायदा है। लेकिन इसके बावजूद लोग समझाने से बाज नहीं आते, जिनके चालान किए जा रहे हैं। चालान करते समय आकेड़ा चौकी पर हरी सिंह, गिर्राज, सत्यवान, जाहिद व राशिद होमगार्ड़ मौजूद रहे और नगीना-होडल मार्ग पर सतीश कुमार, गजेंद्र, नरेश व होमगार्ड धर्मबीर मौजूद रहे।

प्रवासी मजदूर जान जोखिम में डाल सफर करने को मजबूर

सोहना। सोहना से लगता केएमपी राष्ट्रीय मार्ग पर जान जोखिम में डालकर प्रवासी मजदूर यात्रा कर रहे हैं। प्रवासी मजदूरों को सामाजिक संगठन 24 घंटा सुबह का नाश्ता से लेकर दोपहर का भोजन और शाम का ब्रेक फास्ट करा रहे हैं।

कोरोना काल में प्रवासी मजदूरों ने मामूली छूट मिलने का लाभ उठाते हुए पलायन शुरू कर दिया है। प्रवासी मजदूरों में बिहार, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ के शामिल हैं। जो गुरुग्राम, बादशाहपुर, रोहतक, बहादुरगढ़, मानेसर, सोहना, रेवाड़ी आदि शहरों में रोजीरोटी कमा खा रहे थे, लेकिन अब इन मजदूरों ने अपने पैतृक गांव जाने की धुन लगा ली है। यही कारण है जो केएमपी राष्ट्रीय मार्ग पर 24 घंटा प्रवासी मजदूर जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हो रहे है। गुरुग्राम, बादशाहपुर, मानेसर, बहादुरगढ़ से आने वाले प्रवासी मजदूर केएमपी के रेवासन गांव में बना प्रवेश द्वार से चढ़ रहे हैं।

सामाजिक संगठन कर रहे सेवा

शहरों में बने सेंटर होम में रहने वाले प्रवासी मजदूरों की दिन रात सेवा करने वाले सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने सेवा भाव को कम नहीं होने दे रहे है। सेंटर होमों से प्रवासी मजदूरों को भेज देने के बाद सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने केएमपी पर ढेरा डाल दिया है। जो प्रवासी मजदूरों को खाने पीने की पूरी सेवाएं कर रहे है। दिल टाउन संस्था के कार्यकर्ता अंकुर का कहना है कि तीन दिन से उनके साथ प्रवासी मजदूरों को ब्रेक फास्ट और सुबह का नाश्ता कर रहे है।

सोहना के अस्पताल में हर रोज बढ़ रही मरीजों की संख्या

नरेश कुमार। सोहना

नागरिक अस्पताल में भवन के बाहर की तरफलगाई जा रही ओपीडी में रोगी। सोहना के नागरिक अस्पताल का लैब टेक्निशियन कक्ष को सोमवार से लगा ताला।

सोहना के नागरिक अस्पताल में ओपीडी में आने वाले रोगियों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। लैब टेक्निशियन को कोरोना होने के कारण ब्रांच को बंद कर दिया है। ग्राहक को बाजार स्थित निजी लैब पर टेस्ट कराने पड़ रहे हैं।

सोहना नागरिक लॉकडाउन के कारण 70 फीसदी कामकाज पर रोक लगा दी थी। आपातकाल वार्ड, लेबर रूम, जच्चा-बच्चा वार्ड की सेवा मात्र चालू रखी, लेकिन एक सप्ताह पहले नागरिक अस्पताल में बंद ओपीडी को फिर से चालू किया गया। जिससे नागरिक अस्पताल में आने वाले रोगियों की संख्या दिन प्रति दिन बढ़ने लगी है। वर्तमान समय में 120 से 150 रोगी उपचार लेने के लिए आ रहे है। जिसमें 30 फीसदी पुरुष, 50 फीसदी महिलाएं ऑर 20 फीसदी बच्चे हैं। कोरोना काल में नागरिक अस्पताल के अंदर डॉक्टरों के रिक्त पदों को भरा गया है। चार स्थाई डॉक्टर के अलावा चार अस्थाई डॉक्टरों को लगाया है। जिसमें बच्चा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर की नियुक्ति हुई है। जिससे नागरिक अस्पताल में रोगियों की जरूरत को देखते हुए सुविधाओं को धीरे-धीरे बढ़ाया जा रहा है। लेबर रूम के साथ-साथ जच्चा-बच्चा टिकाकरण सुविधा को पहले की भॉति जारी है। एक दिन में 40 से 50 गर्भवती महिलाएं जांच लिए आती हैं।

टेक्निशियन का अभाव

नागरिक अस्पताल में लैब व एक्सरा टेक्निशियन के न होने के कारण रोगियों को सुविधाएं नहीं मिल रही है। एक्सरा की सुविधा लॉकडाउन के पहले से ही बंद है। जबकि शनिवार को लैब टेक्निशियन कोरोना पॉजीटिव होने के कारण सोमवार से बंद कर दी है। लैब टेक्निशियन के पद पर दो कर्मचारी काम कर रहे थे। एक को आइसोलेट किया है तो दूसरे को 14 दिन के लिए क्यारंटाइन किया गया है।

क्या कहते हैं एसएमओ

नागरिक अस्पताल के प्रभारी डॉ. नवल किशोर ने बताया कि कोरोना के कारण सुविधाओं पर रोक लगा दी गई थी। अब जैसे-जैसे अधिकारियों के आदेश उन्हे मिल रहे हैं। वैसे-वैसे अस्तपाल में सुविधाओं को शुरू किया जा रहा है, लेकिन सभी सुविधाओं में सामाजिक दूरी को प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया गया है।

जो कमियां अभी बची हुई हैं। उन्हें जल्द से जल्द शुरू कराने का प्रयास जारी है। रोगियों को ओपीडी सुविधा के साथ-साथ दवाइयां पूरी दी जा रही हैं।

दिल्ली एनसीआर में ग्रोसरी शॉपिंग प्लेटफॉर्म स्टोरसे.इन का लॉन्च हुआ

अग्रणी स्टोर्स से विस्तृत श्रृंखला के उत्पादों के साथ 24 घंटे के अंदर डिलीवरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एक नए ग्रोसरी डिलीवरी प्लेटफार्म, स्टोरसे.इन ने इस सप्ताह से दिल्ली एनसीआर में अपनी सेवाओं के लॉन्च की घोषणा की। क्षेत्र के उपभोक्ता अब स्टोरसे पर भरोसेमंद ब्रांड्स की आवश्यक सामग्री व ग्रोसरी का आर्डर देकर अपने घर पर मंगा सकते हैं।

ऑफलाइन रिटेल ब्रांड्स, जैसे विशाल मेगामार्ट, मॉडर्न बाजार, मेट्रो कैश एंड कैरी, मोर आदि के साथ साझेदारी के माध्यम से स्टोरसे विस्तृत श्रृंखला के उत्पादों एवं सर्वश्रेष्ठ मूल्यों के साथ 24 घंटों के अंदर गारंटीड डिलीवरी प्रदान करेगा बैंगलोर में सफल लॉन्च के बाद स्टोरसे को अन्य प्रमुख शहरों से भारी मांग मिल रही थी। बैंगलोर से बाहर दिल्ली एनसीआर पहला शहर है, जहां स्टोरसे रिटेलर्स के साथ मिलकर सेवाएं देगा। बैंगलोर में ऑर्डर्स की संख्या में पहले माह 15 प्रतिशत की सप्ताह-दर-सप्ताह वृद्धि हुई। देश में लॉकडाऊन के प्रतिबंधों में छूट दिए जाने के बाद भी स्टोर्स एवं बाजारों में जाना उपभोक्ताओं के लिए चुनौतीपूर्ण है। ग्रोसरी एवं आवश्यक सामग्री का आर्डर ऑनलाइन देने से न केवल भीड़ को रोकने में मदद मिलती है, बल्कि नाजुक वर्ग के लोगों जैसे वरिष्ठ नागरिकों को उनका सामान उनके दरवाजे पर मिल जाता है स्टोरसे का उपयोग करने के लिए आपको स्टोरसे.इन पर विज़िट करके अपना स्थान चुनना होगा, फिर आप उत्पाद के कैटालोग से अपनी जरूरत का सामान चुनकर अपने आर्डर के लिए भुगतान कर सकते हैं। नजदीकी स्टोर द्वारा आर्डर प्राप्त कर लिए जाने के बाद उन्हें आपका पूर्ण आर्डर तैयार करने के लिए अधिकतम 24 घंटे का समय दिया जाता है। ग्राहकों द्वारा भुगतान ऑनलाईन किया जाता है। अल्ट्रापीओएस प्लेटफार्म के साथ इंटीग्रेट करके, स्टोरसे उच्च फुलफिलमेंट दर सुनिश्चित करता है, जिससे हर वक्त ग्राहकों की उच्च संतुष्टि दर बनाए रखने में मदद मिलती है। स्टोरसे ने अग्रणी कैब एग्रीगेटर्स के माध्यम से कैब ड्राईवर्स के साथ साझेदारी की है। ताकि स्मूथ

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 14 मई 2020

बड़ी कार्रवाई : 700 जमातियों के पासपोर्ट जब्त

● तबलीगी से जुड़े हजारों लोगों ने हाल ही में अपना कोरोना क्वारंटीन पूरा किया था

फाइल फोटो

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस लॉकडाउन के बीच तबलीगी जमात के विदेशी सदस्यों को पुलिस ने झटका दिया है। कोविड-19 का क्वॉरंटीन पूरा कर चुके इन लोगों के पासपोर्ट और बाकी ट्रेवल दस्तावेज जब्त कर लिए गए हैं। ये वही लोग हैं जो लॉकडाउन के बीच निजामुद्दीन मरकज के कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

मामले की जांच कर रही दि पुलिस इनसे पूछताछ करेगी। तबलीगी जमात से जुड़े हजारों लोगों ने हाल ही में अपना कोरोना क्वारंटीन पूरा किया था। दिल्ली सरकार ने पिछले हफ्ते जिलाधिकारियों को यह निर्देश दिया था कि वे तबलीगी जमात के 2,446 सदस्यों को आइसोलेशन केन्द्रों से छोड़ दें यानी सबको घर जाने की इजाजत मिल गई थी।

इसमें भारत के अलग-अलग राज्यों के जमातियों को घर जाने की छूट थी। इस बीच दिल्ली सरकार ने क्वारंटीन की अवधि पूरी कर चुके तबलीगी जमात के 4,000 सदस्यों को रिहा करने का आदेश दिया है। दिल्ली के गृह मंत्री सत्येंद्र जैन ने इस बारे में एक आदेश जारी किया।

दिल्ली सरकार की ओर से जारी आदेश में यह भी कहा गया है कि निजामुद्दीन मरकज की घटना में नामजद और जरूरत पड़ने पर तबलीगी जमात के सदस्यों को दिल्ली पुलिस की हिरासत में भेजा जाएगा। अन्य सभी को अपने गृह राज्यों में वापस भेजा जाएगा।

लेकिन निजामुद्दीन मरकज में शामिल हुए विदेशी जमातियों को पुलिस के हवाले किया गया था। तब इनकी संख्या 567 बताई गई थी। सरकार के एक अधिकारी ने कहा था, उन्हें (विदेशी जमातियों को) वीजा उल्लंघन जैसे विभिन्न उल्लंघनों के संबंध में पुलिस के हवाले किया जा रहा है। फिलहाल इन विदेशी जमातियों के पासपोर्ट और ट्रेवल दस्तवेज जब्त किए गए हैं।

फिलहाल ये देश नहीं छोड़ सकते। इनके बयान लिए जाएंगे कि क्या इन्हें मरकज में किसी साजिश के तहत रोका गया था।

मौलाना साद से जुड़ी याचिका पर सुनवाई

हाई कोर्ट में आज तबलीगी जमात के प्रमुख मौलाना साद से जुड़ी याचिका पर भी सुनवाई हुई थी। दिल्ली पुलिस ने कोरोना वायरस के प्रसार पर रोक के उद्देश्य से जारी आदेशों का कथित उल्लंघन करके एक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए तबलीगी जमात नेता मौलाना साद के खिलाफ मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने के लिए दायर याचिका का बुधवार को उच्च न्यायालय में विरोध किया। याचिका पर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी की पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह जांच को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा से एनआईए को हस्तांतरित करने के लिए अपनी अर्जी के समर्थन में फैसले पेश करें। दिल्ली सरकार के ने अर्जी का यह कहते हुए विरोध किया कि दिल्ली पुलिस निष्पक्ष तरीके से जांच कर रही है और दलील दी कि याचिकाकर्ता का अर्जी दायर करने का कोई अधिकार नहीं है।

एक दिन में 20 की मौत, 359 नए मामले

राजधानी में आठ हजार पर पहुंची कोरोना संक्रमितों की संख्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 का संक्रमण अब न केवल तेजी से फैल रहा है, बल्कि इससे मौतें भी ज्यादा हो रही हैं। बुधवार को कोरोना से एक साथ 20 लोगों की मौत की पुष्टि हुई।

राष्ट्रीय राजधानी में एक बार फिर बड़ी संख्या में 349 मरीज संक्रमित पाए गए। अब कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 7798 तक पहुंच चुकी है। इस दौरान कोविड की वजह से रिकवरी रेट भी बेहतर हुआ है। पिछले चौबीस घंटे में करबी 346 कोविड को मात देकर अपने घर भी पहुंच गए हैं। इस तरह अब तक यहां कुल 2858 मरीज ठीक हो चुके हैं। दिल्ली में मई में संक्रमण की रफ्तार काफी तेज है।

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को मौत के 20 मामले जो सामने आए हैं वे कोविड-19समिति के ऑडिट और अस्पतालों से मिले केस दस्तावेज के अनुसार अप्रैल से मई के बीच के हैं। हालांकि इसमें एक नोट भी लिखा है कि दर्ज आंकड़े अतिरिक्त जानकारी प्राप्त होने पर बदल भी सकते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 7,639 थी और 86 लोगों की संक्रमण से मौत हो चुकी थी। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के अनुसार अब तक कल 86 रोगियों की मौत कोविड-19 के लिए समर्पित अस्पतालों में हुईं। इनमें से सबसे अधिक 41 लोगों की मौत राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में हुई। आरएमएल के बाद एलएनजेपी अस्पताल में 19, अपोलो अस्पताल में 8, सर गंगाराम कोलमेट अस्पताल में पांच, साकेत के मैक्स अस्पताल में पांच, सफदरजंग अस्पताल में चार, एम्स (दिल्ली और झज्जर) में दो और राजीव गांधी सुपर-स्पेशिएलिटी अस्पताल में दो लोगों की मौत हुई है।

मृतकों में से 58 की आयु 60 साल या उससे अधिक थी। इसके अलावा 20 मृतकों की उम्र 50 से 59 साल के बीच थी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार दिल्ली में कोविड-19 संक्रमित 2858 रोगी उपचार के बाद स्वस्थ हो चुके हैं। विभिन्न अस्पतालों में 5034 रोगियों का अभी इलाज चल रहा है। विभाग के अनुसार अभी तक कोरोना वायरस संक्रमण के लिए।,13,345 जांच की गई। दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की सं या घटकर 81 हो गई है।

मजदूरों के पलायन को भाजपा ने कहा साजिश

जरूरतमंदों को राहत सामग्री बांटते रामवीर सिंह बिधूड़ी।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली।

प्रवासी मजदूरों के पलायन के पिछले सीएम अरविंद केजरीवाल की बड़ी साजिश है जिसके तहत मजदूरों को पलायन के लिए विवश किया जा रहा है। प्रदेश भाजपा नेता का कहना है कि जिस मकसद के साथ लॉक डाउन की शुरुआत हुई थी। उसको लगातार प्रभावित करने के लिए दिल्ली सरकार ने प्रवासी मजदूरों को मिलने वाली राहत खाद्य सामग्री में हेराफेरी कर मजदूरों को दिल्ली छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कई कई योजनाएं शुरू की थी लेकिन दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार के लिए मुफ्त राशन को बांटने में लापरवाही की और अफवाह फैलाकर अफरा तफरी का माहौल पैदा किया।

बेसहारा श्रमिकों को भोजन-पानी का दावा

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बताया कि अपने गृह प्रदेशों को जा रहे श्रमिकों को खाने के पैकेट, बिस्कुट, जूस, फल, पानी की बोतल आदि जरूरी चीजें दी गईं। साथ ही डॉक्टरों की टीम ने इन कामगारों की पूरी जांच भी कराई गई। जो श्रमिक रैन बसेरों में जाना चाहते थे, उन्हें पहुंचाने के इंतजाम भी किये गए।

जेसी पासी हटाए गए डॉ. सुरेश बने एलएनजेपी के डायरेक्टर

नई दिल्ली। दिल्ली के सबसे बड़े कोरोना अस्पताल लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल(एलएनजेपी) के मेडिकल डायरेक्टर डॉ जेसी पासी हटा दिए गए हैं। डॉ सुरेश कुमार को लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल का मेडिकल डायरेक्टर बनाया गया है।

केंद्र सरकार ने निर्देश दिया था कि लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ जेसी पासी को उनके पद से हटाया जाए और उन्हें किसी भी प्रशासनिक पद पर तैनात न किया जाए। केंद्र सरकार के मुताबिक यह नियम है कि 62 वर्ष से अधिक का कोई भी व्यक्ति प्रशासनिक पद पर नहीं हो सकता डॉ जेसी पासी की सेवानिवृत्ति 65 वर्ष की उम्र में होनी है।

गौतम बुद्ध नगर में कोरोना का कहर जारी

● बुधवार को फिर 6 लोग संक्रमित मिले

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतम बुद्ध नगर में कोरोना का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को एकबार फिर संक्रमण के 6 नए मामले सामने आए हैं।

शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। जेवर क्षेत्र के जेवर बांगर गांव में कोरोना से संक्रमण का मामला आया है। जिसके बाद गांव को सील कर दिया गया है। इसके अलावा नोएडा में 5 नए मामले सामने आए हैं। अब जिले में कुल संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 236 तक पहुंच गई है।

गौतम बुद्ध नगर के जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ सुनील दोहरे ने बताया कि बुधवार को 167 लोगों की कोरोनावायरस रिपोर्ट मिली थीं। जिनमें से 161 लोगों को नेगेटिव घोषित किया गया है। 6 लोगों की टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई हैं।

डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि संक्रमित मिलने वाले लोगों में पांच पुरुष और एक महिला है। नोएडा के सेक्टर-ए66 में रहने वाले 34 वर्षीय युवक को संक्रमित घोषित किया गया है। सेक्टर-76 में रहने वाली एक महिला को भी कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। एक 30 वर्षीय डॉक्टर को जेवर बांगर गांव में कोरोनावायरस है। नोएडा के सेक्टर.5 में रहने वाला 151 वर्ष का व्यक्ति भी कोरोना से संक्रमित है।

बिना मास्क लगाए घूम रहे पांच गिरफ्तार

नोएडा। लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी है। थाना सेक्टर 49 पुलिस ने होशियारपुर गांव में लॉकडाउन का उल्लंघन करने के आरोप में 5 युवकों को गिरफ्तार किया। सेक्टर-49 थाना पुलिस होशियारपुर गांव में गश्त कर रही थी। पुलिस ने उनके खिलाफ लॉकडाउन के उल्लंघन का मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी होशियारपुर निवासी अलीशान, सोनू कुमार, राजन पाण्डे, अरविन्द कुमार व सुरजीत हैं।

बढ़ी दरों को लेकर फोनरवा ने प्राधिकारण को लिखा पत्र

नोएडा। फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन फ ोनरवा ने प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु महेश्वरी को एक पत्र लिखा है।

इस पत्र के माध्यम से फोनरवा ने प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु महेश्वरी से पानी की दरों में की गई वृद्धि को वापस लेने की मांग की है। गौरतलब है कि प्राधिकरण ने एक अप्रैल से शहर में पानी की दरों में इजाफा कर दिया था। जिसके बाद से लगातार शहर भर की कई सामाजिक संस्थाओं द्वारा इसको लेकर व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

संक्रमित बच्ची के लिए मां का दूध बना रामबाण!

● कोरोना से जंग लड़ रही बहादुर मां, दोनों चाइल्ड पीजीआई में भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

करीब 15 गर्भवती महिलाएं कोरोना वायरस की चपेट में आ चुकी हैं। ऐसे में सेक्टर 30 स्थित चाइल्ड पीजीआई में एक ऐसा ही मामला सामने आया है। 10 दिन की मासूम को सीने से लगाकर आइसोलेशन वार्ड में एक मां कोरोना वायरस की जंग लड़ रही है।

दोनों संक्रमित हैं। चाइल्ड पीजीआई के चिकित्सकों को पूरा विश्वास है कि मां के दूध की ताकत मासूम बच्ची को जल्द से जल्द स्वस्थ कर देगी। बच्ची मां का दूध पी रही है। जिससे बच्ची को खासा फायदा हो रहा है। 8 मई को बच्ची की एक रिपोर्ट निगेटिव आ चुकी है। दूसरी रिपोर्ट भी निगेटिव मिलते ही बच्ची को डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

बच्ची को मां के दूध का काफी फायदा पहुंच रहा है। निठारी की रहने वाली एक महिला के बच्ची जिम्स में हुई थी। महिला की जांच हुई। जिसमें महिला को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया था। डिलिवरी के बाद बच्ची का भी कोरोना वायरस का टेस्ट कराया गया।

वह बच्ची भी कोरोना वायरस से संक्रमित मिली थी। जिसके मां का सलाह दी गई कि बच्चों को स्तनपान कराए। जिसके बाद देखा गया कि बच्चे की हालत में तेजी से सुधार आ गया। दोबारा जांच में बच्ची की रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

झपटमार गिरफ्तार, 143 मोबाइल फोन बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जब्त चोरी के मोबाइल

पूर्वी दिल्ली जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ ने झपटमारी करने वाले वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक बदमाश को गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान साहिबाबाद गाजियाबाद निवासी निजाम शेख के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से चोरी के 143 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। शेख झपटमारी के फोन को मथुरा, कोसी, भरतपुर, अलवर, नूह और मेवात में बेचता था। पुलिस के अनुसार, निजाम शेख ने पूछताछ में बताया उसे हापुड़ में रहने वाले एक व्यक्ति के बारे में पता चला कि वह चोरी का मोबाइल फोन खरीदता है और उसे राजस्थान और पश्चिम बंगाल में बेचता है। इसके बाद इस काले धंधे के गुर सीखने के बाद खुद धंधा करने लगा।

संक्षिप्त समाचार

एनडीएमसी को मिले 25 सौ मास्क व दो सौ दस्ताने

नई दिल्ली। आईडीएफसी फस्ट बैंक ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम को 2500 मास्क व 200 दस्ताने दान किए। ये सभी निगम के संसाधनों को बढ़ाने और कोविड-१९ की रोकथाम में मदद करेंगे। निगम की तरफ से स्थायी समिति, अध्यक्ष जय प्रकाश ने डॉ एसपीएम सिविक सेंटर स्थित आपने कार्यालय में मास्क व दस्ताने ग्रहण किए। जय प्रकाश ने कहा कि इस महामारी से निपटने के लिए किसी भी प्रकार की मदद सराहनीय है, जब निगम को आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ रहा हो। ये सभी कोरोना वायरस से लड़ने के लिए संसाधनों को बढ़ाने में मदद करेंगे और साथ ही फ्रंट लाइन योद्धाओं को और अधिक कुशलता से काम करने में मदद करेंगे। इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक), गोपाल व आईडीएफसी फस्ट बैंक के शाखा प्रबंधक, अनिल दुआ मौजूद थे।

गरीब परिवारों की मदद करेगा आरएसएस

गाजियाबाद। लॉकडाउन में आर्थिक रूप से कमजोर अभावग्रस्त परिवारों की मदद के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आरएसएस के आर्थिक रूप से सक्षम परिवार अभावग्रस्त परिवारों को गोद लेगे। जब तक लॉकडाउन चलेगा इन अभावग्रस्त परिवारों के पालन पोषण के लिए सक्षम परिवार इनकी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वाह करेगे। यह जानकारी देते हुए राष्ट्रीय सेवा भारती महानगर गाजियाबाद के मंत्री राजेश गर्ग ने बताया कि इस सिलसिले में हमने अभावग्रस्त व सक्षम परिवारों की सूची बनानी शुरू कर दी है,जिसके सकारात्मक परिणाम बहुत जल्द देखने को मिलेगे। सूची बनाने के लिए हमने सामाजिक सूचना चक्र व अपने स्वयं सेवकों के माध्यम से डाटा एकत्र करना शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि इसी सप्ताह से हमें अभावग्रस्त परिवारों को गोद लेने की जानकारी मिलनी शुरू हो जाएगी।

कोरोना संकट में संयम से काम ले छात्र : प्रो यादव

नई दिल्ली। कोरोना संकट विद्यार्थियों के लिए अवसर और चुनौतियां विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी हुई। शहीद भगत सिंह (सांध्य) महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसके सिंहा, ओबीसी सेल की संयोजिका डॉ. कविता यादव और एकेडमिक अफेयर कमेटी के संयोजिक सौरभ दुबे के नेतृव्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें वक्ता के रूप में हरियाणा के भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुषमा यादव थी। प्रो. सुषमा ने कहा कि कोरोना की इस संकटकालीन स्थिति में विद्यार्थियों को संयम और समझ के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। प्रो. सुषमा ने बच्चों के प्रश्नों का उत्तर भी बहुत प्रेरक रूप में दिया। उन्होंने व्यवसाय के क्षेत्र में आज के समय में जो अवसर हो सकते हैं, उन पर भी प्रकाश डाला। पूरा वक्तव्य बच्चों के लिए बहुत प्रेरणादायी रहा।

काव्यशास्त्र परम्परा के चिंतन बिंदु विषय पर वेब गोष्ठी

नई दिल्ली। वेब गोष्ठी का कार्यक्रम का आरंभ हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ राजेश शर्मा के स्वागत वक्तव्य साथ हुआ। हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा ने कहा कि जिस समय चारों ओर मात्र वर्तमान परिदृश्य पर चर्चा हो रही है,ऐसे समय में साहित्य के शास्त्रीय नियमों के माध्यम से साहित्य की परम्परा पर चर्चा करना आवश्यक हो गया है। हंसराज कॉलेज के डॉ नृत्य गोपाल तथा कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय जयपुर की डॉ शीताभ शर्मा ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का सफल संयोजन हिंदी विभाग हंसराज कॉलेज के प्राध्यापक डॉ प्रभांशु ओझा ने किया। वेब - गोष्ठी का समापन डॉ राजमोहिनी सागर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने प्राचार्या, वक्ताओं और सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।इस गोष्ठी में देशभर के विभिन्न विश्विद्यालयों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

कलेक्ट्रेट पहुँचकर डीएम से खुद को अपने घर भेजने की गुहार लगाते श्रमिक।

श्रमिको ने जिलाधिकारी से लगाई घर भेजने की गुहार

गाजियाबाद। गाजियाबाद में कार्यरत श्रमिक भी अपने घर जाने की गुहार लगा रहे हैं। मोरटा, कोतवाली के चक्कर लगाने के बाद दर्जन भर श्रमिक डीएम कार्यालय पहुंचे।

श्रमिकों ने बताया कि उन्हें किसी ने जानकारी दी कि मोरटा से बस मिल रही हैं तो वह वहां पहुंचे लेकिन वहां उन्हें पहले कोरोना टेस्ट कराने के लिए कहा गया, उन्हें डीएम कार्यालय भेज दिया गया। लेकिन यहां भी उनकी गुहार सुनने वाला नहीं है। इन श्रमिकों को बिहार जाना है, लेकिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट न मिलने पर वह अधिकारियों से घर जाने की गुहार लगा रहे हैं।

गाजियाबाद में कोविड-19 एल-2 अस्पताल शुरू

● अब दिल्ली और मेरठ रेफर नहीं होंगे कोरोना के मरीज : सीएमओ

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जनपद के संजय नगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल में बनाए गए सौ बेड के कोविड-19 लेबल-2 अस्पताल को चालू कर दिया गया है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डा. एनके गुप्ता ने बताया अब जनपद के गंभीर मरीजों को दिल्ली और मेरठ के लिए रेफर नहीं किया जाएगा। सभी का उपचार जनपद में ही होगा। स्वास्थ्य विभाग के पास पूरी व्यवस्था है।

लेबल-2 अस्पताल में कुल 112 स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी दो टीमें बनाकर लगाई गई है। पहली टीम 15 दिन लगातार काम करेगी और उसके बाद पैसिव क्वॉरंटीन में चली जाएगी और दूसरी टीम ड्यूटी पर रहेगी। सीएमओ ने बताया जनपद में लगातार स्क्रीनिंग और जांच चल रही है। मरीजों के संपर्क वाले लोगों को लगातार क्वॉरंटीन किया जा रहा है ताकि संक्रमण की कड़ी टूट सके।

इसके साथ ही कोराना योद्धाओं को भी पूरी एहतियात के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए जा रहे हैं, उन्हें लगातार सचेत किया जा रहा है कि जरा सी भी लापरवाही भारी पड़ सकती है। सीएमओ ने बताया जनपद में काफी पहले ही लेबल-दो अस्पताल बना लिया गया था लेकिन अभी जरूरत न पड़ने के कारण वह क्रियाशील नहीं था।

दिल्ली तो पहुंचे लेकिन बिना वाहन स्टेशन पर फंसे

सार्वजनिक यातायात बंद होने से रेल यात्रियों का घर जाना हुआ मुश्किल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन के बाद दूसरे प्रदेशों में फंसे लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए आंशिक रूप से रेल सेवा शुरू होने के बाद बुधवार को नई दिल्ली पहुंची पहली ट्रेन से गुजरात और राजस्थान से सैकड़ों यात्री यहां पहुंचे और आगे की यात्रा के लिए स्टेशन के बाहर परिवहन के साधन तलाशते नजर आए।

दरअसल सार्वजनिक यातायात बंद होने से रेल यात्रियों का घर जाना हुआ मुश्किल हो गया था। अहमदाबाद, पटना और मुंबई से विशेष ट्रेनें बुधवार को सुबह नौ बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचीं। भारतीय रेलवे ने 12 मई से ऐसी यात्री ट्रेन सेवाओं की शुरुआत की।

कोरोना वायरस के कारण लगाए लॉकडाउन के कारण हप्तों से ये सेवाएं बंद चल रही थीं। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्रियों की जरूरी जांच की गई तथा प्रवेश एवं निकास केंद्रों और ट्रेनों में उन्हें सैनिटाइजर दिया गया।

ज्यादातर यात्रियों की रेल यात्रा सुचारू रही लेकिन घर पहुंचने की उनकी खुशी उस समय फीकी पड़ गई जब वे स्टेशन के बाहर सड़कों पर उतरे और उन्हें आगे की यात्रा के लिए परिवहन का कोई साधन नहीं मिला। आगे की यात्रा के लिए उन्हें कोई बस, कैब या परिवहन का कोई अन्य साधन नहीं मिला। भारी भरकम सामान लिए कई यात्री रेलवे स्टेशन के बाहर असंमजस की स्थिति में खड़े रहे जबकि कुछ स्थानीय कैब चालकों को विभिन्न राज्यों में उनके घरों तक ले जाने के लिए मनाने की कोशिश करते दिखे।

एक व्यक्ति ने स्टेशन पर पहुंचे एक चालक से कहा, अगर वह उसे रुड़की (करीब 200 किलोमीटर दूर) लेकर चलोगे तो वह तु हें 6,000 रुपए तक दे सकते हैं। यह कैब चालक एक परिवार को लेने पहुंचा था जिसने पहले से ही उसकी टैक्सी बुक कराई थी।

पैंट्री में उमड़ी भीड़, सोशल डिस्टेंसिंग की उड़ी धज्जियां

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● दिल्ली पहुंची गाड़ी के यात्री ने दी जानकारी

अहमदाबाद से नई दिल्ली पहुंची पहली ट्रेन में सोशल डिस्टेंसिंग के नियम का जमकर उल्लंघन किया गया। एक यात्री ने बताया कि रात में खाने के समय खाने के पैकेट और पानी की बोतलें खरीदने के लिए पैंट्री में भारी भीड़ जमा हो गई।

रेलवे ने पानी की बोतलों के अलावा पैंट्री में बिस्कुट, भुजिया और चॉकलेट जैसे खाने के पैकेट उपलब्ध कराए थे। लेकिन पैंट्री से दूर वाली बोगियों में बैठे यात्रियों को भोजन और पानी की बोतलें खरीदने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा जिससे ट्रेन नंबर 02957 की बी-1 बोगी के पास स्थित पैंट्री वैन में भारी भीड़ लग गई। बी-6 बोगी में बैठे छात्र निहार कक्कड़ ने मीडिया से बातचीत में बताया, रात को पैंट्री में भीड़ जमा होने पर एक घोषणा कर यात्रियों से एक-एक करके पैंट्री की ओर आने का अनुरोध किया गया।

उसने बताया कि भीड़ को रोकने के लिए बाद में रेलवे का एक कर्मचारी खुद बोगियों में जाकर पानी बेचने लगा। एक अन्य ने उसे गोरखपुर जाना है। अहमदाबाद से ट्रेन से आधी यात्रा पूरी कर ली है, उसे आधी और यात्रा तय करनी है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

प्रवासियों के पलायन पर किराया देने को आगे आई कांग्रेस

कुमारी शैलजा ने सीएम को भिजवाए 40 लाख रुपये

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा से पलायन करने वाले प्रवासी मजदूरों का किराया भरने के लिए हरियाणा प्रदेश कांग्रेस आगे आ गई है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी के निर्देशों पर हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी शैलजा ने बुधवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को 40 लाख रुपये का चेक पहुंचाया।

कांग्रेस का दावा है कि इस धनराशि का इस्तेमाल प्रवासी मजदूरों को उनके पैतृक राज्यों में भेजने के लिए खर्च किए गए किराये के लिए किया जाएगा। हरियाणा के पूर्व मुख्य संसदीय सचिव एवं कुमारी शैलजा के राजनीतिक सलाहकार राम किशन गुर्जर और हरियाणा कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष रोहित जैन ने बुधवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मुलाकात करके उन्हें 40 लाख रुपये का चेक सौंपा। इसी दौरान कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी शैलजा ने जारी एक बयान में कहा कि कोरोना महामारी के कारण मार्च माह में अचानक लगाए गए लॉकडाउन के कारण लाखों श्रमिक व कामगार घर लौटने से वंचित हो गए थे। इनमें से ज्यादातर का रोजगार भी छिन चुका है। इन श्रमिकों के सामने रोजी रोटी का बड़ा संकट गहरा गया है। इन्हीं अब कोई रोजी रोटी की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। हताश और निराश यह श्रमिक अब अपने पैतृक स्थानों पर जाना चाहते हैं।

परंतु इनके पास ना साधन है, न पैसा है और न राशन-खाना। ऐसे में हम सभी का फर्ज बनता है कि हम अपने राष्ट्रनिर्माता श्रमिकों की हर संभव मदद करें। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी इन जरूरतमंद श्रमिकों के घर लौटने की रेल यात्रा का टिकट खर्च में अपना योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा हरियाणा सरकार से पलायन करने वाले मजदूरों का ब्योरा मांगा गया है, ताकि जरूरत के अनुसार उनकी मदद की जा सके।

कोरोना की आड़ में खत्म किए जा रहे श्रम कानून

सर्व कर्मचारी संघ ने जताई आशंका

चंडीगढ़। कोरोना महामारी का फायदा उठाकर श्रम कानूनों को खत्म किया जा रहा है। इससे हायर एंड फायर की नीति लागू होगी और मजदूर कारखाना मालिकों के यहां बंधुआ मजदूर बनने पर मजबूर होंगे।

यह आशंका प्रदेश के कर्मचारियों के एक वर्ग की अगुवाई कर रहे सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष लांबा, महासचिव सतीश सेठी व वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री ने जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को पूंजीपतियों और उनके कम हो रहे मुनाफे की चिंता ज्यादा है और उन मजदूरों को चिंता नहीं है, जिन्होंने वोट की ताकत देकर भाजपा को दोबारा सत्ता पर काबिज किया है। आज वह लाखों की तादाद में न केवल बेरोजगार हो गए हैं, बल्कि भूखा मरने के भय से पैदल ही हजारों किलोमीटर का सफर तय करके अपने घरों को जा रहे हैं।

उन्होंने आगाह किया कि अगर केन्द्र सरकार व भाजपा शासित राज्य सरकारों ने लाखों मजदूरों की कुर्बानियों के बाद हासिल किए गए सामाजिक सुरक्षा एवं अधिकार के श्रम कानूनों को समाप्त एवं निलंबित किया तो लाकडाउन के बाद देशभर के मजदूर एवं कर्मचारी राष्ट्रीय स्तर पर तीखा आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। इसको लेकर देश के सभी केंद्रीय श्रमिक एवं कर्मचारी संगठनों ने सरकार को इससे आगाह कर दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार के आचरण से ऐसा स्पष्ट तौर पर दिखाई पड़ रहा है कि जैसे केन्द्र सरकार कोरोना महामारी काल में ही अपने तथाकथित श्रम एवं वित्तीय सुधारों और नवउदारवादी आर्थिक नीतियों को लागू करने के एजेंडे को लागू करने में बहुत जल्दबाजी कर रही है।

एसडीएम कमलप्रीत कौर ने बाढ़ प्रबंधन कार्यों का लिया जायजा

बाढ़ प्रबंधन कार्यों का जायजा लेते एसडीएम कमलप्रीत कौर।

कैथल। आगामी मानसून सीजन के मद्देनजर शहर में पानी की निकासी व बाढ़ प्रबंध कार्यों को लेकर किए गए सभी कार्यों का निरीक्षण उपमंडलाधीश कमलप्रीत कौर ने किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा जल निकासी तथा बाढ़ से बचाव के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि शहर के लोगों से किसी भी प्रकार की परेशानी नही हो।

उन्होंने कहा कि अमरूत योजना के तहत सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है, ताकि गंदे पानी की निकासी समूचित ढंग से चलती रहे। इसी प्रकार पानी की निकासी के लिए ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत किया गया है। ग्योंग ड्रेन पर सीवरेज के पानी को समूचित ढंग से ड्रेन तक पहुंचाने के लिए फ्लड गेट का निर्माण तेजी से चल रहा है, जिसके पूरा होने से पानी शहर की तरफ नही आएगा और पंपिंग सिस्टम से पानी को ड्रेन में डालने की समूचित व्यवस्था होगी। उपमंडलाधीश कमलप्रीत कौर ने शहर में मानस ड्रेन, जन स्वास्थ्य विभाग की वर्कशॉप, ग्योंग ड्रेन पर चलाए जा रहे बाढ़ बचाव प्रबंधन कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि शहर के पानी को मानस ड्रेन तक लाने के लिए पाइप लाइन व्यवस्था सुदृढ़ की गई है, ताकि शहर के बरसाती पानी को तुरंत मानस ड्रेन में डालकर बाहर किया जा सके। शहर की ड्रेनों को बरसात से पहले पूरी तरह से साफ किया जाएगा, ताकि भविष्य में जल निकासी की कोई भी समस्या नही रहे। उन्होंने जन स्वास्थ्य विभाग की वर्कशॉप का दौरा करके बाढ़ के समय में प्रयोग लाए जाने वाले इलेक्ट्रिक व डीजल पंपों को देखा और कहा कि सभी पंप दुरूस्त होने चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर इन्हें प्रयोग में लाया जा सके। बरसाती पानी को निकालने के लिए प्रशासन के पास 70 मोबाइल डीजल पंप, 35 मोबाइल इलेक्ट्रिक पंप हैं।

मंडी से गेहूं का उठान न होने से आढ़ती परेशान बोले नहीं उठाएंगे नुकसान

पायनियर समाचार सेवा। निगदू

सरकार के प्रति अपना रोष व्यक्त करते आढ़ती।

गेहूं की खरीद शुरू हुए 24 दिन बीत गए, लेकिन अभी तक अनाज मंडी सहित खरीद केंद्रों से गेहूं के कट्टों का पूरा उठान नहीं हो पाया है। जिसे लेकर बुधवार को अनाज मंडी प्रधान राजबीर सागवाल की अध्यक्षता में एसोसिएशन के सदस्यों व आढ़तियों की बैठक हुई। बैठक में आढ़तियों ने कहा कि खरीद एजेंसियों और ठेकेदार की मिलीभगत के कारण उन्हें काफी नुकसान झेलना पड़ रहा है।

सरकार और प्रशासन ने आढ़तियों का मजाक बना कर रख दिया है। आढ़तियों ने बताया कि सरकार के मुताबिक 72 घंटे के अंदर गेहूं के कट्टों का उठान होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। बेमौसम बारिश की वजह से कट्टे भीग रहे हैं। उन्होंने बताया कि डीएफएससी और हैफेड कंपनी द्वारा 10 लाख 35 हजार कट्टों की खरीद की गई। जिसमें से अभी भी लगभग 4 लाख कट्टे मंडी व खरीद केंद्रों में पड़े हैं।

डीसी, एसडीएम से मिले : प्रधान राजबीर सागवाल, उपप्रधान अर्पण गुप्ता, सुरेंद्र कुमार, अन्नतराम, सुंदर गुप्ता, सतपाल गुप्ता, रामचंद्र, भीम सिंह, फतेह सिंह, कृष्ण कुमार, रघुबीर, यूनित गुप्ता, संदीप कुमार आदि आढ़तियों ने बताया कि बोरियों के उठान को लेकर वे पिछले दो दिन में डीसी, एसडीएम, हैफेड के डीएम व डीएफएससी के डीएम से मिल हैं, लेकिन फिर भी कोई धरातल पर कार्य नहीं हो रहा है। लोगों ने कहा कि खरीद एजेसियों और ठेकेदार की मिलीभगत से आढ़तियों को हो रहा नुकसान आढ़ती नहीं झेलेंगे।

एक ठेकेदार के जिम्मे कई मंडियां : आढ़तियों ने बताया कि दोनों कंपनियों का एक ही ठेकेदार है। उसके पास निगदू मंडी के अलावा कई मंडियां हैं। उन्होंने कहा कि सरकार, अधिकारियों और ठेकेदार की कमी से हो रहे नुकसान को आढ़ती क्यों भुगते। आढ़तियों ने सरकार के प्रति रोष अपना जताया।

लॉकडाउन में मिली ढील का न उठाएं नाजायज फायदा

करनाल। उपायुक्त ने कहा कि कोरोना वैश्विक महामारी का खतरा अभी टला नहीं है। सरकार द्वारा क्रमबद्ध ढंग से लॉकडाउन में कुछ ढील देकर दुकान आदि प्रतिष्ठान खोलने की अनुमति दी गई है, लेकिन लोग इसका अर्थ बिल्कुल भी यह न निकालें कि उन्हें बेवजह घर से बाहर घूमने की अनुमति मिल गई है।

बाजार में भी वहीं लोग जाएं जिन्हें कुछ सामान आदि खरीदना है या फिर जरूरी कार्य है। 65 वर्ष से ज्यादा उम्र के व्यक्तियों, बीमार लोगों, गर्भवती महिलाओं और 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को आवश्यक जरूरतों और स्वास्थ्य उद्देश्यों को छोड़कर घर पर ही रहना होगा। ये लोग बिल्कुल भी बाजार न जाएं और घर में ही रहे। उन्होंने कहा कि हम जितना अधिक एक-दूसरे से दूर रहेंगे यानि सामाजिक दूरी बनाये रखेंगे उतना ही हम सभी कोरोना वायरस से सुरक्षित रह पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक कोई वैक्सीन या समाधान नहीं ढूंढ लिया जाता है, तब तक कोरोना वायरस से लड़ने के लिए हमारे पास सबसे बड़ा हथियार सामाजिक दूरी बनाये रखना ही है। दुकानदार आदि सभी लोग अपने कामकाज के ढंग में इस प्रकार से महत्वपूर्ण बदलाव लाएं कि कोविड-19 से बच सकें।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि यह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	कुणाल चावला, शिखा चावला, ए–5/380, एसएफएस फ्लैट्स, शान्ति कुंज, पश्चिम विहार वेस्ट दिल्ली, दिल्ली, खाता :– एलबीएनओडी00004280566	फ्लैट नंबर 004, भू तल, टावर बी–3, ऐवलोन रोज वुड, अलवर बाईपास रोड, भिवाडी	15–फरवरी–2020 रू. 50,95,145/–	31–10–2019
2.	राजेश सिंह, रोहित चंद, मकान नंबर 112, अगवानपुर, सेक्टर–91, फरीदाबाद, हरियाणा, खाता:– एलबीएनओडी00004350287	फ्लैट नंबर 003, भू तल, टावर ए–15, ऐवलोन रोज वुड, सेक्टर–16, भिवाडी	15–फरवरी–2020 रू. 37,43,132/–	31–10–2019
3.	आदेश जैन, रेखा जैन, मकान नंबर 191, शारदा निकेतन, पीतमपुरा, सरस्वती विहार, नई दिल्ली, खाता:– एलबीएनओडी00004580976	फ्लैट नंबर 1204, 12वां तल, ऐवलोन रोज वुड, टावर बी–4, अलवर बाईपास रोड, भिवाडी	15–फरवरी–2020 रू. 45,11,430/–	31–10–2019
4.	सृजित गुप्ता, श्री देवी गुप्ता, एच 56 एमआईजी कालोनी, एमआईजी पुलिस थाना के पीछे, इंदौर, पुलिस थाना, इंदौर, मध्य प्रदेश, खाता :– एलबीएनओडी00004695351	फ्लैट नंबर 106, प्रथम तल, सीएचडी डेवलपर्स लिमिटेड, टावर 9, 106 गोल्फ एवेन्यू, सेक्टर–106, गुड़गांव	15–फरवरी–2020 रू. 1,59,22,479.96/–	30–11–2019
5.	विनीत शर्मा, अमिता शर्मा, जी–1506, प्रतीक विस्टेरिया, सेक्टर–77, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा–201301, खाता :– एलबीएनओडी00004745285	फ्लैट नंबर 2303, क्लिओ काउन्टी, टावर ए–1, 22वां तल, प्लॉट नंबर जीएच–05, सेक्टर–121, नोएडा–201301	15–फरवरी–2020 रू. 82,96,888/–	30–11–2019
6.	वैद अवाना, निशा अवाना, डी–70, सेक्टर–20, नोएडा, उत्तर प्रदेश खाता :– एलबीडीईएल00001413319	फ्लैट नंबर 84–ए, भू तल, ब्लॉक–सी, सेक्टर–62, रजत विहार, नोएडा	14–मार्च–2020 रू. 9,30,891.85/–	31–12–2019
7.	सतीश चंद, वेद कुमारी, मकान नंबर 22, भू तल, ब्लॉक–बी, पाकेट–3, सेक्टर–16, रोहिणी, दिल्ली, खाता :– एलबीडीईएल00001758042	22 भू तल, ब्लॉक–बी 3, सेक्टर–16, रोहिणी, दिल्ली	14–मार्च–2020 रू. 76,665/–	31–12–2019
8.	राहुल सिक्का, गरिमा जोशी सिक्का, 283, स्टेट बैंक नगर, आउटर रिंग रोड, पश्चिम विहार, नई दिल्ली, खाता :– एलबीडीईएल00001796369	ब्लॉक नंबर ए–3, 11वां तल, यूनिट नंबर 1104, विस्टास सेक्टर–70, गुड़गांव	03–मार्च–2020 रू. 28,41,664.7/–	30–11–2018
9.	वैद अवाना, निशा अवाना, डी–70, सेक्टर–20, नोएडा, उत्तर प्रदेश खाता :– एलबीडीईएल00001929497	फ्लैट नंबर 84–ए, भू तल, ब्लॉक–सी, सेक्टर–62, रजत विहार, नोएडा	14–मार्च–2020 रू. 53,406/–	31–12–2019
10.	संजय कुमार गुप्ता, प्रतिभा गुप्ता, मकान नंबर 103, ऑर्चिड टावर, ग्रीन वैली, सेक्टर–41–42 00 आईएन, फरीदाबाद, हरियाणा, खाता :– एलबीडीईएल00001996460	फ्लैट नंबर 103, ऑर्चिड्स, टावर, प्रथम तल, ग्रीन वैली, सेक्टर–41–42, फरीदाबाद	03–मार्च–2020 रू. 2,82,284.4/–	31–10–2019
11.	ऐश्वर्य, राजेन्द्र कुमार गुप्ता, सी/ओ सुजाता दास, 198 डी एस/एफ प्राइवेट, फ्लैट नंबर 3/एफ, पटपड़गंज, मयूर विहार, नई दिल्ली खाता :– एलबीडीईएल00002185984	फ्लैट नंबर 1202, 12वां तल, टावर सी, ग्राम शाहपुर बम्हेटा, आदित्य अर्बन होम्स, गाजियाबाद	03–मार्च–2020 रू. 12,10,893/–	31–10–2019
12.	मनदीप कुमार, नीतू कुमार, ए–4/400, प्रथम तल, पश्चिम विहार, नई दिल्ली खाता :– एलबीडीईएल00002304100	सम्पत्ति सं. 400, प्रथम तल, छत का अधिकार नहीं, ब्लॉक–ए–4, पश्चिम विहार, दिल्ली	03–मार्च–2020 रू. 6,54,050.6/–	30–05–2019
13.	हरजीत सिंह, मधु बाला देवी, रोहित शर्मा, 8ए/225, ब्लॉक–8ए, डीडीए जनता फ्लैट, त्रिलोकपुरी, नई दिल्ली खाता :– एलबीडीईएल00002375271	फ्लैट नंबर 34 एलआईजी, ब्लॉक एफ–3, सेक्टर–34, तृतीय तल, रोहिणी, दिल्ली	03–मार्च–2020 रू. 7,29,752.8/–	31–10–2019
14.	अंकुर कुमार गोयल, राज कुमारी, अंकुर कुमार गोयल एचयूएफ, नीता गोयल, विजय प्रकाश, वी.पी. गोयल ऐंड सन्स एचयूएफ, विजय कॉस्टविन प्रा. लि. 131, सूर्य निकेतन, विकास मार्ग, दिल्ली, खाता:– एलबीडीईएल00002875352	वीएस–5/बंगला नंबर जी, वर्टीकल स्ट्रीट 4, स्काईराइज बंगलोज, वर्टीकल स्ट्रीट टावर वीएस–5, प्लॉट नंबर जीएच–02, ग्राम सराय ख्वाजा, सेक्टर–41, फरीदाबाद	14–मार्च–2020 रू. 1,17,16,176/–	31–12–2019
15.	अंकुर कुमार गोयल, राज कुमारी गोयल, अंकुर कुमार गोयल एचयूएफ, नीता गोयल, विजय प्रकाश, वी. पी. गोयल ऐंड सन्स एचयूएफ, विजय कॉस्टविन प्रा. लि. 131, सूर्य निकेतन, विकास मार्ग, दिल्ली, खाता:– एलबीडीईएल00002875355	वीएस–5/बंगला नंबर जी, वर्टीकल स्ट्रीट 4, स्काईराइज बंगलोज, वर्टीकल स्ट्रीट टावर वीएस–5, प्लॉट नंबर जीएच–02, ग्राम सराय ख्वाजा, सेक्टर–41, फरीदाबाद	14–मार्च–2020 रू. 1,18,04,089/–	31–12–2019
16.	भावना सूद, स्नेह सूद, ए–29, परवाना अपार्टमेंट, मयूर विहार फेज–1, दिल्ली, खाता:– एलबीडीईएल00002968155	फ्लैट नंबर 402, चतुर्थ तल, टावर 9, सनवर्ल्ड ऐरिस्टा, फेज–II, प्लॉट नंबर जीएच–01/सी, सेक्टर–168, नोएडा एक्सप्रेसवे, नोएडा	03–मार्च–2020 रू. 58,09,372/–	31–12–2019
17.	तानिया वागवानी, राज कुमार वागवानी, एफ–501, ट्रैजर पार्क, संत नगर, पार्वती, पुणे, महाराष्ट्र, खाता:– एलबीडीईएल00003058507	फ्लैट नंबर 902, 9वां तल, टावर 9, सनवर्ल्ड ऐरिस्टा, फेज–II, प्लॉट नंबर जीएच–01/सी, सेक्टर–168, नोएडा एक्सप्रेसवे, नोएडा	03–मार्च–2020 रू. 74,46,094/–	31–12–2019
18.	कीर्ति रस्तोगी, नितिन रस्तोगी, मकान नंबर 2184, द्वितीय तल, गली हनुमान प्रसाद मस्जिद, खजूर किनारी बाजार, नई दिल्ली, खाता :– एलबीडीईएल00003164374	फ्लैट नंबर 904, टावर बी, मिस्टी हाइट्स, 9वां तल, ग्रेटर नोएडा	14–मार्च–2020 रू. 39,29,045/–	30–04–2019
19.	कीर्ति रस्तोगी, नितिन रस्तोगी, मकान नंबर 2184, द्वितीय तल, गली हनुमान प्रसाद मस्जिद, खजूर किनारी बाजार, नई दिल्ली, खाता :– एलबीडीईएल00003225622	फ्लैट नंबर 904, टावर बी, मिस्टी हाइट्स, 9वां तल, ग्रेटर नोएडा	14–मार्च–2020 रू. 88,959/–	30–04–2019
20.	बन्नी धमीजा, मननदीप सिंह धमीजा, 51/88, द्वितीय तल, ओल्ड महावीर नगर, तिलक नगर, वेस्ट दिल्ली, खाता :– एलबीडीईएल00003257666	फ्लैट नंबर 806, 8वां तल, टावर ए, प्रोजेक्ट ऑक्सीरिच नई दिल्ली एक्सटेंशन, प्लॉट नंबर जीएच–07ए, कोयल एन्क्लेव योजना, गाजियाबाद	03–मार्च–2020 रू. 26,14,717/–	31–12–2019
21.	सुशील शर्मा, रमनेश शर्मा, 157, जनता हाउस, बसंत गांव, नई दिल्ली, खाता :– एलबीडीईएल00004081659	डीडीए जनता फ्लैट मकान नंबर 157, भू तल, बसंत गांव, दिल्ली	14–मार्च–2020 रू. 4,90,352/–	31–10–2019
22.	सुशील शर्मा, रमनेश शर्मा, 157, जनता हाउस, बसंत गांव, नई दिल्ली, खाता :– एलबीडीईएल00004081660	डीडीए जनता फ्लैट मकान नंबर 157, भू तल, बसंत गांव, दिल्ली	14–मार्च–2020 रू. 4,58,402/–	31–10–2019
23.	सुशील शर्मा, रमनेश शर्मा, 157, जनता हाउस, बसंत गांव, नई दिल्ली, खाता :– एलबीडीईएल00004081662	डीडीए जनता फ्लैट मकान नंबर 157, भू तल, बसंत गांव, दिल्ली	14–मार्च–2020 रू. 19,00,807/–	31–10–2019
24.	कृष्ण कुमार, मंजू राणा, कौर ऐंड सिंह प्रोजेक्ट्स ऐंड कंस्ट्रक्शन्स प्रा. लि., हरीश छिकारा, मकान नंबर 178/52, सिरासपुर, समयपुर, नॉर्थ वेस्ट दिल्ली, खाता :– एलबीडीईएल00004160608	प्लॉट नंबर 61, तृतीय तल, ब्लॉक जी, पाकेट 1, सेक्टर–15, रोहिणी, दिल्ली	03–मार्च–2020 रू. 27,17,848/–	31–12–2019
25.	पंकज प्रधान, निर्मला शर्मा, ई–735, ई–ब्लॉक, डीडीए फ्लैट, पाकेट–3, बिन्दापुर वेस्ट दिल्ली, खाता:– एलबीडीईएल00004432033	फ्लैट नंबर 735, ब्लॉक ई, टाइप ए, पाकेट–3, बिन्दापुर, द्वारका, नई दिल्ली	03–मार्च–2020 रू. 30,10,281.64/–	31–05–2017
26.	सतीश चंद, वेद कुमारी, मकान नंबर 22, भू तल, ब्लॉक–बी, पाकेट–3, सेक्टर–16, रोहिणी, दिल्ली, खाता :– एलबीडीईएल00004581237	22 भू तल, ब्लॉक–बी 3, सेक्टर–16, रोहिणी, दिल्ली	14–मार्च–2020 रू. 9,40,649/–	31–12–2019
27.	मंजू ग्रोवर, हरीश ग्रोवर, बी–3/14, द्वितीय तल, सेक्टर–17, रोहिणी, दिल्ली, खाता :– एलबीडीईएल00004918248	सम्पत्ति सं. 14, तृतीय तल, छत का अधिकार नहीं, ब्लॉक–बी, पाकेट–3, सेक्टर–17, रोहिणी, दिल्ली	03–मार्च–2020 रू. 22,20,865.8/–	30–11–2019
28.	जय भगवान डोडवाल, देविन्दर कौर डोडवाल, फ्लैट नंबर सी 601 एम2के, विक्टोरिया गार्डन, दिल्ली, खाता :– एलबीडीईएल00004918774	पेन्ट हाउस नंबर 01, 22वां तल, टावर नंबर 2, सीएचडी एवेन्यू, सेक्टर–71, गुड़गांव	03–मार्च–2020 रू. 1,99,07,872.79/–	31–12–2019
29.	मीना रानी, अमित कुमार, प्लॉट नंबर के–70, बाल उद्यान रोड, उत्तम नगर, वेस्ट दिल्ली, खाता :– एलबीडीईएल00004932620	प्लॉट नंबर एल–85, भू तल, फ्रंट एवं रियर साइड, छत का अधिकार नहीं, प्रताप विहार, गाजियाबाद	03–मार्च–2020 रू. 43,62,830/–	31–12–2019
30.	अबू जफर, मोहम्मद अबुल्लाइस, जिया इंटीरियर्स ऐंड कॉन्ट्रैक्टर, मकान नंबर 634, प्रथम तल, सेक्टर–91, सूर्य नगर, फरीदाबाद, हरियाणा, खाता :– एलबीएफडीबी00004309531	प्लॉट नंबर 634, प्रथम तल,, सूर्य नगर, फेज–II, सेक्टर–91, फरीदाबाद, हरियाणा,	29–फरवरी–2020 रू. 9,83,833/–	31–12–2019
31.	सतीश चंद, वेद कुमारी, मकान नंबर 22, भू तल, ब्लॉक–बी, पाकेट–3, सेक्टर–16, रोहिणी, दिल्ली, खाता :– एलबीजीयूआर00001742293	22 भू तल, ब्लॉक–बी 3, सेक्टर–16, रोहिणी, दिल्ली	14–मार्च–2020 रू. 8,86,697/–	31–12–2019
32.	नील प्रसाद, नीलिमा प्रसाद, पृथ्वी फार्म, सिल्वर ओक लेन, सैविलेज, सतबाड़ी छतरपुर, दिल्ली, खाता:– एलबीजीयूआर00001926808	केजीटी 0080101, नाइट्स कोर्ट, जेपी ग्रीन्स, सेक्टर–128, विशटाउन, नोएडा	03–मार्च–2020 रू. 1,14,40,941/–	31–12–2019
33.	संजीव बहल, रश्मि पावहा बहल, 131, भू तल, गोल्फ लिंक्स, नई दिल्ली, खाता :– एलबीजीयूआर00002073092	प्लॉट नंबर 10/131, एफएफ, गोल्फ लिंक, दिल्ली	03–मार्च–2020 रू. 89,89,878/–	30–11–2019
34.	राजीव जैन, अनीता जैन, बी–703, पर्ल हाइट्स, रामप्रस्थ ग्रीन्स, सेक्टर–7, वैशाली, गाजियाबाद, खाता:– एलबीजीयूआर00002362115	यूनिट नंबर टी151805, 17वां तल, टावर 15, ग्रीन पार्क–II, सेक्टर–92, गुड़गांव	03–मार्च–2020 रू. 63,64,045/–	31–12–2019
35.	शाने प्रकाश मसीह, रक्षा राय, बी–24, वास्तो कोऑप जीएच सोसायटी, प्लॉट नंबर 70, सेक्टर–55, गुड़गांव, खाता :– एलबीजीयूआर00002379121	फ्लैट नंबर 1401, 14वां तल, टावर पी–4, सरे क्रीसेंट पार्क, ग्रीन पार्क–II, दि पेटिओल्स, सेक्टर–92, गुड़गांव	03–मार्च–2020 रू. 96,27,688/–	31–12–2019
36.	केया सेन मित्रा, पिनाकी मित्रा, बी–197, सी आर पार्क, भू तल, दिल्ली खाता :– एलबीजीयूआर00002796166	फ्लैट नंबर 1, प्रथम तल, वर्टीकल स्ट्रीट, टावर वीएस–9, स्काईराइज बंगलोज, ग्राम सराय ख्वाजा, प्लॉट नंबर जीएच–02, सेक्टर–41, फरीदाबाद	03–मार्च–2020 रू. 1,28,62,540/–	31–10–2019
37.	संदीप अग्रवाल, साक्षी अग्रवाल, मकान नंबर 1686, आर के पुरम, सेक्टर–5 साउथ, वेस्ट दिल्ली, खाता:– एलबीजीयूआर00003067817	फ्लैट नंबर टी 160101, प्रथम तल, टावर 16, ग्रीन पार्क–II, सेक्टर–92, गुड़गांव	03–मार्च–2020 रू. 77,76,145/–	31–12–2019
38.	आदेश कुमार, शिल्पी गोयल, 11/26, प्रथम तल, गली नंबर 2, निकट गुरूद्वारा, ओल्ड गोबिन्द पुरा, एक्टेंशन परवाना रोड, कृष्ण नगर, दिल्ली ईस्ट, दिल्ली, खाता :– एलबीजीयूआर00004564161	फ्लैट नंबर क्यू 0001, टुडे रिज रेजिडेंसी, टावर क्यू, जीएच–001, सेक्टर–135, नोएडा	03–मार्च–2020 रू. 63,44,284/–	31–12–2019
39.	लता, दीपक चौधरी, फ्लैट नंबर जी–004, प्लॉट नंबर 66, अग्रसेन आवास आईपी, एक्सटेंशन पटपड़गंज, दिल्ली, खाता :– एलबीजीयूआर00004931127	सम्पत्ति सं. 1/6426, कालोनी का क्रमांक 1507, वार्ड नंबर 89, लोकलिटी का संवर्ग एफ, प्रथम एवं द्वितीय तल, छत का अधिकार नहीं, ईस्ट रोहतास नगर, शाहदरा, दिल्ली–110032	03–मार्च–2020 रू. 74,68,586.99/–	31–12–2019

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जैसा लागू है) को बकाया राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 14–05–2020
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

पीम मोदी ने 20 लाख करोड़ पैकेज की घोषणा से दी है बहुत बड़ी राहत

कैथल। हरियाणा की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने जारी बयान में कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के चलते देश के जरूरतमंद लोगों व उद्योगों को कठिनाई का सामना करना पड़ा है। इन सबको राहत देने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 लाख करोड़ पैकेज देने की घोषणा की है, जोकि देश वासियों के लिए बहुत बड़ी राहत लेकर आएगा। इसके चलते लघु उद्योगों व अन्य जरूरतमंद लोगों को मदद मिलेगी।

राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि इस आर्थिक पैकेज से जरूरतमंद, किसानों, श्रमिकों के लिए अनेक योजनाएं बनेंगी और सभी को किसी न किसी रूप में लाभ मिलेगा। इसके साथ-साथ मध्यम वर्ग के लोगों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता को आत्मनिर्भता की ओर कदम बढ़ाने का आह्वान किया है, जिसका अनुसरण करते हुए हम सभी को कार्य करना है। उन्होंने कहा कि कोरोना वैश्विक महामारी के कारण जो कठिनाइयां हमने सहन की है, अब उससे उभरना है और मिलकर देश की एकता का परिचय देते हुए आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है। इसके साथ-साथ इस महामारी को खत्म करने के लिए जो भी आवश्यक दिशा-निर्देश हैं, उनका भी पालन करना है। हमारा इतिहास रहा है कि कोई भी संकट कितना भी बड़ा हो, उसका मुकाबला हम सबने मिलकर किया है। इसी प्रकार आगे भी इसी गौरवमयी परम्परा का अनुसरण करते हुए कोरोना को हराना है। हम सभी ने तीनों लॉकडाउन का पालन किया है।

उद्यमियों को राहत दुकानदारों पर आफत

चंडीगढ़। हरियाणा के छोटे व मझले दुकानदारों को प्रदेश सरकार की नीति रास नहीं आ रही है। सरकार ने उद्यमियों को तो लॉकडाउन पीरियड में कई तरह की रियायतें दी हैं लेकिन दुकानदारों को कुछ नहीं मिला। ऐसे में प्रदेश के नाराज दुकानदारों ने सीएम मनोहर लरल खट्टर ही नहीं, पीएम नरेंद्र मोदी तक भी अपनी बात पहुंचाई है।

सबसे अधिक परेशान वे दुकानदार हैं, जो किराये की दुकान में अपना व्यापार चला रहे हैं। हरियाणा के व्यापारियों ने एकजुट होकर पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, सीएम मनोहर लाल खट्टर और प्रदेश के गृह मंत्री अनिल विज तक अपनी बात पहुंचाई है। लॉकडाउन की वजह से इन नेताओं से व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात संभव नहीं होने की वजह से व्यापारियों ने सभी को ट्वीटर के जरिये अपनी समस्याओं से अवगत करवाया है। प्रदेश के अधिकांश शहरों में नगर निगम, नगर परिषद व नगर पालिका के अलावा नगर सुधार मंडल की मार्केट व दुकानें हैं। पिछले कई बरसों से दुकानदारों ने इन दुकानों को किराये पर लिया हुआ है। इसी तरह से वक्फ बोर्ड, बस स्टैंड, स्कूल-कॉलेज आदि सरकारी भवनों की दुकानों को लोगों ने किराये पर लिया हुआ है।

बेअदबी दोषियों के लिए मृत्युदंड का कानून बनाए सरकार : दीदार सिंह

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज की बेअदबी की हो रही घटनाओं पर यदि प्रदेश की गठबंधन सरकार रोक लगाना चाहती है, तो उसे भी पंजाब की तर्ज पर घटना के दोषियों के लिए मृत्यु दंड का प्रावधान करना होगा।

यह मांग हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के कार्यकारी प्रधान दीदार सिंह नलवी ने की। विशेष बातचीत में दीदार सिंह नलवी ने बताया कि इससे पहले पंजाब में भी जब ऐसी घटनाएं निरंतर होने लगी, तो पंजाब विधानसभा में एक विधेयक (बिल) पास किया गया, जिसके तहत बेअदबी की घटनाओं पर अंजाम देने वालों के लिए मृत्यु दंड निर्धारित किया गया। यह विधेयक पारित होने के बाद पंजाब में इन घटनाओं पर अंकुश लगा है। नलवी ने कहा कि हरियाणा में भाजपा-जजपा गठबंधन भी विधानसभा में ऐसा ही विधेयक पारित करें और पक्ष-विपक्ष के सभी विधायक इसका समर्थन करें। पिछले सप्ताह पिहोवा के डेरा फतेह सिंह के गुरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज की हुई बेअदबी पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कार्यकारी प्रधान ने कहा कि इस मामे मं गठित एसआईटी को सर्वप्रथम दोषी को गिरफ्तार करना चाहिए। दोषी का रिमांड पर लेकर घटना की तह तक जाना चाहिए कि किसकी शह पर उसने इस घटना को अंजाम दिया, घटना के पीछे किसके हित छिपे हैं। घटना में किसी विशेष समुदाय, राजनीतिक पार्टी या संस्था का हाथ तो नहीं है। यदि इनमें से कोई संलिप्त है, तो उसके प्रमुख का भी पर्दाफाश होना चाहिए। दीदार सिंह ने कहा कि किसी दोषी को गिरफ्तार कर जेल भेज देने मात्र से ही ऐसी समस्याओं का समाधान संभव नहीं है, क्योंकि ऐसी घटनाएं समाज में भाईचारा, एकता और सद्भाव को तोड़ती है। इसलिए हरियाणा सरकार को इस घटना को गंभीरता से लेते हुए दोषी की पहचान कर पूरे घटनाक्रम का खुलासा करना चाहिए।

पोस्ट वायरल मामले से उठाया जाए पर्दा : नलवी

दीदार सिंह नलवी ने सोशल मीडिया पर सिख गुरु साहिबान, गुरुद्वारा साहिबान और लंगर सेवा आदि पर अभद्र टिप्पणी के मामले की कड़ी निंदा की। उन्होंने दोषी की शीघ्र गिरफ्तारी कर कड़ी पूछताछ करने की मांग की, ताकि घटना के पीछे छिपी ताकतों और साजिशकर्ताओं का पर्दाफाश हो सके।

कोरोना का कहर : 2 पॉजिटिव बढ़ने से 119 पर पहुंचा आंकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सोमवार और मंगलवार को एक साथ दो दिनों में 21 मामले सामने आने से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। वहीं दूसरी तरफ दो दिनों से बढ़ रही कोरोना आफत से स्वास्थ्य विभाग को बुधवार को थोड़ी सी राहत मिली है। जिले में बुधवार को कोरोना के मात्र दो ही नये मामले सामने आए। इन नए मरीजों के सामने आने के बाद कोरोना पॉजिटिवों की संख्या 119 पर पहुंच गई।

यहां से है पॉजिटिव

जिले में बुधवार को दो नए पॉजिटिव मरीज सामने आये है। जिसमें 38 वर्षीय एक व्यक्ति कैली गांव के निकट स्थित मोहला गांव से सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की माने तो व्यक्ति पिछले दिनों किसी काम से मुंबई गया था। वह तीन दिन पहले अपने एक जानकार की गाड़ी लेकर फरीदाबाद पहुंचा है। जिस पर विभाग को किसी ने इसकी सूचना दे दी। विभाग ने सूचना पर गत सोमवार को उस व्यक्ति का सैम्पल लिया गया था। बुधवार को रिपोर्ट आने पर स्वास्थ्य विभाग ने उसे कोरोना पॉजिटिव घोषित कर दिया। वहीं दूसरा मामला नहर पार स्थित भारत कॉलोनी के पास खेड़ी रोड़ स्थित कर्नल बिहार का रहने वाला 45 वर्षीय व्यक्ति भी कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। वह बुखार के कारण निजी अस्पताल में भर्ती हुआ था। रोजाना बुखार आने पर अस्पताल की तरफ से उसका सैम्पल जांच के लिए भेजा गया था। बुधवार को उसे पॉजिटिव घोषित किया गया है। वह मधुमेह का रोगी बताया जा रहा है।

यह हैं आंकड़े

डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रामभगत ने बताया कि जिले में अब तक 6732 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 1685 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 5043 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 6613 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 5954 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 5513 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 322 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 119 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 55 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा तीन पॉजिटिव मरीजों को घर पर आइसोलेट किया गया है। इसी प्रकार ठीक होने के बाद 57 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब तक चार मरीजो की मौत हो चुकी है।

आईसीएमआर की अनुमति से शुरू होगी लार जांच

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज शोध कर रहा था

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्वाइन फ्लू की तरह लक्षण वाले कोविड-19 की जांच अब मुंह की लार से लेने की तैयारी की जा रही है। क्योंकि पिछले कुछ समय से एनएच-तीन स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज शोध कर रहा था।

इस शोध के परिणाम साकारात्म आए है। जिसे देखते हुए ईएसआई और शोध करने वाली टीम ने इसे इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) के पास भेज कर परमिशन लेने की बात कही है। आइसीएमआर से मंजूरी मिलने के बाद नाक व गले से सैंपल लेने के जगह मुंह की लार से भी कोरोना संक्रमण की जांच की जा सकेगी। यदि आइसीएमआर से अनुमति मिलती है, तो कोरोना प्रभावित क्षेत्र को चिन्हित कर संदिग्धों को सैंपल के लिए कंटेनर दिए जाएंगे। उन्हें बताया जाएगा कि सैंपल के लिए कंटेनर में सुबह की पहली लार डालनी है। उसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम सैंपल को एकत्र कर जांच के लिए भेजा जाएगा।

यह है टीम

ईएसआईसी की शोधकर्ता टीम में रजिस्ट्रार डॉ. अनिल पांडे, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट के प्रोफेसर डॉ. गुरु प्रसाद व ईएसआइसी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निखिल वर्मा शामिल हैं। टीम ने ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में 24 मरीजों पर एक महीने तक प्रयोग किया। इन सभी मरीजों के नाक, गले एवं लार के सैम्पल लिए गए थे। जिसमें सामने बातया कि नाक व गले के सैम्पल लेने की बजाय यदि लार का सैम्पल लिया जाए, तो रिपोर्ट सैम ही आ रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे में मरीज अपने घरों से ही सैम्पल ला सकेंगे, इससे कोरोना बढ़ने का खतरा कम होगा।

ठीक के साथ कम हुआ वायरस

विशेषज्ञों ने पहले सुबह की पहली लार का सैंपल लिया लिया। क्योंकि सुबह बैक्टीरिया एवं वायरस होते हैं। उसके बाद नाश्ते के बाद लार, गला एवं नाक के सैंपल की रिपोर्ट के सकारात्मक परिणाम देखने को मिले। शोध में शामिल लोगों के तीनों सैंपल लगातार लिए गए। कोरोना पॉजिटिव ठीक होने के साथ लार में भी वायरस की संख्या कम होती गई।

शोधकर्ता का कथन

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज (कोविड-19 अस्पताल) के रजिस्ट्रार डॉ. अनिल पांडे (एके पांडे) ने बताया कि टीम के साथ मिलकर शोध (लार से सैम्पल का प्रयोग) किया था। वह सफल आया है। उन्होंने कहा कि हम इस शोध के सभी दस्तावेज तैयार कर अगले 7 से 10 दिन में इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च में भेज देंगे। वहां से अगर शोध को मंजूरी मिल जाती है तो कोरोना का सैंपल लेने की प्रक्रिया काफी सरल हो जाएगी। लोग अपनी लार से भी कोरोना का टेस्ट करा सकेंगे।

ऑनलाइन प्रतियोगिता हुई संपन्न

राज्यभर से सैकड़ों विद्यार्थी बने प्रतिभागी

फरीदाबाद । सेक्टर-16 ए स्थित राजकीय महिला महविद्यालय द्वारा कोरोना वायरस महामारी के दौरान सरकार द्वारा लगाए गए लॉकडाउन में विद्यार्थियों के लिए अंतर विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर, अभिव्यक्ति, नाम से एक ऑनलाइन प्रतिभा निखार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमें ऑनलाइन कॉलेज मेकिंग, कहानी लेखन, रागिनी, भक्ति संगीत, योग शक्ति एवं लोगो डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें राज्यभर के विश्वविद्यालयों एवं महविद्यालयों के सैकड़ो विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

प्राचार्या नम्रता शर्मा ने कहा कि कोरोना वायरस जैसी महामारी से निपटने के लिए सामाजिक दूरी बेहद जरूरी है। लेकिन इस दौरान विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित न हो इसके लिए हमें ऑनलाइन शिक्षा पद्धति के साथ इस प्रकार की अन्य गतिविधियों का आयोजन भी करना चाहिए। ताकि प्रतिभावान विद्यार्थियों को आगे बढने के अवसर मिल सकें। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में राज्यभर के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया है। उन्होंने बताया कि विजेता प्रतिभागियों को ईमेल के माध्यम से ई-सर्टिफीकेट दिए जाऐंगे।

मनमानी फीस वसूलने का मामला भेजा पीएमओ को

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्राइवेट स्कूलों की लगातार हो रही मनमानी व इसको रोकने में विफल हरियाणा सरकार से नाराज अभिभावक अब अपनी शिकायत सीधे पीएम नरेंद्र मोदी को भेज रहे हैं।

ऐसी ही एक शिकायत निजी स्कूल में बच्चों को पढ़ानें वाले अभिभावक व हरियाणा अभिभावक एकता मंच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजी है। जिस पर संज्ञान लेते हुए पीएम ऑफिस ने शिकायत को उचित कार्रवाई हेतु हरियाणा सरकार को भेजा है। मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा, संरक्षक सुभाष लांबा ने कहा है कि मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव, चेयरमैन एफएफआरसी सब अच्छी तरह से जानते हैं कि स्कूल प्रबंधक शिक्षा विभाग द्वारा फीस के मुद्दे पर निकाले गए पांच पत्रों में दिए गए सभी निर्देशों का उल्लंघन कर रहे हैं। अपनी मनमर्जी चला रहे हैं अभिभावकों को डरा धमका रहे हैं। फिर भी ये सब मौन है। जिन अभिभावकों ने वोट देकर नेताओं को मंत्री बनाया विधायक बनाया वह भी अभिभावकों की मदद नहीं कर रहे हैं। मंच के जिला सचिव डॉ मनोज शर्मा ने बताया कि 17 प्राइवेट स्कूलों की 38 शिकायतें मंच व अभिभावकों की ओर से चेयरमैन एफएफआरसी के पास अप्रैल महीने में ही उचित कार्रवाई के लिए भेजी गई थी लेकिन उन पर कार्यवाही काफी देरी से हुई है।

जिस जिला शिक्षा अधिकारी के पास शिकायतों को निराकरण करने के लिए भेजा गया है। उस अधिकारी द्वारा इससे पहले स्कूलों को भेजे गए नोटिसों का का जवाब किसी भी स्कूल ने नहीं दिया है। मंच का कहना है कि एफएफआरसी को खुद ही स्कूलों की शिकायत पर संज्ञान लेना चाहिए। कार्रवाई के लिए जिला शिक्षा अधिकारी से कहना शिकायतों को ठंडे बस्ते में डालना है। जब तक कार्यवाही होगी तब तक स्कूल प्रबंधक अभिभावकों को डरा धमका कर मांगी गई पूरी फीस वसूल कर लेंगे। अब अभिभावकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ही कुछ उम्मीद है।

गरीबों को वितरित किया जरूरत का सामान

पायनियर समाचार सेवा । फरीदाबाद

जिला सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक गुप्ता के निर्देशानुसार व मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर जरूरतमंदों और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को खाना उपलब्ध कराया। इसके साथ ही महिलाओं को सेनेटरी पैड, साबुन, मास्क व सैनिटाइजर का वितरण किया गया।

टीम में शामिल पैनल अधिवक्ता रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर और ओम प्रकाश सैनी ने तिगांव स्थित प्रिंस ईंट भट्टा पर पहुंचकर वहां रह रहे 200 मजदूरों को मास्क व सैनिटाइजर और 50 महिलाओं को सेनेटरी पैड उपलब्ध कराये। इस मौके पर पैनल एडवोकेट रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर व ओम प्रकाश सैनी ने मास्क पहनने का तरीका, हाथ धोने का तरीका और सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में मजदूरों को बताया। साथ ही उन्होंने सरकार द्वारा जारी की गई फाइनेंस पैकेज में दी जा रही सभी सुविधाओं के बारे में लोगों को विस्तार से जागरूक किया।

125 मीटर खादी का कपड़ा किया भेंट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा खादी एवं खादी ग्राम उद्योग की स्थनीय जिला इकाई की ओर से बुधवार को 125 मीटर सफेद खादी कपड़ा अतिरिक्त उपायुक्त आरके सिंह को भेंट किया गया, ताकि इसका प्रयोग कोविड-19 के बचाव के लिए मास्क बनाने में प्रयोग किया जा सके। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि खादी ग्राम उद्योग की ओर से प्रशंसनीय कदम उठाया गया है।

उन्होंने बताया कि इस कपड़े से ग्रामीण आजीविका मिशन से जुडी हुई महिलाओं के सहायता समूहों से फेस मास्क तैयार करवाए जाएंगे। हरियाणा खादी एवं खादी ग्रामोद्योग के जिला अधिकारी अनिल दलाल ने बताया कि यह 125 मीटर सफेद कपड़ा हरियाणा खादी एवं खादी ग्रामोद्योग की चेयरपर्सन गार्गी कक्कड़ के दिशा-निर्देशों पर जिला प्रशासन को कोरोना महामारी से राहत के लिए मास्क बनाने हेतु भेंट किया गया है। इस बीमारी से बचने के लिए लोगों को फेस मास्क लगाना अनिवार्य किया गया है। दिन भर इसकी मांग भी बढेगी, इसके लिए खादी ग्रामोद्योग की ओर से सहयोग किया गया है।

एसडीएम को भेंट की सेनिटाइजर मशीन

फरीदाबाद। सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से एसडीम अमित कुमार को सेक्टर-12 में एक आटोमेटिक सैनिटाइजर मशीन भेंट की। मशीन भेंट करते समय मुख्य रूप से सेवादार टोनी पहलवान, कुलदीप सिंह साहनी, सुरेंद्र सिंह सांगा, नवीन पसरिचा, सरबजीत सिंह चौहान, अरुण वालिया एवं अन्य सेवादार उपस्थित रहे। इस मशीन से बिना छुए हाथों को सेनिटाइज किया जा सकता है। इस मौके पर परिसर में सभी आने-जाने वालों के हाथ साफ करवाए गये व मशीन को कैसे चलाना है यह भी सिखाया गया।

तकनीकी नवाचार विषय पर वेबिनार का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में 'सतत भविष्य के लिए तकनीकी नवाचार' विषय पर राष्ट्रीय स्तर के एक दिन के वेबिनार सत्र का आयोजन किया गया।

वेबिनार सत्र का आयोजन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों को अपने नवीनतम विचारों को इनोवेशन में बदलने के लिए प्रयत्न करने के लिए प्रेरित किया और बताया कि किस तरह से कड़ी मेहनत द्वारा सफलता को हासिल किया जा सकता है।

इस अवसर पर भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) में सलाहकार (प्रसारण और केबल सेवा) श्री अनिल कुमार भारद्वाज और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में स्टार्ट-अप हब के निदेशक डॉ. अजय कुमार गर्ग प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित थे। दोनों वक्ताओं ने महामारी संकट के इस समय में तकनीकी नवाचार के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी।

संक्षिप्त समाचार

मंडियों में जारी है गेहूं की खरीद

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जिला की सभी अनाज मंडियों में रबी फसलों की बिक्री का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला के सभी खरीद केंद्रों पर बुधवार को 15 हजार 39 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई, जबकि अब तक कुल 8 लाख 45 हजार 906 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि बल्लभगढ़ अनाजमंडी में 5 हजार 478 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई है। अब तक इस मण्डी कुल 2 लाख 21 हजार 638 क्विंटल गेहूं की खरीद हुई। इसी प्रकार तिगांव अनाजमंडी में 2 हजार 836 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई, जबकि इस मंडी में अब तक कुल 1 लाख 12 हजार 34 क्विंटल गेहूं खरीदा गया है। एनआईटी, डबुआ मंडी में अब तक कुल एक हजार 621 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। इसी प्रकार सेक्टर-16 मंडी में आज 925 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई, जबकि इस मंडी में अब तक कुल 36 हजार 714 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। उन्होंने आगे बताया कि मोहना मंडी में 5 हजार 500 क्विंटल गेहूं की खरीद गई, जबकि इस मण्डी में अब तक कुल 4 लाख 16 हजार 596 क्विंटल गेहूं की खरीद हुई है। फतेहपुर बिलौच में 300 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई, जबकि इस मण्डी में अब तक कुल 55 हजार 628 क्विंटल गेहूं की खरीद हुई है। इसी प्रकार अटाली मंडी में अब तक कुल एक हजार 675 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। उपायुक्त ने बताया कि खरीद एजेन्सियों के द्वारा गेहूं मण्डियो से उठान कार्य भी निरंतर किया जा रहा है।

2 बुजुर्गों को वृद्धाश्रम ने अपनाया

फरीदाबाद। वृद्धों की सेवा करने वाली संस्था नवजन मोर्चा समिति ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम बुधवार को दो ऐसे बुजुर्गों को सहारा दिया है, जिनके बच्चों ने उन्हें मारपीट कर घर से निकाल दिया था। आश्रम के संचालक किशन लाल बजाज को एम्बुलैस डाईवर पप्पू ने फोन पर सूचना दी कि दो बुजुर्ग बादशाह खान अस्पताल के गेट पर लावारिस हालत में बैठे है। किशन लाल बजाज तुंरत अपनी धर्मपत्नी स्वर्णलता बजाज और टीम के अन्य सदस्यों जिनमें सूरज आर्य, सतपाल चौहान और गौरव बजाज के साथ मौके पर पहुंचे और उनकी पूरी मेडिकल जांच कराकर उन्हें एम्बूलैंस में डालकर आश्रम लेकर आए। किशन लाल बजाज ने बताया कि एक बुजुर्ग ने अपना नाम अलका नागपाल उम्र 77 वर्ष और निवासी 2 नंबर एनआईटी बताया और दुसरे बुजुर्ग ने अपना नाम होरे लाल उम्र 75 निवासी पलवल बताया। दोनों बुजुर्गों ने बताया कि उनके बच्चों ने उन्हें मारपीट कर घर से निकाल दिया है। किशन लाल बजाज ने बताया कि दोनो बुजुर्ग कुछ साल पहले भी आश्रम में रहें है और उनके बच्चे रजामंदी से इन्हें अपने साथ ले गए थे।

जमातियों की बस गांव में पहुंचने पर हंगामा

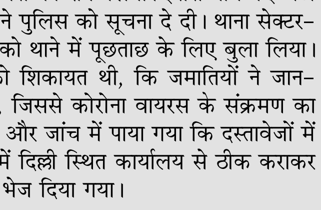

फरीदाबाद। महाराष्ट्र से दिल्ली व मेवात जा रहे जमातियों की एक बस जब झाड़सैतली गांव में पहुंची, तो ग्रामीणों ने उसे रोक लिया और हंगामा कर दिया। बस में कुल 11 जमाती सवार थे। इनमें से कुछ जमाती दिल्ली के भी थे। रास्ते में चालक ने हाइवे छोड़ कर झाड़सैंतली गांव में बस को घुसा दिया। इससे ग्रामीणों को बस में सवार लोगों को देख कर शक हो गया। उन्होंने बस को रोक लिया। इससे गांव कई घंटों तक जमकर हंगामा हुआ। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दे दी। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने बस समेत जमातियों को थाने में पूछताछ के लिए बुला लिया। ग्रामीण रोहताश शर्मा ने पुलिस को शिकायत थी, कि जमातियों ने जान-बूझकर गांव में बस को घुसाया है, जिससे कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। पुलिस पूछताछ और जांच में पाया गया कि दस्तावेजों में डेट गलत डाली थी। जिससे बाद में दिल्ली स्थित कार्यालय से ठीक कराकर पुनः मंगवाया गया और उन्हें आगे भेज दिया गया।

अब खुलेंगे सरकारी स्कूलों के ऑफिस

फरीदाबाद। सरकारी स्कूलों में पेंडिंग पड़े कार्यों को निपटाने के लिए अब दफ्तरों को खोला जाएगा। इसके लिए जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी शशी अहलावत ने ऑफिस खोलने के आदेश दिए हैं। कोरोना वायरस के कारण विद्यार्थियों को ई-लर्निंग व एजुसेट के माध्यम से शिक्षा दी जा रही है। टीचर भी अपने घर पर हैं और स्कूलों के ऑफिस बंद हैं।

शिक्षा निदेशालय ने पिछले दिनों विभाग के उच्च अधिकारियों को ऑफिस में हाजिर होने के आदेश दिए थे, ताकि स्कूल के कार्य प्रभावित न हो। अधिकारियों ने शिक्षा विभाग पहुंचना शुरू कर दिया था, लेकिन अब मौलिक शिक्षा अधिकारी शशी अहलावत ने स्कूलों के कार्यालय प्रतिदिन खोले जाने का पत्र जारी किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा निदेशालय से मांगे जाने वाली प्रत्येक सूचना समय पर उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान स्कूल के फोर्थ श्रेणी कर्मचारी, क्लर्क और रोस्टर के तहत प्रत्येक विभाग के अध्यापक स्कूल में उपस्थित हो।

वार्ड इंचार्ज सूची में शामिल लोगों को भेजेंगे शेल्टर होम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रत्येक वार्ड के लिये एक अधिकारी को वार्ड इंचार्ज नियुक्त किया है

जिलाधीश यशपाल ने प्रवासी लोगों को बसों व ट्रेनों के माध्यम से बाहर भेजने के संबद्ध में स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रॉसेजर (एसओपी) के तहत आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश जारी किए हैं। जिलाधीश ने आदेशों में बताया कि जिला सूचना अधिकारी (एनआईसी) ई-दिशा पोर्टल पर पंजीकृत डाटा को प्रदेश व जिलावार तैयार करवाएंगे।

इस डाटा को नगर निगम के वार्ड अनुसार तैयार कर निगम को भेजें ताकि प्रवासी लोगों को प्रदेश व जिलावार अनुसार सूचना देकर शैल्टर होम में बुलाया जा सके तथा उनकी मदद के लिए योजना व जरूरी इंतजाम किए जा सकें। प्रत्येक वार्ड के लिये एक अधिकारी को वार्ड इंचार्ज नियुक्त किया गया है। इस डाटा को वार्ड इंचार्ज को दिया जाए ताकि वह सूची में शामिल लोगों से संपर्क कर निर्धारित शेल्टर होम में बसों के माध्यम से पहुंचाना सुनिश्चित करें। सभी एसडीएम अपने एरिया से संबंधित वार्ड में शेल्टर होम अधिसूचित करें, जहां पर अधिक संख्या में लोगों की मूवमेंट करवाना संभव हो सके। इन शेल्टर होम में पेयजल, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं भी होना आवश्यक है। अलग-अलग बस इंचार्ज के साथ वार्ड वाइज बसें अलाट की गई हैं और उन्हें लाभार्थियों की सूची, मेडिकल सर्टिफिकेट का फारमेट तथा ट्रेन का डिब्बा व सीट नंबर उपलब्ध करवाया जाएगा।

सभी लाभार्थियों को वार्ड के निर्धारित शेल्टर होम में लाया जाए तथा डॉक्टरों की मोबाइल टीमें इनकी मेडिकल जांच कर चिकित्सा प्रमाण-पत्र जारी करेंगी। सभी एसडीएम अपने क्षेत्र के शेल्टर होम रहने, खाना, पेयजल सहित स्वच्छ वातावरण की व्यवस्था करेंगे। यात्रियों को अगले दिन इन शेल्टर होम से उनके गंतव्य के लिए प्रस्थान करवाया जाएगा। इन्हें एक स्थान पर इकट्ठा न होने दें। ट्रेन के द्वारा यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए निर्धारित मानक प्रक्रिया लागू करें। यदि एक शेल्टर होम में यात्रियों की संख्या कम रहती है, तो वार्ड इंचार्ज यात्रियों की मांग कर सकता है। यात्रियों को यात्रा के दिन खाने के पैकेट और पानी की बोतलें दी जाएं। यात्रियों के लिए जीएम रोडवेज फरीदाबाद बसों की व्यवस्था करेंगे। अतिरिक्त उपायुक्त एवं सचिव आरटीए फरीदाबाद परमिट सहित स्कूल व प्राइवेट बसों की व्यवस्था करेंगे। इन हिदायतों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिये एडीसी की अध्यक्षता में सभी एसडीएम की कमेटी का गठन किया गया है। सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों में निर्धारित हिदायतों अनुसार सभी कार्य पूरा करेंगे। अतिरिक्त उपायुक्त यात्रियों को भेजने के लिए उचित कार्यवाही करेंगे तथा उसी अनुसार डयूटी लगाना सुनिश्चित करेंगे।

रेस्टोरेशन की प्रक्रिया और तीव्र करने का हो प्रयास : मल्हौत्रा

कोविड-19 के संबंध में विभिन्न स्तरों पर प्रयास किया जा रहा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

न्यूनतम वेतन, बोनस और वैधानिक रूप से देय भुगतान को छोड़कर 2 से 3 वर्षों के लिए श्रम संबंधी कानून का निलंबन लाक डाउन की समय अवधि में उद्योगों को नुकसान से उबरने व वर्तमान परिवेश में औद्योगिक विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान जेपी मल्होत्रा ने यहां यह विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि ले आफ से संबंधित नई व्यवस्था को कार्य अमल में लाया जाए। उन्होंने बताया कि औद्योगिक संगठन इस संबंध में बार-बार सरकार का ध्यान आकर्षित करते रहे हैं क्योंकि इसी से उद्योगों को जहां वित्तीय भार से बचाया जा सकता है, वहीं उद्योगों को राहत प्रदान की जा सकती है जो कि वर्तमान समय में काफी आवश्यक है।

कोरोना वायरस को लेकर सरकार व विभागों द्वारा किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए मल्होत्रा ने कहा है कि कोविड-19 के संबंध में विभिन्न स्तरों पर जो प्रयास किया जा रहा है उसके साथ साथ आवश्यकता इस बात की है कि एमएसएमई सेक्टर के लिए कंक्रीट पॉलिसी घोषित की जाए ताकि एमएसएमई सेक्टर को कोरोनावायरस के कारण हुए नुकसान से उबारा जा सके। एमएसएमई सेक्टर के समक्ष आ रही वेतन के भुगतान की समस्या से निजात दिलाया जाना जरूरी है और चेन सिस्टम के लिए ऐसी योजना तैयार की जानी चाहिए, जिससे रेस्टोरेशन की प्रक्रिया और तीव्र हो सके। मल्होत्रा के अनुसार वर्तमान समय में बैंकों व वित्तीय संस्थानों को एमएसएमई सेक्टर के लिए विशेष उदारवादी कदमों के साथ सहयोग के लिए आगे आना होगा और ऐसा सहयोग आवश्यक है जिससे एमएसएमई सेक्टर में आत्मविश्वास की भावना बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि ईएसआई व पीएफ के रूप में श्रम कल्याण की कई योजनाएं जारी हैं और इसमें श्रमिकों व प्रबंधन द्वारा योगदान दिया जाता रहा है।

शार्ट-सर्किट से झुग्गियों में लगी आग

फरीदाबाद। अचानक बुधवार की सुबह सेक्टर-56 आशियाना फ्लैट के समीप स्थित झुग्गी बस्ती में आग लग गई। इसकी शिकायत दमकल विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची दमकल की दो गाड़ी ने आग पर पानी डाल कर बुझा दिया। आग लगने का कारण शार्ट-सर्किट बताया जा रहा है। इन झुग्गियों में रहने वालों ने बाहर आकर अपनी जान बचाई। इसी बीच राहगीरों ने इसकी सूचना फायर बिग्रेड व पुलिस को दी। कुछ ही देर में दमकल की दो गाडियों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पा लिया। लेकिन किसी के हताहत होने का कोई समाचार नहीं है।

लॉकडाउन का चौथा चरण

जनता का आत्म-नियंत्रण महत्वपूर्ण

देश अब लाकडाउन-4 में प्रवेश कर रहा है। ऐसा मुख्यत: उन राज्यों की प्रार्थना पर हुआ है जहां भयानक वायरस संक्रमण वाले क्षेत्र बढ़ रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए नियंत्रणों में ढील भी दी जाएगी। यह लाकडाउन जनता को व्यावहारिक रूप से अनुशासित करने तथा नियमों के पालन के लिए तैयार करने पर है जिसमें सरकार का हस्तक्षेप घटेगा तथा हमें वायरस संस्कृति के साथ जीना सीखना होगा। सरकार कंटेनमेंट क्षेत्रों में बीमारी का फैलाव रोकने के लिए लक्षित दृष्टिकोण से काम करेगी तथा अन्य क्षेत्रों में बिजनेस गतिविधियां पुनर्जीवित करेगी। इसका अर्थ सरकार की निगरानी समाप्त होना नहीं, बल्कि निगरानी की ज्यादा से ज्यादा जिम्मेदारी नागरिकों व स्थानीय प्रशासन पर डालना होगा। यह विकेन्द्रित काम का तरीका है। केन्द्र को व्यापक नीतियां बना कर कोविड-19 के खिलाफसंघर्ष राज्यों पर छोड़ देना चाहिए जो विभिन्न संदर्भों में विभिन्न स्ट्रेनों के साथ निपटने में ज्यादा सक्षम हैं। यह मुद्दा प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्रियों की टेली कान्फ्रेंस में सामने आया था जिन्होंने जोन निर्धारित करने और रियायतें देने का निर्णय स्थितियों को देखते हुए करने का अनुरोध किया था। संभवत: आमतौर से केन्द्रीकृत दृष्टिकोण अपनाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहयोगी संघवाद की दिशा में कुछ परिवर्तन कर विचार विमर्श तथा नीतियों में 'इन पर गौर करने' पर जोर दिया है। इसका अर्थ है कि बीमारी प्रबंधन का काम राज्य सरकारों के विवेक पर छोड़ देना चाहिए, भले ही उनका राजनीतिक जुड़ाव चाहे जैसा हो। केन्द्रीय हस्तक्षेप को रणनीतिक प्रबंधन तथा विशेषज्ञता प्रदान करने तक सीमित रखना चाहिए। हालांकि,

इसके साथ अब तार्किक स्तर की वित्तीय सहायता पर भी जोर होना चाहिए ताकि राष्ट्रीय स्तर पर बड़े सुधार कर अर्थव्यवस्था ठीक करने के रास्ते पर बढ़ा जा सके। शुरुआत में अचानक लाकडाउन के नतीजे में दिहाड़ी श्रमिकों का गांवों की ओर अभूतपूर्व पलायन दिखाई पड़ा है। अब उनको बसों व ट्रेनों से उनके घर पहुंचाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया है कि उनको घर वापसी का अधिकार है। अब भी श्रमिकों का पलायन जारी है। ऐसे में हरियाणा और पंजाब जैसे राज्य प्रवासी श्रमिकों का पोर्टल पर पंजीकरण कर रहे हैं ताकि भाग रहे श्रमिकों को सुरक्षित कार्यस्थलों पर काम दिया जा सके। लाकडाउन ने हमें जवाबी रणनीतियां तथा चिकित्सा ढांचा बनाने का समुचित अवसर दिया है, पर अभी बीमारी की टेस्टिंग को तेजी से व्यापक बनाने की जरूरत है ताकि क्लस्टर व हाटस्पाट बनने की प्रक्रिया पर तेजी से लगाम लगाई जा सके। सरकार विशेषज्ञों के प्रतिक्रिया माड्यूल पर विश्वास कर रही है, लेकिन व्यापक रूप से चिकित्सा, अर्थशास्त्र व सामाजिक क्षेत्र के सर्वोत्तम लोगों की राय लेना भी लाभदायक है। इससे रणनीतियां बनाने में आसानी होगी। लगता है कि अब रास्ता ठीक करने का काम शुरू हो गया है और पहले चाहे जितनी गलतियां हुई हों, लाकडाउन हमारे जैसे घनी जनसंख्या वाले देश के लिए जरूरी है।

हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि बीमारी फिर उभर सकती है। इसकी दूसरी लहर दक्षिण कोरिया, जर्मनी व इटली में दिखाई दे रही है जहां लाकडाउन बनाए रखते हुए लोगों को बाहर जाने की अनुमति दी गई है ताकि वे सार्वजनिक स्थलों पर सामाजिक मिलन की अपनी आदतें बनाए रख सकें। भारत को बहुत सर्तकता बरतते हुए सोचना होगा कि अब तक उसने समाजीकरण के लाभ खोए हैं। इस संबंध में वह विभिन्न देशों से सबक सीख सकता है। उदाहरण के लिए, ब्रिटेन ने लोगों को दो मीटर दूरी बनाए रखते हुए पार्कों में अपने मित्रों व संबंधियों से मिलने तथा अकेली दूकानें, खाने-पीने की दूकानें व सैलून धीरे-धीरे खोलने की अनुमति दी है। निश्चित रूप से बीमारी का फैलाव बढ़ने पर ये स्वतंत्रतायें वापस ली जा सकती हैं। कुल मिला कर हमें ज्यादातर घर पर रहने, घर से काम करने तथा सार्वजनिक उपस्थिति की सीमायें सीखने की जरूरत है। इसमें लंबा समय लग सकता है, पर बिना वैक्सीन के हमारी पसंद ही हमारे जीवन का आधार है।

सशस्त्र बलों में कोविड संक्रमण

कोविड संक्रमण के यथार्थ ने सशस्त्र बलों को व्यवहार में परिवर्तन के लिए मजबूर किया है। इसके लिए उनके नेतृत्व को राजनीतिक रूप से साक्षर व संवेदनशील होने के बावजूद साहसपूर्वक अराजनीतिक होना होगा।

भूपिंदर सिंह
लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी एवं पूर्व उपराज्यपाल हैं

अन्य सभी क्षेत्रों की तरह सशस्त्र बलों को कोविड यथार्थ देखते हुए अपने व्यवहार में आवश्यक परिवर्तन करना होगा। सेना की अनिवार्य पेशेवर जरूरतों को बनाए रखते हुए इसे स्मार्ट व शक्तिशाली लड़ाकू बल में बदलना, नौकरशाहों की 'सामान्यीकरण' वाली सोच से दूर रखना या रक्षा मंत्रालय पर वर्तमान समय में नियंत्रण रखने वालों की अस्थाई राजनीति से बचाना सशस्त्र बलों के नेतृत्व पर निर्भर है ताकि सभी लड़ाकू सेवाओं में सभी 'जनरलों' का महत्व बना रहे। पिछले वर्षों में सशस्त्र बलों की रणनीतिक सोच सुरक्षा आयामों के बदलते यथार्थ व अपरिहार्य स्थितियों के अनुकूल हमेशा नहीं रही है। इनमें नाभिकीय धमकियां, धीमी गति वाला युद्ध, समान्वित कमांड व साइबर युद्ध आदि शामिल हैं। अब कोविड जैसी समस्याओं से निपटने के लिए परंपरा-आधारित सशस्त्र बलों को सर्वाधिक बौद्धिक, खोजी व परंपराओं को चुनौती देने वाली रणनीतिक स्थितियां बनानी होगी ताकि 'जनरलशिप' बनी रहे।

इसके लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण सैनिकों तथा जूनियर से लेकर मध्यवर्ती नेतृत्व तक योग्यता, क्षमता व व्यवहार को मजबूत बनाए रखना जरूरी होगा। इसके लिए मूल 'सोल्जरिंग' पर जोर देना होगा जिसमें 'केन्द्रीय' स्थान पर शारीरिक, मनौवैज्ञानिक व नैतिक अनुशासन शामिल है। हाल ही में कर्नल आशुतोष शर्मा, मेजर अनिल सूद, नायक राजेश व लांस नायक दिनेश तथा जम्मू कश्मीर पुलिस के सब इंस्पेक्टर सगीर पठान की हिंदवाड़ा में शहादत से स्पष्ट है कि भारतीय सेना की 'असीम जिम्मेदारियां' हैं जहां दुनिया की किसी अन्य सेना की तुलना में अधिकारी-सैनिक सामने आ कर नेतृत्व करते हैं। दो वीरता पुरस्कारों से सम्मानित कमांडिग आफिसर कर्नल शर्मा उन वीर लोगों की लंबी सूची में जुड़ गए हैं जिनमें कर्नल एमएन राय, मेजर मुकुंद वरदराजन व असंख्य अन्य वीर शामिल हैं। उन्होंने काउंटर-इन्सर्जेंसी कार्रवाइयों में लगे दुनिया के किसी अन्य बल की तुलना में भारतीय सशस्त्र बलों को सर्वाधिक 'अधिकारी से सैनिक' हताहत अनुपात दिया है।

कारगिल युद्ध सर्वोच्च वीरता, अदम्य क्षमता तथा असाधारण जोश का एक और प्रमाण है जो जूनियर से लेकर मध्यवर्ती नेतृत्व में पाया जाता है। इस 'प्रमुख' शक्ति ने परंपरागत सोच, फायरपावर अनुपात तथा जमीनी स्थितियों में लगाए जाने वाले अनुमानों को पीछे छोड़ा है तथा प्रदर्शन को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। इसके साथ ही भारतीय सुरक्षा ढांचे के इस 'प्रमुख' अंग से उम्मीदें बहुत अधिक हैं, जबकि अनेक चीजें उसके अनुकूल नहीं हैं। बहुचर्चित 'मेक इन इंडिया' पर गौर करें। रक्षा मंत्रालय की नीतियों के कारण देश दुनिया का दूसरे स्थान पर सबसे बड़ा हथियार आयातक बना हुआ है जिसके अपने खतरे हैं।

जूनियर से लेकर मध्यवर्ती सैनिक नेतृत्व की इस 'प्रमुख' क्षमता की आपरेशनल दक्षता के साथ ही 'जनरलशिप' के रणनीतिक, गरिमापूर्ण व मानसिक सोच को जोड़ कर शक्ति और बढ़ाई जानी चाहिए ताकि हम लगातार जटिल हो रहे असमान व नए खतरों से संस्थागत दृष्टिकोण के साथ निपट सकें।

वर्तमान संदर्भ में यह 'जनरलशिप' नेतृत्व में दिखनी चाहिए जो टैक्टिकल व आपरेशनल दायरों से आगे जाते हुए 'प्रमुख'

> **कोविड लगातार परिवर्तित होते सुरक्षा परिदृश्य में नवीनतम परिवर्तन है जिसमें भौतिक, सामाजिक व राजनीतिक परिवेश शामिल है। इससे क्लीनिकल सैनिक शैली में निरन्तर परिवर्तन जरूरी हो गया है।**

क्षेत्र के असाधारण प्रबंधन तक पहुंचती है। उसे हर संस्थागत कार्रवाई व प्रतिबद्धता के भू-रणनीतिक, भू-राजनीतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक व यहां तक कि राजनीतिक प्रभाव पर भी ध्यान देना होगा। ऐसे में परंपरागत रूप से 'प्रमुख' शक्ति को जाग्रत कर उसका लाभ उठाना निश्चित रूप से उचित है और इससे बहुत उम्मीदे हैं। लेकिन केवल इतना ही काफी नहीं है।

'जनरलशिप' को इससे आगे जा कर भावी समय के लिए तैयारी में अपना योगदान करना चाहिए। सभी सैनिक प्रतिबद्धताओं का एक राजनीतिक आयाम होता है क्योंकि सशस्त्र बल देश की 'रक्षक शाखा' हैं। लेकिन यह 'जनरलशिप' की जिम्मेदारी है कि वह सिविलियन नेतृत्व को दीर्घकालीन परिणामों के बारे में उचित सलाह दे तथा मामलों का प्रबंधन करे। ऐसे में हमेशा व्यक्तिगत, संस्थागत व सांस्कृतिक सरोकारों का महत्व होता है। परस्पर विरोधी उम्मीदों तथा दृष्टिकोण का प्रबंधन इस 'जनरलशिप' की सुदृढ़ता का परिचायक है।

स्व. फील्डमार्शल एफएम मानेक शॉ इतिहास में संपूर्ण 'जनरल' होने के नाते दर्ज हैं जो राजनीतिक दबावों के सामने नहीं झुके। इसके बजाय उन्होंने मूलभूत सैनिक आवश्यकताओं के अनुसार समय, हथियारों व नियंत्रण के मामले में अवस्थापना को पीछे धकेला। मानेक शा को इतना महत्व इसलिए मिला कि वे सत्तारूढ़ लोगों से सच कह सकते थे तथा अक्सर निराधार राजनीतिक अनुमानों को खारिज करते थे, हालांकि यह ऐसे तरीके से होता ाा जिससे कोई राजनीतिक जुड़ाव अथवा व्यक्तिगत पसंद सामने नहीं आती थी। 'जनरलशिप' को राजनीतिक रूप से साक्षर व संवेदनशील होने के साथ ही अपने व्यवहार में साहसी तरीके से अराजनीतिक होना चाहिए। राजनीतिक पसंद का कोई दृष्टिकोण या परोक्ष समझौता विनाशकारी हो सकता है।

कोविड अनुभव प्रशासन की सभी शाखाओं के लिए एक 'अज्ञात' मामला है। संस्थान के भीतर खुलेपन, संस्कृति व ज्ञान की खोज के लिए विशेषज्ञों तथा विशिष्ट विषयों के विशेषज्ञों की जरूरत होगी। पहले के किसी अन्य समय की तुलना में संभवत: आज सैनिक इतिहास के तथ्य आधारित पाठन की जागरूक करने वाली संस्कृति अधिक आवश्यक बन गई है।

मैरीन्स-वीर 'मैड डाग' की ख्याति वाले पूर्व अमेरिकी रक्षा सचिव जनरल जेम्स मैटिस को 'वैरियर मांक' भी कहा जाता है क्योंकि उनके पास 6,000 पुस्तकों का व्यक्तिगत संग्रह है। बताया जाता है कि 'ट्रंप प्रशासन के इस अंतिम वयस्क' ने कहा था, 'कमांडरों और स्टाफअधिकारियों के रूप में हम अपनी इकाइयों के कोच व पहरेदार हैं। यदि हम रणनीतियों, तकनीकों और प्रक्रियाओं के बारे में काफी कुछ नहीं जानेंगे तो हम किसी को क्या सिखा सकेंगे।'

उन्होंने इसमें यह बात भी जोड़ी कि 'डार्विन के पास उन लोगों के बारे में अच्छा सिद्धान्त था जो परिस्थितियों के अनुकूल स्वयं को ढालते नहीं हैं। यह सूचना युग है जहा चीजें अचानक व असाधारण गति से बदलती हैं और हमारी हालिया लड़ाइयों से आगे निकल जाती हैं।' यह बात आक्रामक व विवादास्पद 'विचारक जनरल' के. सुंदरजी के बारे में भी सही है जिन्होंने अधिकारियों को लिखे अपने प्रख्यात पत्र में कहा था, 'मैं चाहता हूं कि हम ज्यादा और गंभीरता से पढ़ें, ज्यादा सोचें तथा गंभीरता से व और ज्यादा गंभीरता से चर्चा करें, ज्यादा लिखें तथा गंभीरता से पेशेवर मामलों पर विचार करें।'

कोविड लगातार परिवर्तित होते सुरक्षा परिदृश्य में नवीनतम परिवर्तन है जिसमें भौतिक, सामाजिक व राजनीतिक परिवेश शामिल है। इससे क्लीनिकल सैनिक शैली में निरन्तर परिवर्तन जरूरी हो गया है। अब 'सुरक्षा' के दायरे में बहुआयामी परिवर्तन हुआ है तथा हो रहा है। ऐसे समय विचार करते समय इतिहास, परंपरा, वैज्ञानिक कौशल वृद्धि, व्यवस्था बनाने, उपयुक्त कौशलों से स्वयं को लैस करने व प्रतीक बदलने की भी आवश्यकता है। लेकिन यदि जनता की नजर में केवल एक आयाम लाया जाएगा तो संस्था भीतर से पंगु हो सकती है। भविष्य की सेना के लिए कच्चा माल और आधार तैयार है। हमें केवल मानेक शा, सुंदरजी या शानदार लड़ाकू कमांडर जनरल सगत सिंह की 'प्रमुख' सोच पर गौर करना है जिन्होंने सैनिक की प्रतिभा, गरिमा व नियंत्रण का प्रदर्शन किया था।

रचनात्मक भूमिका निभाए कांग्रेस

> **कांग्रेस पार्टी को इस समय मोदी सरकार को रचनात्मक सहयोग देना चाहिए तथा विपक्ष का नेतृत्व भी करना चाहिए।**

कल्याणी शंकर
(लेखिका राजनीतिक टिप्पणीकार हैं)

यद्यपि कांग्रेस में इस बात को लेकर निराशा व्याप्त है कि अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ज्यादा सक्रिय नहीं है और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी राजनीति के प्रति उदासीन रहे हैं, तथापि कोविड-19 महामारी ने इस धारणा को बदल दिया है। सोनिया और राहुल कोरोनावायरस वैश्विक महामारी तथा उससे निबटने के सरकार के तरीकों से संबंधित मुद्दों पर पुन: सक्रिय नजर आ रहे हैं। उनके अपनी फार्म में वापस लौटने से हताश पाटी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है।

विदित हो कि 2017 में, अपने पुत्र राहुल को कांग्रेस पार्टी की कमान सौंपने से एक दिन पहले सोनिया ने कहा था, ''मेरी भूमिका सेवानिवृत्त होने की है।'' सोनिया ने कहा था कि वो अपने सेवानिवृत्ति में काल पुस्तकें पढ़ना एवं परिवार के साथ समय बिताना चाहती हैं। कांग्रेस की मीडिया सेल के अध्यक्ष रणदीप सिंह सुरजेवाला ने तब यह ट्वीट किया था, ''सोनिया गांधी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त हुई हैं राजनीति से नहीं।'' यह बात सच साबित हुई जब परिस्थितियों ने अगस्त 2019 में उनका अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर वापसी करना अनिवार्य बना दिया। लोकसभा चुनावों में शर्मनाक पराजय की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए राहुल द्वारा पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिए जाने के कारण अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर वापस लौटने के बाद से सोनिया गांधी सक्रिय भूमिका निभाती आई हैं। सोनिया हमेशा से एक संघर्षशील नेता रही हैं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बावजूद उन्होंने कोविड-19 महामारी फैलने के कारण उपजे मुद्दों से जूझने की चुनौती स्वीकार की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित देशव्यापी लाकडाउन का समर्थन करते हुए उन्हें पत्र लिखे और आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी महामारी के खिलाफ संघर्ष में उने साथ खड़ी है। हालांकि, बीते दिनों के साथ जब अचानक घोषित लाकडाउन के चलते लाखों की संख्या में प्रवासी मजदूरों के संकट में पड़ जाने की स्थिति से निबटने हेतु मोदी सरकार के तरीकों को लेकर असंतोष पैदा हुआ तथा लाकडाउन पश्चात निकासी रणनीति को लेकर संदेह व्याप्त हो गया, तब सोनिया और राहुल हरकत में आ गए।

सर्वप्रथम, सोनिया गांधी ने राज्य स्तर पर कोरोनावायरस से लड़ने के लिए पार्टी को सक्रिय किया। उन्होंने लोगों को राहत पहुंचाने के लिए कांग्रेसी मुख्ययमंत्रियों पर जोर डाला। उन्होंने इस पहल में तीन वरिष्ठ पार्टी नेताओं को शामिल किया और कोविड-19 रणनीति पर चर्चा करने हेतु कांग्रेस कार्यसमिति की तीन बैठकें आहूत कीं। उन्होंने पिछले सप्ताह कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग भी की। सोनिया भविष्य को लेकर योजनाओं के बारे में मोदी सरकार से पूछती आई हैं। ''15 मई के बाद क्या होगा और कैसे?'' कितने लंबे समय तक लाकडाउन जारी रहे इस पर निर्णय लेने के लिए केंद्र सरकार किस आधार का इस्तेमाल कर रही है?

शुरुआत में, 25 मार्च को उन्होंने केंद्र द्वारा घोषित तीन सप्ताह के लाकडाउन का समर्थन करते हुए एक पत्र लिखा। फिर, 7 अप्रैल को, मोदी द्वारा टेलीफोन पर उनसे मांगे गए सुझावों के जवाब में, उन्होंने केंद्रीय वीजा परियोजना, मीडिया को सरकारी विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने, आधिकारिक विदेश यात्राओं पर रोक लगाने एवं पीएम केयर्स फंड को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत निधि में डालने एवं अन्य कल्याणकारी उपायों समेत पांच सुझाव प्रस्तुत किए। 11 अप्रैल को, उन्होंने पार्टी के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अध्यक्षता में कोविड-19 कार्रवाई समिति का गठन किया तथा 13 अप्रैल को, उन्होंने मोदी को पत्र लिखकर सरकार से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि कोरोना महामारी से निबटने के लिए आवश्यक लाकडाउन के दौरान कोई भूखा न रहे। प्रधानमंत्री द्वारा देश के नाम संबोधन से कुछ घंटे पूर्व सोनिया ने 14 अप्रैल को एक वीडियो संदेश भेजा, ''आज जब देश भीषण लड़ाई लड़ रहा है,मैं आपको आश्वस्त करना चाहती हूं कि कांग्रेस सरकार में हो या विपक्ष में, वह संघर्ष में आपके साथ खड़ी है।''

मगर मास्टरस्ट्रोक तब अया जब उन्होंने एक सप्ताह पहले घोषणा की कि घरों को वापस लौटने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए ट्रेन के किराए का खर्च कांग्रेस की इकाइयां वहन करेंगी। इस कारण मोदी सरकार को अपने निर्णय पर पीछे हटकर प्रवासी श्रमिकों को अत्यंत रियायती दरों पर टिकट उपलब्ध कराने को बाध्य होना पड़ा।

राहुल सक्रिय रूप से अपनी मां का सहयोग कर रहे हैं, यद्यपि उनके पास अभी कोई आधिकारिक पार्टी पद नहीं है। वो पुन: कांग्रेस की कमान संभालने के लिए तैयार हो रहे हैं। वो अपने आलोचनात्मक ट्वीटों के साथ सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। उनका विश्वास है कि कोविड-19 संकट गंभीर है और लाकडाउन केवल अस्थायी रोक मात्र है। उन्होंने महामारी से निबटने के लिए दृष्टिकोण सुझाया है। राहुल का मानना है कि यदि कोविड-19 संघर्ष केवल पीएमओ तक सीमित रहेगा तो भारत मात खा जाएगा और उन्होंने जिला स्तर तक सत्ता के विकेंद्रीकरण का सुझाव दिया है। उन्होंने प्रेस तथा पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन तथा नोबल पुरस्कार विजेता अभिजित बनर्जी सरीखे आर्थिक विशेषज्ञों से लाकडाउन पश्चात अवधि में आर्थिक रणनीति को लेकर चर्चा की है। प्रत्येक संकट एक अवसर लेकर आता है और कोरोनावायरस ने कांग्रेस को पुनरुत्थान हेतु एक बड़ा अवसर प्रदान किया है। कांग्रेस पार्टी को इस समय मोदी सरकार को रचनात्मक सहयोग देना चाहिए। कांग्रेस को विपक्ष का नेतृत्व करना चाहिए मगर दुखद रूप से, विपक्ष एकजुट नहीं है।

प्रत्येक पार्टी अपनी अलग राह पर चल रही है और कोई सम्मिलित रणनीति नहीं है। पिछले सप्ताह छह विपक्षी नेताओं ने प्रवासी श्रमिकों की समस्या को लेकर राष्ट्रपति को एक ज्ञापन दिया था। कांग्रेस, को पार्टी को एकजुट करने के मामले में, विपक्ष को भी एकजुट करने का प्रयास करना चाहिए और विपक्षी खेमें में नेतृत्व के शून्य को भरने का प्रयास करना चाहिए।

आप की बात

कोरोना योद्धाओं को नमन

कोरोना के संकट में अपनी जान की परवाह न करते हुए दूसरों को सुरक्षित रखने के लिए इस कार्य में लगे कोरोना वारियर्स पर गर्व व नाज होता है। समाचारों में लगातार यह पढ़ने व सुनने को मिल रहा है कि स्वास्थ्य सेवा में लगे डॉक्टर, नर्स व अन्य स्वास्थ्यरक्षाकर्मी तथा सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मी भी इस संक्रमण की चपेट में आ गए व आ रहे हैं। फिर भी डटे हुए हैं। मेरा एक ही बेटा (नवनीत उपाध्याय) जो पुलिसकर्मी है, वह मेरी बहू (पूनम उपाध्याय) जो नर्स हैं, दोनों ही मंदसौर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बेटा जहां पॉजिटिव पाए गए क्षेत्र में सावधानी व सतर्कता से ड्यूटी कर रहा है व लोगों को बीमारी से बचने के लिए समझाई दे रहा है, वही बहू जिला अस्पताल के कोरोना पॉजिटिव वार्ड में पॉजिटिव मरीजों की देखभाल कर रही है। प्रेम और भाईचारे से उनकी ऊर्जा व जिजीविषा को कायम रखने के लिए इलाज के साथ साथ उनका उत्साहवर्धन करना ही दवा के साथ मानसिक इलाज है। यह मेरे बेटे व बहू का कहना है। इस संकट में अपना कर्म करते रहो। ईश्वर के साथ, साथ लाखों लोगों की दुआ आप सभी के साथ हैं। मुझे फख्र है बेटे बहू पर। सभी कोरोना वारियर्स को शत शत नमन!

– **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

सोशल डिस्टेंसिंग जरूरी

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश में लॉक-डाउन के अगले चरण का संकेत दे दिया। सरकार को आपात सेवाओ के साथ आर्थिक गतिविधियों एक के बाद एक क्षेत्र में ढील दी जा रही है क्योंकि कोरोना ने स्वास्थ्य से अलावा आर्थिक और सामाजिक तौर पर गहरा झटका दिया है। कड़वी सच्चाई है कि जीवन को आगे बढ़ाने के लिये हमे कोरोना के साथ जीने की आदत डालनी होगी। ऐसी मुश्किल घड़ी के समय में जिम्मेदार नागरिक के तौर पर आगे आना होगा। जिसमे बिना किसी सरकारी और प्रशासन की बाध्यता के सोशल डिस्टेंसिन बनाना, मास्क पहनना,सार्वजनिक स्थानों पर नही थूकना, हाथों को धोना और बिना जरूरत की चीजों को छूने से बचना जैसी बातों को रोजमर्रा की आदतों में शुमार होगा। आंकड़े इशारा कर रहे हैं कि कोरोना का खतरा टला नही है। संक्रमण का उच्चतम स्तर आना बाकी है यानी आने वाले दिन ज्यादा खतरनाक होने वाले हैं। कई महीनों तक उसी सतर्कता का पालन करते हुए जान और जहां के बीच संतुलन बनाना होगा। यूरोपीय देशों की तुलना में भारत मे मृत्युदर बहुत कम है। भारत की जनता के लॉक-डाउन का पालन करने की विश्व के कई मंचो पर देश की सराहना कर रहे हैं।

– **महेश सिद्धमुख**, राजस्थान

मोदी का मंगल संदेश

यह पांचवां मौका था, जब प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस कोरोना काल में देश को संबोधित किया। इस बार के संबोधन में उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर बनाने का सूत्र दिया है। उनका विश्वास है कि 21 वीं सदी भारत की होगी इसे सार्थक रुप देने के लिए आत्मनिर्भरता को आधार बताया। इसके लिए हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना आवश्यक है। आत्मनिर्भरता आत्मबल और आत्मविश्वास की वृद्धि से ही संभव है। कोरोना संकट में जहां पूरी दुनिया के कई देश जहां अपने अस्तित्व को बचाने में प्रयास कर न रहे हैं वहीं भारत इस संकट की घड़ी में भी सकारात्मक विचारों से प्रेरित होकर इस कोरोना संकट से निपटने के साथ साथ वैश्विक स्तर पर यह साबित करने का प्रयास कर रहा है कि 21वीं सदी भारत की होगी यह संकल्प दृढ़ है ।। मोदी जी ने 20 लाख करोड़ पैकेज की भी घोषणा की है जिसमें भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत देने के संकेत दिए हैं। वास्तविकता में भी आज मध्यमवर्गीय परिवारों को अत्यंत मदद की आवश्यकता है।

– **अभिनव दीक्षित**, बांगरमऊ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

निश्चित नहीं है मगर यदि बड़ी कारपोरेट कम्पनियां कोरोना संकट के चलते चीन से अपना बिजनेस भारत में लाती हैं तो भारत को लाभ होगा।
– **अभिजित बनर्जी**
नोबल पुरस्कार विजेता

आप जोर देकर क्यों कहते हैं कि कोरोनावायरस परीक्षण के मामले में अमेरिकी अन्य देशों की तुलना में बेहतर काम कर रहा है।
– **वेजिया जियांग**
सीबीएस न्यूज रिपोर्टर

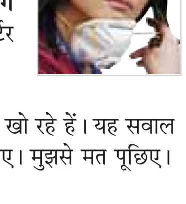

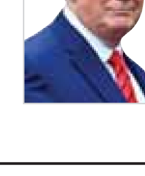

वे दुनिया में हर जगह जीवन खो रहे हैं। यह सवाल आपको चीन से पूछना चाहिए। मुझसे मत पूछिए।
– **डोनाल्ड ट्रंप**
अमेरिकी राष्ट्रपति

राहत पैकेज से राज्य सरकार औद्योगिक उड़ान भरने को तैयार

सेक्टोरल नीतियों का सरलीकरण और लैण्ड बैंक मजबूत करें: योगी

● दुकानों, मंडियों, बैंक शाखाओं आदि में सोशल डिस्टेंसिंग का सख्ती से पालन कराएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केन्द्र सरकार का बीस लाख करोड़ की धनराशि का भारी-भरकम राहत पैकेज सामने आने के बाद योगी सरकार औद्योगिक विकास की गाड़ी दौड़ाने की दिशा में सक्रिय हो गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेक्टोरल नीतियों का जरूरतों के अनुरूप सरलीकरण और नए उद्योगों की स्थापना के लिए भूमि की पर्याप्त का बंदोबस्त करने के निर्देश दिये हैं। राजस्व तथा औद्योगिक विकास विभाग को लैंड बैंक स्थापना की कार्ययोजना बनाते हुए उसे लागू करने की जिम्मेदारी सरकार ने सौंपी है। उन्होंने कहा है कि कोविड.19 से प्रभावित आर्थिक गतिविधियों की बहाली के लिए औद्योगिक विकास

को बढ़ावा देना जरूरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को टीम 11 के अफसरों के साथ लोक भवन में समीक्षा बैठक करते हुये कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रवासी कामगार तथा श्रमिक किसी भी दशा में पैदल न आएं, उनके लिए वाहन उपलब्ध करवाए जाएं और सम्मान के साथ घर पहुंचाया जाए। सभी प्रवासी कामगारों व श्रमिकों की स्क्रीनिंग कर उन्हें क्वारंटीन किया जाए। अस्वस्थ होने की दशा में इनके उपचार की व्यवस्था की जाए। उन्होंने प्रवासी श्रमिकों व कामगारों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए वृहद कार्ययोजना बनाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रह रहे अन्य राज्यों के श्रमिकों और कामगारों को उनके गृह प्रदेश भेजने के लिए संबंधित राज्य को ऐसे श्रमिकों व कामगारों की सूची उपलब्ध कराई जाए।

सीएम योगी ने कहा कि दुकानों, मंडियों, बैंक शाखाओं आदि में शारीरिक दूरी का सख्ती से पालन कराया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी लोग मास्क अवश्य पहनें। गांव तथा शहर में सर्विलांस कार्य को और प्रभावी करने के लिए निगरानी समितियों को सुदृढ़ बनाया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के द्वारा निगरानी समितियों के सदस्यों से संवाद जारी रखा जाए। इसके साथ ही आगरा, मेरठ और कानपुर नगर में लॉकडाउन को कड़ाई से लागू के भी निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में प्रवासी कामगार व श्रमिक आ रहे हैं। इसके दृष्टिगत क्वारंटीन की क्षमता को बढ़ाया जाए। कम्युनिटी किचन व्यवस्था को और बेहतर बनाते हुए सभी के लिए पर्याप्त भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। यह सुनिश्चित हो कि कोई भी भूखा न रहे। इसके साथ ही क्वारंटीन सेंटर व आश्रय स्थल पर साफ-सफाई तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। सभी नर्सिंग होम कोविड.19 के संक्रमण से सुरक्षा संबंधी स्वास्थ्य विभाग के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के भी सीएम ने निर्देश दिये। योगी ने कहा कि सभी जिलों में आवश्यकतानुसार वेंटीलेटर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। चिकित्सालयों में पीपीई किट, मास्क और सैनिटाइजर की पर्याप्त उपलब्धता एवं समुचित वितरण सुनिश्चित कराया जाए। कोविड अस्पतालों की संख्या में वृद्धि करते हुए एल-1, एल-2 तथा एल-3 कोविड चिकित्सालयों में एक लाख बेड की व्यवस्था की जाए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से कोविड अस्पतालों के मरीजों के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी प्राप्त की जाए। सीम योगी ने पूल टेस्टिंग में वृद्धि करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, स्वास्थ्य मंत्री जयप्रताप सिंह, स्वास्थ्य राज्यमंत्री अतुल गर्ग, मुख्य सचिव आरके तिवारी, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव राजस्व रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, पुलिस महानिदेशक हितेश सी अवस्थी तथा निदेशक शिशिर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ओडीओपी व एमएसएमई सेक्टर देंगे मोदी की लोकल-वोकल मुहिम को स्पीड

प्रवासी श्रमिकों को रोजगार देने में होंगे सहायक

अभिषेक रंजन। लखनऊ

● सरकार मुहैया कराएगी कच्चे माल से लेकर बाजार तक की सुविधा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता के साथ संवाद में लोकल-वोकल पर अधिक फोकस किया है। अच्छी खबर सबसे पहले यूपी से आएगी। क्योंकि मोदी की इस मुहिम को सबसे पहले स्पीड उप्र में मिलने वाली है। यहां पर एमएसएमई और ओडीओपी सेक्टर को निखारने के लिए सरकार तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आादित्यनाथ स्वयं ओडीओपी और सूक्ष्म तथा लघु उद्योगों को बढ़ाने के लिए प्रतिदिन समीक्षा कर रहे हैं। ऐसे में उप्र में देखा जाए तो इस मुहिम को स्पीड देने के लिए वह सारे माध्यम उपलब्ध हैं जो होने चाहिए। स्किल्ड लेबर, लैड, विपणन और केंद्र व सरकार की विभिन्न योजनाएं इस प्रयास को सफल होने में तेजी से अपनी भूमिका निभाएंगे।

पिछले 10 से 15 साल के बीच उप्र में ओडीओपी से जुड़े लाखों कुटीर उद्योग धंधे बंद होते चले गए। बेहतर बाजार उपलब्ध न होने के कारण पश्चिम उप्र के ऐसे कई धंधे बंद हो गए जिनकी धाक भारत के बाहर तक थी। इसके पीछे कच्चे माल की दिक्कत, मुनासिब दाम और मार्केट उपलब्ध न होना प्रमुख कारण रहा साथ ही साथ विभिन्न दलों की सरकारों ने मजबूत इच्छा शक्ति के आभाव में यहां के हुनर को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा नहीं पाए। अब जब पूरा विश्व कोरोना जैसी महामारी से पीड़ित है और आर्थिक मंदी से गुजर रहा है तो सबको आत्मनिर्भर होने के लिए सोचना पड़ रहा है। पीएम मोदी ने जन संवाद में इस बात को मजबूती के साथ कहा है कि आत्मनिर्भर होना पड़ेगा तभी हम इस प्रकार की महामारी से लड़ सकेंगे। दरअसल चीन पर हमें कई उत्पादों पर निर्भर रहना पड़ता है लेकिन इस महामारी के बाद शायद ऐसा न हो और हम अपने पुराने और परंपरागत उद्योग के जरिए स्वयं आत्मनिर्भर बनें और अन्य देशों में उन उत्पादों की आपूर्ति भी सकेंगे।

एमएसएमई विभाग के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुटीर उद्योग और परंपरगत उद्योग को विकसित किए जाने का प्लान बनाया है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह यह है कि कामगारों और प्रवासी श्रमिकों को रोजगार दिया जा सके। लाखों की संख्या में कुशल और कामगार जो अभी तक यूपी से बाहर रोजगार पा रहे थे उन्हें इस महामारी ने अपने मूल राज्य उप्र में आने को मजबूर कर दिया है। प्रतिदिन रेलगाड़ियों से हजारों की संख्या में प्रवासी श्रमिक विभिन्न जिलों में पहुंच रहे है।

इस बीच सरकार के सामने सबसे बड़ी यह चुनौती सामने खड़ी हो गई है कि इस आर्थिक मंदी के बीच इन प्रवासी श्रमिको को रोजगार देना और उप्र के मौजूदा श्रमिको को भी रोजगार कैसे दिया जाए। सूत्रों क मानें तो औद्योगिक जगत का भी सरकार इंडस्ट्री को चालू करने का दबाव बढ़ता जा रहा है। लाकडाउन की वजह से इंडस्ट्री सेक्टर का बुरा हाल हो गया है जब तक इंडस्ट्री फुल स्पीड से काम नहीं करेंगी तब तक उप्र में श्रमिकों की एक बड़ी संख्या को रोजगार नहीं मिल पाएगा। इन सब चुनौतियों के बीच सरकार स्थानीय बाजार में स्थानीय उत्पादों की आपूर्ति करके अपने ही प्रदेश में बने उत्पादों को महत्व देगी। ऐसे में स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार मिलने से उप्र की दूसरे राज्यों व देशों पर निर्भरता खत्म होगी।

इस पूरी प्रक्रिया को अमली जामा पहनाने के लिए सरकारी तंत्र जुट गया है। एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने बताया कि पीएम के लोकल वोकल मुहिम को पहले से ही प्रदेश सरकार गति दे रही है जिसमें खासतौर पर ओडीओपी के जरिए बुनकर और हस्तशिल्प को ताराशा जा रहा है। साथ ही केंद्र सरकार ने एमएसएमई सेक्टर के लिए जो पैकेज दिया है वह यूपी के 90 लाख एमएसएमई के लिए संजीवनी होगा। दोनों ही सेक्टर मिलकर इस मुहिम को आने वाले दिनों में कीर्तिमान स्थापित करने में यूपी का नाम रोशन करेंगे। उप्र में एमएसएमई को गति देने के लिए पहले से काम चल रहा है लेकिन इस पैकेज से यहां की कंपनियों को मौका मिलेगा और अन्य देशों पर निर्भरता समाप्त होगी।

मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम से होगी मनरेगा श्रमिकों की हाजिरी: मोती सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की योगी सरकार श्रमिकों को रोजगार देने के साथ ही उनकी भुगतान को लेकर काफी सख्त हो चुकी है। इस मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बरदाश्त करने को तैयार नहीं है। यह जानकारी ग्राम विकास मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह (मोती सिंह) ने दी।

श्री सिंह ने कहा कि योगी सरकार की मंशा के अनुरूप मनरेगा कार्य में काफी पारदर्शिता बरती जा रही है। उन्होंने कहा इसी के अंतर्गत मनरेगा के तहत काम करने वाले श्रमिकों की हाजरी अब मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम के द्वारा होगी। इस संबंध में प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास मनोज कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश के समस्त जिलाधिकारियों एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक को निर्देश दे दिये गये हैं कि मनरेगा श्रमिकों की हाजिरी दर्ज करने के लिए मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जारी निर्देशों में कहा है कि यह कार्य अगले 3 सप्ताह के अंदर पूर्ण कर लिया जाए। इस कार्यवाही के पूर्ण होने तक जो मैनुअल तरीके से मस्टर रोल भरने व अपलोडिंग का कार्य हो रहा है वह समानांतर चलता रहे तथा इससे एफओटी जनरेट होने की गति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास ने इस कार्य को सुनिश्चित करने के लिए अपर आयुक्त मनरेगा ग्राम्य विकास विभाग को निर्देश दिया है कि विकासखंड स्तर पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से वार्ता एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था कर लें।

मथुरा व बुलन्दशहर के सीएमओ सहित 6 डॉक्टरों के तबादले

लखनऊ। शासन स्तर पर बुधवार को 6 चिकित्सा अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। इनमे दो मथुरा व बुलन्दशहर के सीएमओ भी शामिल हैं। जिनके स्थान पर नई तैनाती दी गई है। शासन स्तर पर जारी आदेश के मुताबिक मथुरा के सीएमओ डॉ शेर सिंह को प्रधानाचार्य आरएफपी मुरादाबाद बनाया गया है। इनके स्थान पर डॉ संजीव यादव को तैनाती दी गई है। डॉ केएन तिवारी को वरिष्ठ परामर्शदाता ट्रामा सेंटर मुरादाबाद और डॉक्टर भवतोष शंखधर सीएमओ बुलंदशहर बनाया गया है। सीएमएस आगरा मेडिकल कॉलेज के डॉ एसपी जैन को जिलाधिकारी आगरा कार्यालय से संबद्ध किया गया है। डॉ बीपी पुष्कर को सीएमएस आगरा मेडिकल कॉलेज बनाया गया है। वहीं शासन स्तर पर बुधवार को एस एन मेडिकल कालेज आगरा के प्रिंसिपल डॉ जीके जनेजा को हटाए जाने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने राजकीय मेडिकल कालेज कानपुर के सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ संजय काला को आगरा मेडिकल कालेज का कार्यवाहक प्रधानाचार्य बनाया गया है। जबकि डॉ जीके जनेजा को चिकित्सा शिक्षा निदेशालय से सम्बद्ध किया गया है।

किसानों से खरीदे गए गेहूं का भुगतान समय पर हो: मुकुट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● बलिया, कानुपर देहात व कन्नौज में प्रगति रिपोर्ट खराब मिलने पर अधिकारियों को दी चेतावनी

सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने जनपद बलिया, कानपुर देहात व कन्नौज में गेहूँ क्रय की प्रगति खराब होने पर इन जनपदों के अधिकारियों को चेतावनी देने के निर्देश दिये हैं। साथ ही कहा है कि सहकारिता विभाग की गेहूं क्रय करने वाली संस्था पीसीएफपीसीयू एवं यूपीएसएस के गेहूं कय केन्द्रों द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष गेहूं की खरीद की जाये इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं की जानी चाहिए। श्री वर्मा ने बुधवार को योजना भवन में मूल्य समर्थन योजना के तहत गेहूँ खरीद, विगत धान खरीद में धान एवं सीएमआर की डिलीवरी तथा एफसीआई से भुगतान की स्थिति तथा जिला सहकारी बैंकों में अल्पकालीन ऋण वितरण एवं वसूली तथा उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक की ऋण वसूली की स्थिति की प्रगति की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीद में कय केन्द्रो पर किसानो को किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए और किसानों से क्रय किया गया गेहूँ का भुगतान भी समयानुसार किया जाना चाहिए इसका भी विशेष ध्यान रखा जाये।

सहकारिता मंत्री ने यह भी निर्देश दिये है कि मण्डल एवं जनपद स्तर पर गेहूँ खरीद की प्रगति की समीक्षा निरन्तर की जाये और बेहतर ढंग से कार्ययोजना बनाकर गेहूं खरीद लक्ष्य के सापेक्ष की जाये और गेहूँ कय केन्द्रो पर बोरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये इसका भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। इस मौके पर प्रमुख सचिव सहकारिता एमवीएस रामी रेडडी समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

दक्षिण कोरिया, जापान, यूएसए की कंपनियों के लिए यूपी में बनी हेल्पडेस्क

लखनऊ। कोविड-19 जनित लॉकडाउन के उपरान्त राज्य में आर्थिक एवं गतिविधियों को पुन: प्रारम्भ व प्रोत्साहित करने हेतु उठाए जा रहे विभिन्न कदमों की श्रंखला में प्रदेश सरकार द्वारा दक्षिण कोरिया, जापान तथा संयुक्त राज्य अमेरिका यूएसए की कम्पनियों को प्रदेश में निवेश करने में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से हेल्पडेस्क स्थापित किए गए हैं। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन ने बताया कि पिकप को इस व्यवस्था के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है जबकि अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा और उद्योग बन्धु के नॉलेज पार्टनर के दो कर्मियों को सदस्यों के रूप में नामित किया गया है। इस नई व्यवस्था के अन्तर्गत दक्षिण कोरिया, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका के निवेशक क्रमश: तीन अलग-अलग समर्पित ईमेल हैं जिन पर संवाद कर सकेंगे जिनका अनुश्रवण व आवश्यक कार्यवाही इस प्रयोजन के लिए नामित अध्यक्ष एवं नोएडा और उद्योग बन्धु में नामित सदस्यों द्वारा नियमित रूप से किया जाएगा।

जरूरी हो गया था भत्तों को समाप्त किया जाना: सुरेश खन्ना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● वित्त मंत्री ने कहा कि महामारी के इस दौर में कर्मचारी अपना भरपूर सहयोग दें

प्रदेश के 16 लाख राज्य कर्मचारियों के 6 भत्ते समाप्त किए जाने पर बुधवार को सरकार ने सफाई दी है। प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार द्वारा नगर प्रतिकर, सचिवालय भत्ता समेत अन्य भत्तों को समाप्त किये जाने पर विचार किया गया है जो भारत सरकार में या तो है ही नहीं या भारत सरकार द्वारा समाप्त किये जा चुके हैं।

राज्य सरकार में यह भत्ते पूर्व से अनुमन्य हो रहे थे। सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा जिस प्रकार सम्मानजनक जीवन स्तर के लिए आकार्षक वेतन संरचना की संस्तुति की गयी है उसे देखते हुए इस प्रकार के भत्तों को, जो केन्द्र सरकार मे हैं ही नही अथवा जिन्हें केन्द्र सरकार द्वारा समाप्त किया जा चुका है इन भत्तों को समाप्त किया जाना औचित्यपूर्ण हो चुका था। सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि इन सभी भत्तों को समाप्त किये जाने से राज्य सरकार का अनुमानत: प्रति वर्ष लगभग 1300 करोड़ व्यय कम होगा। राज्य सरकार द्वारा शासकीय कर्मचारियों को निरन्तर केन्द्रीय कर्मचारियों की भांति वेतन संरचना एवं मंहगाई भत्ते की दर अनुमन्य की जा रही है और राज्य सरकार द्वारा सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग की संस्तुतियों के अनुरूप राज्य कर्मचारियों को केन्द्रीय कर्मचारियों के समान पुनरीक्षित वेतन संरचना अनुमन्य की जा चुकी है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकारी कर्मचारी वेतन आयोग की संस्तुतियों को लागू करने की बात अक्सर करते हैं परंतु जो भत्ते छठे वेतन आयोग में समाप्त कर दिए गए तथा सातवें वेतन आयोग में राज्य कर्मचारियों की स्थिति वेतन के कारण अत्यंत सम्मानजनक हो चुकी है।

निजी के बजाए सरकारी क्षेत्र के विकास पर बल दे सरकार: मायावती

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरे देश के विभिन्न सेक्टर्स को संजीवनी देने के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक राहत पैकेज की घोषणा पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अपनी प्रतिक्रिया में बसपा सुप्रीमो ने निजी क्षेत्र के बजाए सरकारी पहल पर विकास की जरूरत पर बल दिया है। बुधवार को ट्वीट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट ट्विटर पर ट्वीट करते हुए लिखा कि बीएसपी का मानना है कि भारत को आत्म निर्भर बनाने के अति अहम मामले में प्राइवेट सेक्टर के बजाए सरकारी पहल व इसके जरिए देश की पूंजी में विकास की ज्यादा जरूरत है। इस पर ईमानदारी से अमल करने से ही गरीबी व बेरोजगारी सहित देश की अन्य और भी मूलभूत समस्याओं का समाधान संभव होगा।

बीजेपी ने प्रवासी श्रमिकों की मदद के लिए शुरू किया अभियान

● यूपी में 150 मार्गों को किया चिन्हित, भोजन-पानी उपलब्ध कराया जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण के कारण आई वैश्विक आपदा के कारण अपने गाँव-घर को वापसी के लिए सड़कों पर निकल पड़े प्रवासी श्रमिकों को किसी भी प्रकार की कठिनाइयों का सामना न करना पड़े इसके लिए बीजेपी ने योजनाबद्ध ढंग से घर वापसी कर रहे प्रवासी श्रमिकों की सहायता के लिए अभियान शुरू किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल के निर्देशन में भाजपा ने पूरे प्रदेश में विशेष रूप से लगभग 150 ऐसे केन्द्रों, मार्गों को चिन्हित किया है जहाँ से बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक, मजदूर अपने गाँव घर की ओर वापसी कर रहे हैं। पार्टी द्वारा विशेष रूप से चिन्हित किए गए ऐसे सभी केन्द्रों से गुजर रहे प्रवासी श्रमिकों, मजदूरों को भाजपा कार्यकर्ता भोजन, पानी, मास्क व सैनिटाइजर उपलब्ध कराने के साथ ही आवश्यकतानुसार श्रमिकों को चप्पल भी उपलब्ध करा रहे हैं।

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता दो गज की शारीरिक दूरी लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए अपने-अपने जिलों व गाँवों लौट रहे प्रवासी श्रमिकों-मजदूरों की मदद करें। ऐसे प्रवासी श्रमिकों के हितो को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नेतृत्व वाली भाजपा प्रदेश सरकार लगातार फैसले ले रही है। प्रवासी श्रमिकों की घर वापसी के लिए भी राज्य सरकार द्वारा बेहतरीन प्रबन्ध किये गए हैं। बावजूद इसके कई प्रवासी श्रमिक अलग-अलग साधनों सहित साइकिलों से भी अपने घर वापसी के लिए सड़कों पर हैं।

संगठनात्मक स्तर पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष जेपीएस राठौर, काशी और गोरखपुर क्षेत्र, प्रदेश महामंत्री विजय बहादुर पाठक, पश्चिम व ब्रज क्षेत्र, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला, अवध व कानपुर बुन्देलखण्ड क्षेत्र से समन्वय करते हुए प्रवासी श्रमिकों को घर वापसी के दौरान रास्ते में किसी भी तरह की कोई दिक्कत न हो इसके लिए पार्टी के अलग-अलग जिलों के स्थानीय पदाधिकारियों के साथ समन्वय व संवाद कर रहे है।

निवेश मित्र पोर्टल पर आने वाले आवेदनों का समय से करें निस्तारण

लखनऊ। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने समस्त जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अन्तर्गत निवेश मित्र पोर्टल पर उद्यमियों से प्राप्त लाइसेंसों के आवेदन, शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। इससे सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जिज्ञासा का समाधान उद्योग बन्धु द्वारा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का जिला स्तर पर गहन अनुवश्रण कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि आवेदनों के निस्तारण के आधार पर जिलों की रैंकिंग कराई जाए। उन्होंने बताया कि निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त हुए कुल आवेदनों की संख्या के आधार पर जनपदों को दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा। प्रथम श्रेणी में ऐसे जनपद होंगे जहां प्राप्त कुल आवेदनों की संख्या 2 हजार से अधिक तथा दूसरी श्रेणी में अवशेष जनपद आएंगे। प्रत्येक श्रेणी में जनपदों की रैंकिंग की गणना करने के लिए माह के अन्त में निवेश मित्र पर प्राप्त हुये आवेदनों का समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण, निवेश मित्र यूजर का संतोषजनक फीडबैक, निवेश मित्र पर शिकायतों का समय-सीमा में निस्तारण के प्रतिशत की गणना की जाएगी।

कामगारों के लिए सबसे महफूज ठिकाना बना यूपी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● अप्रवासी कामगारों का नही हुआ पलायन और दूसरे राज्यों से दस लाख मजदूर यहां आये

योगी सरकार ने दावा किया है कि राज्य से अप्रवासी मजदूरों ने पलायन नहीं किया और दूसरे राज्यों से सबसे अधिक दस लाख प्रवासी श्रमिक यहां पहुंचे। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि कोरोना आपदा में उत्तर प्रदेश श्रमिकों और कामगारों के लिए सबसे महफूज ठिकाना बना। देश का यह अकेला राज्य है, जहां से अप्रवासी मजदूरों ने पलायन नहीं किया और अन्य प्रदेशों से प्रदेश में सबसे ज्यादा दस लाख प्रवासी श्रमिक एवं कामगार पहुंचे।

सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि सबसे बड़ी आबादी के बावजूद योगी आदित्यनाथ सरकार लगातार सबके लिए भोजन, रोजगार, भरण पोषण और सुरक्षा का इंतजाम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि लॉकडाउन के दौरान भी प्रदेश की बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों से योगी सरकार ने हर कर्मचारी को भुगतान कराया। प्रवक्ता ने कहा कि इकाइयों ने 1592.37 करोड़ रुपए वेतन और मानदेय का बड़ा भुगतान किया। बंद पड़ी इकाइयों से सरकार लगातार कर्मचारियों व श्रमिकों का पूरा भुगतान कराती रही। उन्होंने कहा कि श्रमिकों, कामगारों के रोजगार, मानदेय और भरण पोषण भत्ते समेत तमाम सुविधाएं दिलाने को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को टीम-11 की बैठक की जो इसी उद्देश्य से बनाई गयी है। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयास से लॉकडाउन-1 के दौरान प्रदेश में सभी 119 चीनी मिलें चलती रहीं। 12,000 ईंट भट्टे और 2,500 कोल्ड स्टोरेज भी लगातार चलते रहे।

प्रवक्ता ने बताया कि लॉकडाउन-2 में योगी सरकार ने बड़ी औद्योगिक इकाइयां चलवायीं, जिनमें 2.12 लाख लोगों को रोजगार हासिल हुआ। लॉकडाउन-2 में ही एमएसएमई क्षेत्र से 16.40 लाख लोगों को रोजगार मिला। उन्होंने बताया कि मनरेगा में 23.6 लाख लोगों को प्रतिदिन रोजगार मिल रहा है। योगी सरकार अब तक 31.70 लाख निराश्रित एवं निर्माण श्रमिकों को एक-एक हजार रूपये का भरण पोषण भत्ता और मुफ्त खाद्यान्न मुहैया करा चुकी है।

गेहूं किसानों की समस्याओं पर ध्यान दे सरकार: लल्लू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने मुख्यमंत्री आदित्य नाथ को एक पत्र भेज कर प्रदेश में किसानों की समस्याओं की ओर उनका ध्यान आकर्षित करते हुए उनके तुरंत निदान की मांग की है। अपने पत्र में प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा है की कोरोना महामारी के इस दौर में किसानों के गेहूं की अभी तक पूरी खरीदारी नहीं हुई और खरीदारी के लिए ऑन लाइन रजिस्ट्रेशन की शर्त से किसानो को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसका सरलीकरण किया जाए क्योंकि मोबाइल द्वारा रजिस्ट्रेशन करा पाना हर किसान के लिए सम्भव नहीं है। उन्होंने कहा की किसानों को भुगतान भी नहीं किया जा रहा है जो की उन के साथ अन्याय और धोखा है अत: प्राथमिकता के आधार पर उनका भुगतान सुनिश्चित किया जाए। वहीं उन्होंने आगरा में बलात्कार के मामले में तुरंत कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा सरकारें सिर्फ आंकड़ों की जुगलबंदी कर रहीं: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री का सम्बोधन न केवल निरर्थक निबन्ध था अपितु वह गुमराह करने वाला भी रहा। विपदा के मारे लाखों मजबूर लोगों के भावी जीवन के प्रबंधन का उसमें कोई संवेदनशील संकेत नहीं मिला। कोरोना संकट से निबटने के नाम पर अब बढ़ती घूसखोरी की शिकायतें स्वयं भाजपा विधायक-सांसद करने लगे हैं। मजदूर और गरीब के समक्ष रोजी रोटी का संकट गहराता जा रहा है। भाजपा सरकारें सिर्फ आंकड़ों की जुगलबंदी करती रहती है। यह मजबूर वर्ग के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि पहले 15 लाख का जुमला अब 20 लाख करोड़ का झूठा दावा। अबकी बार लगभग 133 करोड़ लोगों को 133 गुना बड़ी मार। इस पर कोई कैसे एतबार कर सकता है।

सन 2022 तक सबको घर देने का वादा करने वाली सत्ताधारी आज

बेघर भटकते भूखे प्यासे लोगों को एक वक्त की रोटी तक नहीं दे पा रहे हैं। इतिहास गवाह रहा है, सड़कों पर उतरी जनता ने सर्वशक्तिमान होने का दम्भ-भ्रम रखने वाले एक-से-एक बड़ों को पैदल कर दिया है।

अखिलेश ने कहा कि ये सच है कि बुनियाद कभी दिखती नहीं पर ऐसा भी नहीं कि उसे देखना भी नहीं चाहिए। जिन गरीबों के भरोसे की नींव पर आज सत्ता का इतना बड़ा महल खड़ा हुआ है, ऊंचाइयों पर पहुंचने के बाद, संकट के समय में भी उन गरीबों की अनदेखी करना अमानवीय है।

प्रियंका ने किसान, मजदूर व उद्योगों की मजबूती के लिए दिए कई सुझाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● कांग्रेस महासचिव ने सीएम योगी आदित्यनाथ को लिखा पत्र

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर किसान गरीब और मजदूर वर्ग के समक्ष कोरोना महामारी की वजह से उत्पन्न संकट का हवाला देते हुए कुछ सुझाव दिए हैं। प्रियंका ने उम्मीद जताई है कि सरकार इन पर ध्यान देगी और जल्द निर्णय लेगी। पत्र की शुरुआत में प्रियंका गांधी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पिता के मृत्यु पर अपनी शोक संवेदना जतायी है। महासचिव ने पत्र में आगे लिखा है कि जैसा आप जानते हैं कोरोना महामारी से पूरा जनजीवन प्रभावित है। हर वर्ग के ऊपर भयंकर आर्थिक मार पड़ी है। इन वर्गों की मदद करना अनिवार्य हो गया है।

शिक्षा और घर के लोन का खर्च मध्य वर्ग की आर्थिक बुनावट का एक बड़ा हिस्सा होता है। मेरा सुझाव है कि घर के लोन पर लगने वाली ब्याज दर को शून्य कर दिया जाए व ईएमआई जमा करने की बाध्यता को अगले छह महीनों के लिए स्थगित किया जाए। किसानों के चार महीनों के ट्यूबवेल तथा घर के बिजली बिल माफ किए जाएं। उनके बक़ाया बिजली बिलों पर भी पेनल्टी व ब्याज माफ किए जाएं। किसानों के लोन पर भी चार महीने का ब्याज माफ हो। उनके किसान क्रेडिट कार्ड तथा अन्य लोन पर कटी हुई आरसी पर तुरंत रोक लगायी जाए। किसानों की सम्पूर्ण फसल ख़रीदने की गारंटी की जाए। गन्ना सहित सारे भुगतान तुरंत किए जाएं। साथ ही शिक्षा मित्र, आशा बहनें, आंगनबाड़ी कर्मी, रोजगार सेवक,पंचायत मित्र व अन्य संविदा कर्मी को प्रोत्साहन राशि देने को कहा है। पत्र में महासचिव ने मुख्यमंत्री से गुजारिश की है कि छोटे मंझोलों उद्योगों का बैंक लोन माफ किया जाए। इनके बिजली के बकाया बिलों पर भी उदारतापूर्वक विचार कर उन्हें राहत देने की घोषणा की जाए।

वर्षों विपक्ष का बहुमत रहा लेकिन कानून बनाने पर असर नहीं पड़ा : नायडू

● राज्यसभा के 68 वर्ष के कार्यकाल

भाषा। नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू ने बुधवार को कहा कि संसद के ऊपरी सदन के 68 वर्ष के कार्यकाल में 39 साल विपक्ष के सदस्यों की संख्या अधिक रही है लेकिन इसका कानून बनाने पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ा। राज्यसभा की पहली बैठक की 68वीं वर्षगांठ पर फेसबुक पर लिखे पोस्ट में ऊपरी सदन का सफर याद करते हुए यह टिप्पणी की। राज्यसभा का चुनाव और कार्यकाल लोकसभा से अलग होता है। इससे किसी सरकार के लिए ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है कि उसके पास लोकसभा में आवश्यक बहुमत हो लेकिन राज्यसभा में न हो। पिछले कुछ वर्षों में यही हुआ। पहली बार 1968–70 के दौरान हुआ था। और पिछले 31 सालों से ऐसी ही स्थिति बनी रही। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राज्यसभा की इस साल के बजट सत्र तक 5,472 बैठकें हुई और उसने 3,857 विधेयक पारित किए जबकि कई बार वह विधेयकों को पारित करने के अपने अधिकारों पर भी अडिग रही। 1961, 1978 और 2002 में तीन संयुक्त बैठकों का भी जिक्र किया।

नायडू और बिरला ने संसद की प्रथम बैठक के 68 वर्ष पूरा होने पर देशवासियों को बधाई दी

नई दिल्ली (भाषा)। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापमि एम वेंकैया नायडू और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद की प्रथम बैठक के 68 वर्ष पूरा होने के अवसर पर बुधवार को संसद भवन का दौरा किया और कहा कि देश में पिछले सात दशकों में अनेक बाधाओं का सामना करने के बावजूद संविधान तथा लोकतांत्रिक शासन प्रणाली मजबूत हुई है। लोकसभा सचिवालय की विज्ञप्ति के अनुसार, भारत की संसद की प्रथम बैठक के 68वें वर्ष के अवसर पर उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, संसदीय कार्य एवं कोयला और खान मंत्री प्रह्लाद जोशी, संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल तथा विदेश और संसदीय कार्य राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने लोकसभा और राज्यसभा के सभाकक्षों और ऐतिहासिक केन्द्रीय का दौरा किया।

नई दिल्ली में राज्यसभा की प्रथम बैठक की 68वीं सालगिरह पर आयोजित कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू एवं अन्य

अधीर रंजन चौधरी ने प्रवासी श्रमिकों की घर वापसी के प्रयासों के लिए मोदी की प्रशंसा की

कोलकाता। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने प्रवासी श्रमिकों को उनके घर पहुंचाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ईमानदार प्रयासों की प्रशंसा की है। पश्चिम बंगाल की बरहामपुर लोकसभा सीट का पांचवी बार प्रतिनिधित्व कर रहे सांसद चौधरी ने बीती रात मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहे बेरोजगार प्रवासियों को अगर मुफ्त में टिकट नहीं दिया जा सकता तो टिकट के दाम कम कर दिए जाएं। चौधरी ने पत्र में लिखा, मैं प्रवासी कामगारों, रोगियों और उनके परिवारों, छात्रों, तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को 300 विशेष ट्रेनों के जरिए उनके घर भेजने के आपके ईमानदार प्रयासों की प्रशंसा करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रवासी श्रमिक और अपने घरों से दूर रहने वाले लोग अब एक गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं। वे किराया वहन नहीं कर सकते हैं, जो काफी अधिक है।

कांग्रेस ने मुख्य सचिव के खिलाफ राजस्व हानि के जांच की मांग की

चंडीगढ़ (भाषा)। पंजाब में कांग्रेस के नेताओं ने राजस्व में कथित नुकसान के मामले में मुख्य सचिव करण अवतार सिंह के खिलाफ जांच की मांग की। सिंह से हालांकि वित्तीय आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार वापस ले लिया गया है लेकिन अब नेता उन्हें मुख्य सचिव के पद से हटाने की मांग कर रहे हैं ताकि वह जांच को प्रभावित ना कर पाएं। सत्तारूढ़ पार्टी के तीन विधायकों ने मुख्यमंत्री से उनके खिलाफ जांच का आदेश देने की मांग करते हुए आबकारी राजस्व के कथित नुकसान के लिए राज्य के सबसे वरिष्ठ नौकरशाह को जिम्मेदार ठहराया है।

गिद्दरबाहा के विधायक अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने मुख्यमंत्री से मुख्य सचिव को उनके पद से हटाने की मांग की। वारिंग की जांच की मांग का कारागार मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा और उर्मर के विधायक संगत सिंह गिलजियां ने समर्थन किया। वारिंग और गिलजियां मुख्यमंत्री के सलाहकार भी हैं। करण अवतार सिंह को मंगलवार रात वित्तीय आयुक्त के पद से हटा दिया गया था। दो मंत्रियों के उनके बैठक में शामिल होने पर बैठक का हिस्सा ना बनने की घोषणा के बाद यह निर्णय लिया गया था। वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल और तकनीकी शिक्षा मंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने भी पिछले हफ्ते एक बैठक में नौकरशाह के अस्वीकार्य व्यवहार पर आपत्ति जताई थी।

वारिंग ने बुधवार को ट्वीट में मुख्यमंत्री से 600 करोड़ रुपए से अधिक के राजस्व के नुकसान के संबंध में मुख्य सचिव के खिलाफ जांच की मांग की। उन्होंने कहा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया उन्हें मुख्य सचिव के पद से हटा दें ताकि वह जांच को प्रभावित ना कर पाएं। कारागार मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने जांच की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करेगा कि पिछले तीन वर्षों में आबकारी विभाग में राजस्व हानि के लिए कोई जिम्मेदार रहा है।

लॉकडाउन का उल्लंघन कर पैदल मार्च निकालने पर कांग्रेस के दो विधायक गिरफ्तार

उज्जैन (मप्र)। पुलिस ने यहां स्थित महाकाल मंदिर के बाहर बुधवार को, लॉकडाउन का उल्लंघन करने के आरोप में कांग्रेस के दो विधायकों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों विधायक, अपने घर वापस लौटने के लिए सड़कों पर पैदल निकले प्रवासी श्रमिकों की हालत की ओर प्रदेश की भाजपा सरकार का ध्यान आकृष्ट करने तथा उन्हें राहत देने की मांग को लेकर उज्जैन से भोपाल तक पदयात्रा निकालना चाहते थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रुपेश कुमार द्विवेदी ने बताया, लॉकडाउन के तहत सभी तरह की गतिविधियों को निषिद्ध किया गया है। तराना विधानसभा सीट के विधायक महेश परमार (कांग्रेस) और आलोट विधानसभा सीट के विधायक मनोज चावला (कांग्रेस) ने लोगों को इकट्ठा करके कानून का उल्लंघन किया है इसलिए दोनों विधायकों को भादवि की धारा 151 के तहत गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, पत्रकारों से महेश परमार ने कहा कि हजारों प्रवासी मजदूर घर वापस जाने के लिए सड़कों पर पैदल चलने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि इन श्रमिकों की समस्याओं के प्रति प्रदेश सरकार का ध्यान आकृष्ट करने के लिए वह महाकाल मंदिर, उज्जैन से भोपाल तक शांतिपूर्वक मार्च निकाल रहे थे। एएसपी ने बताया कि दोनों विधायकों और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार कर भैरवगढ़ जेल भेज दिया गया है।

पश्चिम बंगाल कभी श्रम कानून नहीं बदलेगा : ममता बनर्जी

कोलकाता (भाषा)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन के मद्देनजर मौजूदा श्रम कानूनों को कभी नहीं बदलेगी। उन्होंने भाजपा शासित कुछ राज्यों पर इस तरह के नियमों में बदलाव करके कामगारों की रोजगार सुरक्षा समाप्त करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने कहा कि निकट भविष्य में कोविड-19 से कोई त्वरित राहत नहीं मिलने वाली और राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए ग्रामीण बंगाल का बुनियादी ढांचा मजबूत करना जरूरी है।

उन्होंने कहा, हमें ऐसी खबरें मिली हैं कि कुछ भाजपा शासित राज्यों ने या तो श्रम कानूनों को निलंबित कर दिया है या उनमें बदलाव किया है। उन राज्यों में कर्मचारियों और श्रमिकों को अधिक काम करना होगा लेकिन पगार कम मिलेगी, उनकी रोजगार सुरक्षा नहीं रहेगी। बनर्जी ने कोविड-19 के हालात पर वीडियो-कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, हम इसका समर्थन नहीं करते और इस तरह का कदम कभी नहीं उठाएंगे। हम मौजूदा श्रम कानूनों का पालन करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि राज्य में लौटने वाले प्रवासी मजदूरों को यहां रोजगार मिल सके। सरकार उन्हें 100 दिन की रोजगार योजना (मनरेगा) के तहत रोजगार दे सकती है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों ने कोरोना वायरस प्रकोप के कारण प्रभावित हुए कारोबारों में फिर से जान डालने के मकसद से कुछ श्रम कानूनों को निलंबित करने की घोषणा की है।

गुजरात के मंत्री चूड़ास्मा ने अपना निर्वाचन रद्द किए जाने के फैसले को न्यायालय में दी चुनौती

नई दिल्ली। गुजरात के कानून मंत्री भूपेन्द्र सिंह चूड़ास्मा ने 2017 का निर्वाचन कदाचार और हेराफेरी के आधार पर रद्द करने के उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ बुधवार को उच्चतम न्यायालय मे अपील दायर की। चूड़ास्मा ने अपनी अपील में उच्च न्यायालय का मंगलवार का आदेश निरस्त करने का अनुरोध करते हुए दलील दी है कि यह त्रुटिपूर्ण है। उच्च न्यायालय इस तथ्य को समझने में विफल रहा कि इस चुनाव में पराजित कांग्रेस के प्रत्याशी अश्विन राठौड़ ने किसी भी मुद्दे पर कोई ठोस और भरोसेमंद साक्ष्य पेश नही किया। भाजपा के इस नेता ने अपनी अपील मे कहा है कि इसलिए गुजरात विधानसभा के लिए 14 दिसंबर, 2017 को हुए चुनाव में ढोलकिया सीट से वह विधिवत निर्वाचित घोषित किए जाने के हकदार नही थे। उच्च न्यायालय ने मंगलवार को अपने फैसले मे कहा कि निर्वाचन अधिकारी और भाजपा नेता की मिली भगत थी और डाक से आए मतपत्रो को गैरकानूनी तरीके से अस्वीकार किया गया था। राठौर ने विधानसभा की ढोलकिया सीट से चूड़ास्मा के निर्वाचन को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय मे याचिका दायर की थी। इस चुनाव में राठौर ने महज 327 मतो से चूड़ास्मा को विजई घोषित करने के निर्णय को चुनौती दी थी।

कोरोना जांच से जुड़े दिशानिर्देशों को कमजोर कर रही सरकार

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सरकार पर कोरोना वायरस जांच से जुड़े दिशानिर्देशो को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि बिना अंतिम जांच के ही मरीज को छुट्टी देने की व्यवस्था देश के लिए भयावह साबित होगी। पार्टी प्रवक्ता सुष्मिता देव ने कहा कि मरीज को छुट्टी देने की नई व्यवस्था बदली जाए और अगर ऐसा नही होता तो कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले में भारत की स्थिति भी अमेरिका और यूरोप की तरह हो सकती है। स्वास्थ्य मंत्रालय के संशोधित दिशानिर्देशो के मुताबिक, कोरोना वायरस के हल्के लक्षणों वाले मरीज मे अगर 10 दिनों बाद कोई लक्षण नजर नही आता है, तो उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। इसमे यह भी कहा गया है कि अस्पताल से छुट्टी देने से पहले परीक्षण की कोई आवश्यकता नही होगी। सुष्मिता ने आरोप लगाया कि सरकार कोरोना वायरस संकट से निपटने मे नाकाम रही है और अब अपनी नाकामियां छिपाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, बिना जांच के ही मरीज को छुट्टी देने का निर्णय गलत है। इससे वायरस फैलेगा। इस निर्णय को वापस लिया जाए। अगर ऐसा नही होता है तो हमारी हालत भी अमेरिका, ब्रिटेन, स्पेन और इटली जैसी ही होगी। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि कोविड-19 की जांच के, एलीशा किट्स के निर्माण के लिए लाइसेंस देने मे कुछ कंपनियो को फायदा पहुंचाने की कोशिश हो रही है।

संजय राउत ने मुंबई के लिए विशेष पैकेज की मांग की

मुंबई। शिवसेना के नेता संजय राउत ने कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित मुंबई के लिए विशेष पैकेज दिए जाने की बुधवार को मांग की। प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर भारत को आत्म-निर्भर बनाने में मदद के लिए मंगलवार को कुल 20 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी। राउत ने इस घोषणा का स्वागत करते हुए मांग की कि मुंबई को इसका अधिकतम लाभ दिया जाए। कामगार शहर छोड़कर जा रहे है, क्योंकि उनके पास यहां काम नही बचा है। देश की वित्तीय राजधानी के तौर पर मुंबई की महत्ता बनी रहनी चाहिए। केंद्र को मुंबई तथा नौकरियां पैदा करने वाले अन्य शहरो के लिए विशेष पैकेज की घोषणा करनी चाहिए। शिवसेना ने, मोदी की 20 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज संबंधी घोषणा का स्वागत किया है। राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा, यह आलोचना करने का समय नही है। इस समय पूरा देश प्रधानमंत्री के साथ है। हालांकि उन्होने कहा, घोषित किए गए पूरे पैकेज मे से मुंबई को सर्वाधिक लाभ मिलना चाहिए।

सीआरपीएफ ने जांच चौकी पार करते शख्स पर गोली चलाई

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के बडगाम जिले मे बुधवार को सीआरपीएफ जवानो ने एक व्यक्ति को उस समय गोली मार दी जब उसने अपने वाहन से एक सुरक्षा जांच चौकी को पार करने की कोशिश की। घटना मे गोली लगने से व्यक्ति की मौत हो गई। सुबह करीब 10 बजकर 45 मिनट पर सीआरपीएफ की एक नाका पार्टी ने बडगाम जिले के मागम पुलिस थाने के तहत आने वाले क्वूसा मे एक वाहन को रुकने का इशारा किया लेकिन वाहन के चालक ने घटनास्थल से भागने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ जवानो ने गोलियां चलाई जिसमे वाहन का चालक घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि चालक की पहचान मखाना बीरवाह निवासी मेहराजुद्दीन के रूप मे की गई है। उसे शहर के एसएमएचएस अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई।

कछुए अंडे से बाहर आए, मुख्यमंत्री ने वीडियो किया पोस्ट

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार को अंडे से बाहर निकले और समुद्र की ओर जाते ओलिव रिड्ले प्रजाति के छोटे-छोटे कछुओ का एक वीडियो ट्विटर पर पोस्ट किया है। राज्य वन विभाग ने उत्तर गोवा जिले के मोर्जिम और मांद्रेम तथा दक्षिण गोवा जिले के अगोंडा और गलजीबाग मे कुछ क्षेत्रो को कछुओ के प्रजनन के लिए सुरक्षित क्षेत्र बनाया है ताकि इन स्थानो पर मानवीय हस्तक्षेप कम हो और समुद्री जीव को बचाया जा सके।

गया में थाईलैण्ड से आये बौद्ध भिक्षुओं के कागजातों की जांच करते सुरक्षाकर्मी

अस्पताल के कागजों में लापता कैंसर मरीज मुर्दाघर में मिला

अहमदाबाद। अहमदाबाद में एक कैंसर मरीज के परिजनों ने सिविल अस्पताल प्रशासन पर आरोप लगाया कि उन्हें पांच मई को भर्ती होने के बाद मरीज की स्थिति और उसकी पांच दिन पहले हुई उसकी मौत के बारे में सूचित नहीं किया गया। परिजनों ने कहा कि उन्हें मरीज के बारे में तब पता चला जब उसका शव अस्पताल के मुर्दाघर में रखा मिला। 54 वर्षीय मृतक पोरबंदर का रहने वाला था।

मृतक के बेटे ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने उसे चार मई को अपने पिता का कोरोना वायरस की जांच के लिए अस्पताल से जुड़े कोविड-19 केंद्र से संपर्क करने के लिए कहा। बेटे ने दावा किया कि पिता के बलगम का नमूना सिविल अस्पताल के कोविड केन्द्र में लिया गया था और उन्हें चार मई को अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। उसने कहा अधिकारियों ने मुझे बताया कि वे मुझे मेरे पिता की जांच रिपोर्ट के बारे में सूचित करेंगे। लेकिन आठ दिनों तक मेरे फोन नंबर पर कोई कॉल नहीं आया।

वह रोजाना अस्पताल जाते थे और हेल्प डेस्क पर अपना फोन नंबर छोड़कर आए थे लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मरीजों के रजिस्टर में उनके पिता का कोई रिकॉर्ड नहीं था। तब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया से मदद के लिए संपर्क किया क्योंकि मृतक एक पार्टी कार्यकर्ता था। मोढवाडिया ने कहा, मुझे बताया गया था कि कैंसर के मरीज को कोविड केन्द्र के वार्ड नंबर तीन में भर्ती कराया गया था और ओपीडी रिकॉर्ड के अनुसार आईसीयू में नहीं था। हालांकि उस वार्ड में मरीज नहीं मिला। मृतक के बेटे ने बताया कि अधिकारियों ने आखिरकार मरीज अस्पताल के मुर्दाघर में मृत मिला। उन्होंने कहा, उन्होंने मुझे बताया कि मेरे पिता की मृत्यु आठ मई को हुई थी। मुझे आज तक उनकी मृत्यु के बारे में सूचित नहीं किया गया था और ऐसा लगता है कि उन्होंने दबाव बनने पर उन्हें खोजा है।

कभी प्रधानमंत्री मोदी और चिनफिंग की मुलाकात के साक्षी बने मामल्लापुरम में आज छाया सन्नाटा

मामल्लापुरम (तमिलनाडु)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की ऐतिहासिक मुलाकात का साक्षी बने मामल्लापुरम में आज सन्नाटा छाया हुआ है। समुद्र तट और विश्व धरोहर स्मारक स्थल पर्यटकों के बिना वीरान दिख रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच पिछले साल अक्टूबर में यहीं शिखर वार्ता हुई थी और उसके बाद से ही यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बन गया, विशेषकर विदेशी पर्यटकों की तादाद यहां काफी बढ़ गई थी। मामल्लापुरम होटल संघ के अध्यक्ष एन. जनार्दनम ने कहा, शिखर वार्ता के बाद यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या काफी बढ़ गई थी और व्यापार में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। उन्होंने कहा कि व्यापार धीरे-धीरे बढ़ ही रहा था कि कोरोना वायरस से निपटने के लिए देशभर में लॉकडाउन लगा दिया गया। उन्होंने कहा, सरकार अगर इसको दोबारा खोलने की अनुमति दे भी दे तो भी वापस पटरी पर लौटना हमारे लिए काफी मुश्किल होगा क्योंकि हमारे अधिकतर कर्मचारी अपने घर लौट गए हैं और बाकी भी वापस जाना चाहते हैं। वहीं मान्यता प्राप्त पर्यटक गाइक एच. जानकीरमन ने बताया कि रेल और विमान जैसी सार्वजनिक परिवहन सेवाओं के बहाल होने के बाद ही उनके और अन्य व्यापारों के पटरी पर आने की कुछ उम्मीद है। उन्होंने कहा, हम पूरी तरह देशी और विदेशी पर्यटकों पर निर्भर हैं। यहां करीब 100 पर्यटक गाइड हैं, जिनमें से दर्जन मान्यता प्राप्त है।

कोविड-19: नगालैंड दूसरे राज्यों में फंसे हुए लोगों को फिलहाल वापस नहीं आने पर 10,000 रुपए देगा

कोहिमा। नगालैंड में अपर्याप्त पृथक-वास सुविधाओं और एक भी कोविड-19 जांच केंद्र न होने जैसी समस्याओं से जूझ रही राज्य सरकार ने यह फैसला किया है कि अन्य राज्यों में फंसे प्रवासी अगर इस समय वापस नहीं आते हैं, तो उन्हें 10,000 रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। राज्य के मुख्य सचिव तेमजेन तॉय ने कहा कि देशव्यापी बंद के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से फंसे हुए लोगों को वापस लाने वाले राज्यों में कोविड-19 मामलों में वृद्धि देखी गई है। दूसरे राज्यों में फंसे हुए नगालैंड के 18,000 से अधिक लोगों ने अपने घर वापस लौटने के लिए राज्य सरकार के पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराया है। तॉय ने कहा, सरकार ने बाहर रह रहे राज्य के उन नागरिकों को 10,000 रुपए देने का फैसला किया है, जो अभी जहां हैं, वहीं रहने का विकल्प चुनते हैं। मुख्य सचिव ने मंगलवार को कहा था कि राज्य सरकार ने अपर्याप्त पृथक-वास सुविधाओं और अन्य संसाधनों की कमी के कारण प्रवासियों की चरणबद्ध वापसी के लिए विस्तृत योजना बनाई थी, लेकिन केंद्र सरकार ने फंसे हुए लोगों को उनके मूल स्थानों तक पहुंचाने के लिए विशेष ट्रेन सेवाएं शुरू कर दी, जिससे योजना गड़बड़ा गई। उन्होंने कहा कि परिस्थितियों को देखते हुए, राज्य सरकार ने फंसे हुए बुजुर्गों और इलाज के लिए राज्य से बाहर गए रोगियों की वापसी को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को कहा कि नगा अस्पताल प्राधिकरण ने कोहिमा में राज्य की पहली कोविड-19 जांच प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए प्रोटोकॉल पूरा कर लिया गया है और इसके लिए आईसीएमआर की मंजूरी का इंतजार है। नगालैंड में अब तक कोविड-19 का कोई भी मामला सामने नहीं आया है और नमूने जांच के लिए असम और मणिपुर के जांच केंद्रों में भेजे गए हैं।

लॉकडाउन को धीरे-धीरे हटाया जा सकता है: पलानीस्वामी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी ने बुधवार को लॉकडाउन को धीरे-धीरे हटाने का संकेत देते हुए लॉकडाउन के बाद सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए लोगों का सहयोग मांगा। आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने और लॉकडाउन के दौरान किसी को कोई परेशानी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी सरकार के द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों को सूचीबद्ध करते हुए उन्होंने लोगों के सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, लोगों को सरकार के साथ पूरा सहयोग करना चाहिए.. आपके सहयोग से लॉकडाउन को धीरे-धीरे हटाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने यहां सचिवालय में कोविड-19 को नियंत्रित करने संबंधी गतिविधियों का जायजा लेने के लिए अपनी अध्यक्षता में जिलाधिकारियों और अन्य अधिकारियों की समीक्षा बैठक में यह टिप्पणी की। तमिलनाडु देश में कोरोना वायरस से सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से एक है, जहां कोविड-19 के मामले 8,000 से अधिक हो चुके हैं। यह बयान तब आया है, जब कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि लॉकडाउन का चौथा चरण होगा, लेकिन यह पहले के तीन चरणों से बहुत अलग होगा। लॉकडाउन का तीसरा चरण 17 मई को समाप्त होने वाला है। मंगलवार तक, तमिलनाडु में कोरोना वायरस के कुल 8,718 मामले सामने आए हैं और 61 मौतें हुई हैं।

भोपाल में ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के जूतों को सैनिटाइज करता हुआ नगर निगम कर्मचारी

पश्चिम बंगाल, मप्र, गुजरात में ज्यादातर जिले संवदेनशील

भाषा। नई दिल्ली

● कोरोना वायरस को लेकर हुए अध्ययन का दावा

बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात के साथ ही राजस्थान और महाराष्ट्र में ज्यादातर जिले कोविड-19 के लिहाज से अधिक संवेदनशील हैं। एक गैर लाभकारी जन स्वास्थ्य संगठन के अध्ययन में यह बात कही गई है।अधिक असुरक्षित जिले वे हैं जहां कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से फैलने की आशंका है।स्वस्ति संगठन के अध्ययन के अनुसार, वायरस के लिहाज से मध्यम संवदेनशीलता वाले क्षेत्र के तौर पर कर्नाटक के उत्तरी जिलों, पूर्वी महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के पूर्वी जिलों को देखा गया। इस अध्ययन में उन तत्वों पर अधिक गौर किया गया है जो कुछ भौगोलिक क्षेत्रों तथा समुदायों को अन्य के मुकाबले अधिक असुरक्षित बनाते हैं।सर्वेक्षण के अनुसार, केरल, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों के ज्यादातर जिले कम असुरक्षित पाए गए।

स्वस्ति ने एक बयान में कहा, हालांकि भारतीय अन्य बीमारियों और उम्र जैसे खतरे के कई कारणों को पहचानते हैं लेकिन अन्य तत्वों तक उनकी समझ बहुत सीमित है। एक वैश्विक अध्ययन के अनुसार, 15 ऐसी चीजें है जो कोविड-19 की संवेदनशीलता को प्रभावित करती हैं जैसे कि सामाजिक आर्थिक तत्व। सामाजिक आर्थिक तत्वों कम आय या शिक्षा का कम स्तर, जनसांख्यिकी कारण (आबादी और शहरीकरण), स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के तत्व (एनीमिया का स्तर या बार-बार हाथ धोना) और पर्यावरणीय तत्व जैसे कि तापमान और सापेक्ष आर्द्रता आदि शामिल हैं।स्वस्ति के अध्ययन के अनुसार, इन तत्वों के एक साथ होने से कोई भी व्यक्ति संक्रमण के लिहाज से 74 प्रतिशत अधिक संवेदनशील हो सकता है। इस अध्ययन से यह संकेत मिलता है कि बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गुजरात तथा राजस्थान और महाराष्ट्र में ज्यादातर जिले संक्रामक रोग के लिहाज से अधिक संवेदनशील हैं।इसमें कहा गया है कि कई जिले पहले से ही खतरनाक स्थिति में हैं।

स्वस्ति की डॉ. एंजेला चौधरी ने कहा, इस अध्ययन का मकसद महामारी के असर को कम करना है। यह अध्ययन दीपांकर भट्टाचार्य और डॉ. एंजेला चौधरी ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र के डॉक्टोरल रिसर्च फेलो इस्माइल हक और स्वस्ति में लर्निंग कैटेलिस्ट रिया जॉन के सहयोग से किया है।

देशभर में घोषित लाकडाउन के बीच अगरतला में कोरोना वायरस की काल्पनिक आकृति को अंतिम रूप देता कलाकार

क्विक न्यूज

खड़से अगर हमारी विचारधारा को स्वीकार करें तो उनका कांग्रेस में स्वागत है: थोराट

मुंबई। भाजपा के वरिष्ठ नेता एकनाथ खड़से की अपनी पार्टी से बढ़ती तकरार के बीच महाराष्ट्र कांग्रेस ने बुधवार को उन्हें अपने पाले में लाने की खुली पेशकश है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष तथा राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट ने कहा कि अगर खड़से कांग्रेस विचारधारा को स्वीकार करें तो पार्टी में उनका स्वागत है। थोराट ने पत्रकारों से कहा, खड़से मेरे पुराने मित्र हैं। हम 1990 से साथ में विधानसभा सदस्य रहे हैं। वह विपक्ष के एक सक्षम और जनाधार वाले नेता हैं। अगर वह हमारी विचारधारा स्वीकार करें तो हमारी पार्टी में उनका स्वागत है। खड़से ने दावा किया था कि राज्य में शिवसेना के साथ सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने 21 मई को होने वाले विधान परिषद चुनाव में उम्मीदवार बनाने के लिए मुझसे संपर्क किया था। इस मामले पर थोराट ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। खड़से का आरोप है कि महाराष्ट्र भाजपा के नेताओं ने विधान परिषद चुनाव में उनकी उम्मीदवारी में अड़ंगा लगाया है। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष चन्द्रकांत पाटिल ने बुधवार को खड़से पर पलटवार करते हुए कहा कि पार्टी ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। अब उन्हे पार्टी के युवा नेताओं का मार्गदर्शन करना चाहिए।

प्रवासियों का रेलयात्रा खर्च उत्तराखंड सरकार वहन कर रही: मंत्री

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने बुधवार को कहा कि रेलगाडियो से राज्य मे लाए जा रहे प्रवासियो को अपना यात्रा खर्च नही देना है और इसके लिए राज्य सरकार रेलवे को पहले ही एक करोड रूपए जारी कर चुकी है। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और राज्य सरकार के प्रवक्ता मदन कौशिक ने मीडिया को बताया कि रेलगाडियो से उत्तराखंड लाए जा रहे लोगो को अपनी यात्रा के लिए किसी प्रकार का कोई भुगतान नही करना है और रेलवे को इस संबंध में एक करोड रू अग्रिम जारी किए जा चुके है। उन्होंने कहा कि इससे संबंधित सारा खर्चा उत्तराखंड सरकार उठा रही है।कौशिक ने बताया कि अब तक अन्य राज्यों से उत्तराखंड आने के लिए 2,02,006 लोग अपना पंजीकरण करा चुके हैं जबकि 63,000 प्रवासी विभिन्न माध्यमो से राज्य में पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से 6000 वे लोग भी है जो अपने साधनो से वापस लौटे हैं। मंत्री ने बताया कि दूरस्थ राज्य सिक्किम से भी 10 लोगों को वापस लाया गया है। इस बीच, प्रवासियो को लाने तथा उत्तराखंड से बाहर जाने में लोगों की मदद के लिए बनाए गए नोडल केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, कल तक राज्य में आने वाले लोगो मे सर्वाधिक 14,077 प्रवासी हरियाणा, 12,278 उत्तर प्रदेश तथा 10,050 दिल्ली के है। लॉकडाउन के कारण फंसे प्रवासियो को सूरत से काठगोदाम और हरिद्वार तथा पुणे से हरिद्वार लेकर आई विशेष रेलगाडियो के अलावा लगभग 1200 यात्रियों को लेकर बंगलुरू से आ रही एक अन्य रेलगाडी के बुधवार देर रात्रि तक हरिद्वार आने की संभावना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद से एक रेलगाडी हरिद्वार 14 मई को तथा एक अन्य रेलगाडी जयुपर से हरिद्वार 15 मई को चलेगी। इसके अलावा, गुजरात, तेलंगाना, पुणे, सूरत, दिल्ली, गोवा, तिरुवनंतपुरम, चेन्नई आदि राज्यों में फंसे व्यक्तियों को भी लाने की प्रक्रिया चल रही है।

असम तटबंध निर्माण पूरा करने को उठा रहा है कदम: सर्वानंद

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार जून में बाढ़ का मौसम शुरू होने से पहले तटबंधो के निर्माण का काम इस माह के आखिर तक पूरा कर लेने के लिए कदम उठा रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ब्रह्मपुत्र और बराक एवं उनकी 50 से अधिक सहायक नदियों में हर साल मानसून के दौरान बाढ़ आती है। सोनोवाल ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में तटबंध निर्माण के कार्य का निरीक्षण करने के बाद कहा, इस साल कोविड-19 के चलते निर्माण कार्य समय से शुरू नही हो सका लेकिन हमे यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे है कि ए परियोजनाएं समय से पूरी हो जाएं ताकि लोग और उनके खेतो को बचाया जा सके। एशियाई विकास बैंक से वित्तपोषित इस तटबंध परियोजना में 23.38 किलोमीटर लंबा और साढ़े सात मीटर चौड़ा तटबंध बनाया जाएगा जो केएनपी को बाढ़ और भूमि कटाव से बचाएगा। सोनोवाल ने कहा कि राज्य सरकार ने बाढ़ के दौरान जंगली जानवरों को बचाने को शीर्ष प्राथमिकता दी है। इस बीच मुख्य सचिव कुमार संजय कृष्ण ने विभागों के प्रमुखों के साथ राज्यस्तरीय तैयारी की समीक्षा के लिए बुधवार को एक बैठक की।

समय से पूर्व अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह पहुंचेगा मानसून

भाषा। नई दिल्ली

● मौसम विभाग ने जताया अनुमान, इस साल सामान्य रहेगी वर्षा

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को कहा कि मानसून के, बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती परिसंचरण के कारण सामान्य तिथि से करीब छह दिन पहले 16 मई के आस-पास अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह पहुंचने की संभावना है। मानसून आमतौर पर 20 मई के आस-पास अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह पहुंचता है। पिछले महीने इसके वहां पहुंचने की संभावना संबंधी तिथि संशोधित करके 22 मई बताई गई थी।इसके बाद मानसून को केरल पहुंचने में 10 से 11 दिन लगते हैं और फिर भारत में बारिश की शुरुआत होती है।आईएमडी केरल में मानसून के पहुंचने की संभावित तिथि की जानकारी इस सप्ताह के आखिर में जारी कर सकता है। साथ ही आईएमडी ने कहा कि चक्रवात बनने की दिशा में पहले कदम के तहत निम्न दबाव वाला क्षेत्र दक्षिणपूर्वी बंगाल की खाड़ी और निकटवर्ती दक्षिण अंडमान सागर में बुधवार की सुबह बन गया।दक्षिणी बंगाल की खाड़ी के मध्य हिस्सों में 15 मई को दबाव के और गहरा होने की संभावना है और यह बाद में 16 मई को बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान बनकर आएगा।आईएमडी ने कहा, प्रणाली (चक्रवात) के साथ स्थितियां दक्षिण पश्चिम मानसून को बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह के आस-पास 16 मई तक ले जाने के अनुकूल बनेंगी। चक्रवात चेतावनी प्रभाग ने कहा कि वह चक्रवाती प्रणाली पर लगातार नजर रख रहा है और संबंधित राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों को नियमित जानकारी दे रहा है।आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि चक्रवात मानसून को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। मानसून के इस साल सामान्य रहने की संभावना है। केरल में एक जून को मानसून के पहुंचने की संभावना है, जिसके बाद देश में चार महीने चलने वाले बारिश के मौसम की शुरुआत होगी। आईएमडी के 1960 से 2019 के आंकड़ों के आधार पर देश के कई हिस्सों में मानसून आने और वहां से इसके जाने की तारीखों में संशोधन किया गया है। पहले की तारीखें 1901 से 1940 के आंकड़ों पर आधारित थीं।हालांकि पहले पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम राजीवन ने बताया था कि केरल में मानसून के पहुंचने की तारीख में कोई बदलाव नहीं किया गया है। महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में मानसून के आने की तारीख तीन से सात दिन तक आगे खिसक गई है। दिल्ली में मॉनसून 23 जून के बजाए 27 जून और मुंबई एवं कोलकाता में 10 जून के बजाय 11 जून तक दस्तक देगा। चेन्नई में यह एक जून के बजाए चार जून को पहुंचेगा। हालांकि पश्चिमोत्तर भारत में मानसून 15 जुलाई के बजाए आठ जुलाई को पहुंचेगा।

राजस्थान में इस बार भी देरी से देगा दस्तक

जयपुर। राजस्थान में इस साल मानसून 25 जून को पहुंचने की संभावना है। बीते तीस साल के औसत के हिसाब से इस बार मानसून का आगमन सामान्य से दस दिन की देरी से होगा। यही नहीं राजस्थान से इसकी विदाई भी लगभग 12 दिन आगे टल गई और इस बार यहां सितंबर के आखिर सप्ताह तक बारिश हो सकती है।मौसम विभाग ने बीते तीस साल में राजस्थान में मानसून के रवैए के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है। इस अध्ययन का निष्कर्ष यही है कि राजस्थान में मानसून की दस्तक में बीते तीन दशक में लगातार देरी हुई है। औसतन आधार पर इसका आगमन दस दिन व विदाई लगभग 12 दिन आगे चली गई है। मौसम विभाग का आकलन कहता है कि राजस्थान में मानसून इस बार 25 जून से शुरू होकर 27 सितंबर तक रह सकता है।गौरतलब है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून भारत में सबसे पहले जून के पहले हफ्ते में मालाबार तट पर पहुंचता है। वहां से इसकी अरब सागर वाली शाखा बढ़ती हुई लगभग आखिर में गुजरात से होती हुई राजस्थान पहुंचती है। राजस्थान में इसका आगमन गुजरात से लगते उदयपुर के इलाकों से होता है। अब तक राजस्थान में मानसून की अवधि 15 जून से लेकर 20 सितंबर तक मानी जाती थी।देश के मौसम विभाग ने बीते तीस साल में मानसून चक्र में आए बदलाव का अध्ययन करवाने का फैसला किया था। इस अध्ययन के निष्कर्ष 15 मई को जारी होने की संभावना है।

राजस्थान राज्य में मानसून प्रवेश की सामान्य तिथियों के हिसाब से देखा जाए तो 15 जून को आकर 15 जुलाई तक पूरे राज्य में बारिश हो जाती है। एक सितंबर से यह विदा होना शुरू होता है और 20 सितंबर तक पूरी तरह से विदा हो जाता है। नई अनुमानित तिथियों के अनुसार मानसून 25 जून को आएगा व आठ जुलाई तक पूरे राज्य में बारिश हो जाएगी। यह 17 सितंबर से विदा होना शुरू होगा और 27 सितंबर तक मानसून पूरी तरह राज्य से चला जाएगा।

देशभर में लागू लाकडाउन के बीच जोधपुर से चली स्पेशल ट्रेन से बलिया पहुंचे यात्री।

उत्तराखंड में विद्युत उपभोक्ताओं को विलंब अधिभार भुगतान पर छूट

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने बुधवार को लॉकडाउन अवधि के दौरान उद्योगों, किसानों समेत विभिन्न श्रेणी के विद्युत उपभोक्ताओं को बिल पर विलंब अधिभार भुगतान सहित कई प्रकार की छूट देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और राज्य सरकार के प्रवक्ता मदन कौशिक ने बताया कि राज्य के विद्युत उपभोक्तओं को चार श्रेणियों में छूट दी गई हैं। इससे राज्य सरकार पर कुल 17 करोड 64 लाख रूपए का बोझ पड़ेगा। उन्होंने बताया कि विद्युत बिलों के आनलाइन भुगतान पर उपभोक्ताओं को एक प्रतिशत की छूट दिए जाने के अलावा, निजी नलकूप श्रेणी के तहत किसानों का अप्रैल से जून तक के विद्युत बिलों पर विलंब अधिभार भुगतान माफ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस निर्णय से राज्य के करीब 20,000 किसानों को राहत मिलेगी और राज्य सरकार पर तीन करोड 64 लाख रूपए का भार पड़ेगा। इसके अलावा, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे में विद्युत कनेक्शन पर लगने वाले फिक्सड चार्ज में भी अप्रैल से जून तक तीन माह के लिए छूट दे दी गई है। उन्होंने कहा कि इस श्रेणी के उपभोक्ताओं को इस अवधि का केवल बिल देना होगा और राज्य सरकार पर करीब छह करोड रूपए का भार आएगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार औद्योगिक और वाणिज्यिक श्रेणी के उपभोक्तओं से लिए जाने वाला फिकस्ड चार्ज भी तीन माह के लिए स्थगित कर दिया गया है।

पेज एक का शेष

मिलेगा तीन...

पिटारा खोलतीं वित्त मंत्री ने कहा कि सभी सरकारी एजेंसियां सभी ठेकेदारों - बिल्डरों को निर्माण और वस्तु एवं सेवा अनुबंधों को पूरा करने के लिए छह महीने की समय सीमा बढ़ाएंगी। वित्त मंत्री ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी), आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) और सूक्ष्म राशि के ऋण देने वाले संस्थानों (एमएफआई) के लिए मुश्किल भरे इस दौर में 30,000 करोड़ रुपए की विशेष नकदी योजना की भी घोषणा की। साथ ही निम्न साख रखने वाले एनबीएफसी, आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) और सूक्ष्म वित्त संस्थानों (एमएफआई) के लिए 45,000 करोड़ रुपए की आंशिक ऋण गारंटी (पार्शियल क्रेडिट गारंटी) योजना 2.0 का भी ऐलान किया। इस पहल का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि ये कंपनियां व्यक्तियों तथा एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) इकाइयों को अधिक कर्ज देने में सक्षम हो सकें। सीतारमण के मुताबिक, प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन पैकेज से आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी और एक आत्मनिर्भर भारत बनने का रास्ता साफ होगा। इसके जरिए कारोबार सुगमता, अनुपालन को आसान बनाया गया है और सरकार का इरादा स्थानीय तौर पर बनने वाले उत्पादों (लोकल) को बढ़ावा देना भी है।

आयकर रिटर्न...

चाह रखने वाले करदाता अब 31 दिसंबर 2020 तक आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें अलग से किसी तरह का कोई शुल्क नहीं देना होगा। वित्त मंत्री ने एक अन्य घोषणा में कहा कि सभी धर्मार्थ न्यासों, गैर- कारपोरेट कारोबारों, पेशेवरों, एलएलपी फर्मों, भागीदारी फर्मों सहित को उनका लंबित रिफंड जल्द लौटाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे पहले सरकार पांच लाख रुपए तक के 18,000 करोड़ रुपए तक रिफंड करदाताओ को कर चुकी है। यह रिफंड 14 लाख करदाताओं को किया गया।

रीयल एस्टेट...

को मिलेगी जिनकी समयसीमा 25 मार्च या उसके बाद समाप्त हो रही है। कोरोना वायरस की वजह से लॉकडाउन 25 मार्च से ही शुरू हुआ है रीयल एस्टेट क्षेत्र मांग कर रहा था कि परियोजनाओं को पूरा करन की समयसीमा को कम से कम छह महीने के लिए बढ़ाया जाए। उद्योग का कहना था राष्ट्रव्यापी स्तर पर लागू प्रतिबंधों की वजह से निर्माण कार्य पूरी तरह ठप है। इस फैसले की घोषणा करते हुए सीतारमण ने कहा कि आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय इस बारे में राज्यों और उनके नियामकीय प्राधिकरणों को कोविड-19 को रेरा के तहत अप्रत्याशित घटना मानने के लिए परामर्श जारी करेगा। उन्होंने कहा कि नियामक 25 मार्च या उसके बाद पूरी होने वाली सभी पंजीकृत परियोजनाओं के लिए स्वत: समयसीमा छह माह तक बढ़ा सकेंगे। जरूरत होने पर इन परियोजनाओं को पूरा करने की समयसीमा तीन महीने और बढ़ाई जा सकेगी।

सीएपीएफ कैंटीन...

वस्तुओं का उपयोग करेंगे।' सीएपीएफ में सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, एनएसजी और असम रायफल्स आते हैं और इनकी कैंटीनों में सालाना 2,800 करोड़ रुपए मूल्य के उत्पादों की बिक्री होती है। उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनाने और भारत में बने उत्पाद उपयोग करने की प्रधानमंत्री की मंगलवार को जनता से की गई अपील का जिक्र करते हुए कहा कि इससे यकीनन आने वाले वक्त में भारत के विश्व में अग्रणी होने का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहाकि हर भारतीय अगर भारत में बने उत्पादों (स्वदेशी) का उपयोग करने का संकल्प ले तो पांच वर्षों में देश आत्मनिर्भर बन सकता है।

जनता की...

को भी चलाने पर जोर दिया गया है ताकि कोरोना के साथ धीरे-धीरे सामान्य जनजीवन पटरी पर लौट सके। इस बीच, डीएमआरसी के कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने पायनियर को बताया कि दिल्ली मेट्रो कोरोना महामारी के मद्देनजर व्यापक स्तर पर सफाई और रखरखाव की प्रक्रिया पर काम कर रही है। 264 मेट्रो स्टेशनों 2200 कोच, 1100 एस्केलेटर्स और 1000 लिफ्ट आदि की सफाई और रखरखाव से जुड़ी इस कवायद का दायरा बेहद लंबा चौड़ा हो गया है। इसके अलावा मेट्रो ट्रेनों और परिसरों में सोशल डिस्टेंसिग के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के भी प्रयास हो रहे हैं। दयाल ने कहा कि किस तारीख से मेट्रो चलेगी अभी यह तय नहीं किया गया है लेकिन, उस दिन के आने से पहले यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सिगनलिंग, एलेक्ट्रिकल, रॉलिंग स्टॉक, ट्रैक संबंधी सभी व्यवस्थाओं का परीक्षण कर लिया जाएगा। रेलवे स्टेशनों से डीटीसी बस सेवा कल परसों में शुरू होने का दावा करते सूत्रों ने बताया कि लोगों के लिए यह सफर पहले जैसा आसान नहीं होगा। उन्हें कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए बनाए गए सभी नियमों का पूरी कड़ाई से पालन करना पड़ेगा। सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए अनिवार्य रूप से फेस मास्क भी लगाना होगा। एक बस में 20 यात्री ही बैठ सकेंगे और बीच की सीट खाली रखनी होगी। टिकट के लिए डिजिटल पेमेंट करना होगा और हर सफर के बाद बसों को सैनिटाइज किया जाएगा। प्रशिक्षित होंगे चालक, परिचालक व मार्शल। सोमवार को यात्रियों को लेकर पहली ट्रेन दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंची लेकिन यहां सार्वजनिक परिवहन साधनों पर रोक के चलते लोगों के लिए घर तक पहुंचना कठिन हो गया। वाहन के इंतजार में घंटों स्टेशन पर बैठना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, रेल यात्रियों की इसी परेशानी को खत्म करने के लिए बसें चलाने के दिल्ली सरकार के प्रस्ताव को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हरी झंडी दिखा दी है। संबद्ध रेलवे स्टेशन जिस इलाके में होगा वहां डीएम व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को इस व्यवस्था की जिम्मेदारी दी जा सकती है। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने गुरूवार को अधिकारियों के साथ इस पर गहन मंत्रणा भी की, मुमकिन है कि शुक्रवार को इस आशय की घोषणा कर दी जाए।

आगरा सेंट्रल...

आगरा भेजा गया था जहां पर 4 मई को बंदी का कोरोना टेस्ट सैंपल लिया गया। जिसकी रिपोर्ट दिनांक 6 मई को पॉजिटिव पायी गयी। बंदी वीरेन्द्र कुमार की 9 मई को एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा में मृत्यु हो गयी। बंदी के सम्पर्क में रहने वाले 14 बंदियों एवं 13 सुरक्षा व जेल कार्मिकों की पहचान कर उनको 7 मई को क्वारंटाइन किया गया। 14 बंदियों एवं 10 सुरक्षा जेल कार्मिकों की सैंपलिंग करायी गयी। जिनमें से 10 सुरक्षा व जेल कार्मिकों तथा 2 बंदियों की रिपोर्ट 9 मई को निगेटिव पायी गयी। 10 मई को 3 सुरक्षा व जेल कार्मिकों की सैंपलिंग तथा पूर्व के 12 बंदियों की दोबारा सैंपलिंग करायी गयी। 13 मई को प्रात: दोबारा सैंपलिंग कराए गए 12 बंदियों में से 2 बंदियों की रिपोर्ट निगेटिव एवं 10 बंदियों की रिपोर्ट पॉजिटिव पायी गयी है तथा 3 सुरक्षा व जेल कार्मिकों की रिपोर्ट अभी तक प्राप्त नहीं हुयी है। कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव पाए गए 10 बंदियों को पूर्व से ही क्यारंटाइन किया गया है एवं सर्किल नंबर 3 की बैरक संख्या-3 ए को पूरी तरह से खाली कराकर 100 बंदियों को अलग अहाते में आइसोलेट कर दिया गया है। कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव पाए गए 10 बंदियों को समुचित उपचार उपलब्ध कराने के लिए कारागार से बाहर कोविड19 अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोरोना पॉजिटिव सिद्धदोष बंदी वीरेन्द्र कुमार के सम्पर्क में आने वाले एवं ऐसे 100 बंदी जिनके संक्रमित होने के सम्भावना है, को एक अहाते में आइसोलेट करते हुए उनका कोरोना टेस्ट कराया जा रहा है। इसके अलावा कारागार पर तैनात 14 अधिकारियों व कर्मचारियों के भी कोरोना टेस्ट कराने का अनुरोध मुख्य चिकित्साधिकारी, आगरा, जिलाधिकारी आगरा से किया गया है।

'थक गई...

वायरस से संक्रमित पाए गए हैं, जिन्हें आराम की जरूरत है। मंत्री ने ट्विटर पर वीडियो संदेश में कहा, 'ईद का त्योहार भी करीब है, लिहाजा उचित कानून-व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने की जरूरत है। इसके लिये पुलिस को कुछ समय आराम दिया जाना चाहिये। हमने केन्द्र से केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 20 कंपनियां यानि दो हजार सुरक्षा कर्मी तैनात करने का अनुरोध किया है।' एक आधिकारिक बयान के अनुसार महाराष्ट्र में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 32 कंपनियां पहले ही तैनात की जा चुकी हैं, जो राज्य की पुलिस के साथ तालमेल बनाकर काम कर रही हैं। महाराष्ट्र पुलिस डिपार्टमेंट के 8 लोगों की कोरोना वायरस की वजह से मौत हो चुकी है। इसमें 5 पुलिसकर्मी मुंबई के हैं, जबकि एक-एक पुणे, सोलापुर और नासिक ग्रामीण से हैं। महाराष्ट्र में कुल 1000 से ज्यादा पुलिसकर्मी इस महामारी से संक्रमित हैं। मुंबई पुलिस विभाग के 400 पुलिसकर्मी इस वायरस से संक्रमित हैं।

देश भर...

जांच की हो गई है। अब तक कुल 18,56,477 जांच की गई हैं। मंगलवार सुबह से संक्रमण से कुल 122 मौत हुई हैं। इनमें 53 मरीजों की मौत महाराष्ट्र में, गुजरात में 24, दिल्ली में 13, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में आठ-आठ, राजस्थान और मध्य प्रदेश में चार-चार, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में दो-दो तथा आंध्र प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़ और पुडुचेरी में एक-एक मरीज की मौत हुई है। वहीं, कुल 2,415 मौतों में महाराष्ट्र में सर्वाधिक 921 लोगों की, गुजरात में 537, मध्य प्रदेश में 225, पश्चिम बंगाल में 198, राजस्थान में 117, दिल्ली में 86, उत्तर प्रदेश में 82, तमिलनाडु में 61 और आंध्र प्रदेश में 46 कोविड-19 मरीजों की मौत हुई। पंजाब और तेलंगाना में मरने वाले लोगों की संख्या, प्रत्एक में 32 हो गई है।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 14 मई, 2020

कोर्ट पर वापसी के लिए बेताब हैं सेरेना

लास एंजिलिस। अमेरिका की शीर्ष टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने कहा कि कोरोना वायरस के कारण लंबे विश्राम के बाद वह वास्तविक टेनिस खेलने के लिए तैयार हैं। अब तक 23 बार ग्रैंडस्लैम खिताब जीत चुकी सेरेना ने अपनी बड़ी बहन वीनस के साथ इंस्टाग्राम पर बातचीत के दौरान कहा, मैं वास्तव में कोर्ट पर लौटने के लिए बेताब हूं। यही काम मैं सबसे अच्छी तरह से कर सकती हूं। मुझे खेलना बहुत पसंद है। कोविड-19 महामारी के कारण जुलाई के मध्य तक टेनिस की वापसी संभव नहीं है। फ्रेंच ओपन अक्टूबर तक स्थगित कर दिया गया है जबकि विंबलडन को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार रद्द किया गया है। सेरेना ने लॉकडाउन के कारण मिले लंबे विश्राम के बारे में कहा, मुझे ऐसा लगता है कि मेरे शरीर को इसकी जरूरत थी हालांकि मैं ऐसा नहीं चाहती थी।

चार जून से शुरू होगी फुटबाल लीग

लिस्बन। पुर्तगाल की प्रीमियर लिगा चार जून से अपने सत्र को फिर से शुरू कर सकती है। देश की फुटबाल लीग ने यह घोषणा की। लीग ने बयान में कहा कि हम स्टेडियमों की गहन जांच और सभी खिलाड़ियों का परीक्षण करने की गारंटी देते हैं। लिगा पुर्तगाल के 25वें दौर के मैच चार जून से खेले जाएंगे। पिछले महीने पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा ने घोषणा की थी कि मई के आखिरी सप्ताहांत में देश की शीर्ष लीग को शुरू किया जा सकता है। कोरोना वायरस के कारण यह लीग 12 मार्च से निलंबित थी। पुर्तगाली सरकार ने कहा कि लीग के बाकी बचे दस दौर के मैचों के दौरान कड़े चिकित्सा नियमों का पालन करना होगा।

बाबर आजम पाक के वनडे कप्तान बने

कराची। स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को पाकिस्तान की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान बनाया गया जिससे सीमित ओवरों की टीमों की जिम्मेदारी अब उनके कंधों पर होगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हालांकि घोषणा की कि अजहर अली टेस्ट टीम की अगुआई करते रहेंगे। पहले ही पाकिस्तान की टी-20 टीम की कमान संभाल रहे और पिछले साल सभी प्रारूपों में दुनिया के शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल रहे बाबर ने 2020-2021 सत्र में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय कप्तान के रूप में विकेटकीपर बल्लेबाज सरफराज अहमद की जगह ली है।

मैंने दो साल क्रिकेट के बिना बिताए: आर्चर

नई दिल्ली। विश्व कप विजेता इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने उस समय को बुरा दौर करार दिया जब वह किशोरावस्था में पीठ दर्द के कारण दो साल तक खेल से बाहर रहे और चिकित्सकों को लगा था कि वह शायद कभी क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। आर्चर वेस्टइंडीज अंडर-19 टीम में जगह बनाने के बाद चोटिल हो गए थे। इसके बाद वह 2015 में इंग्लैंड में आकर बस गए थे। इस तेज गेंदबाज ने राजस्थान रायल्स पोडकॉस्ट में कहा कि ईमानदारी से कहूं तो वह बुरा दौर था। मैंने दो साल क्रिकेट के बिना बिताए थे।

आईसीसी का दरवाजा खटखटाएंगे मलिक

कराची। पाकिस्तान के दागी पूर्व कप्तान सलीम मलिक ने अब न्याय पाने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है क्योंकि मैच फिक्सिंग के लिए उन पर लगाए गए आजीवन प्रतिबंध को लाहौर की एक अदालत द्वारा हटाए जाने के बावजूद देश के क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें कोचिंग की अनुमति नहीं दी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मलिक पर मैच फिक्सिंग के लिए 2000 में आजीवन प्रतिबंध लगा दिया था लेकिन लाहौर की एक अदालत ने 2008 में उन पर लगा प्रतिबंध हटा दिया था।

कोरोना ने ली सूमो पहलवान की जान

टोक्यो। जापान के एक 28 वर्षीय सूमो पहलवान की कोरोना वायरस से संक्रमित होने और उसके बाद कई अंगों के काम नहीं करने के कारण बुधवार को मौत हो गई। टोक्यो के तकादागावा टीम से संबंध रखने वाले पहलवान सोबुशी का इस बीमारी से एक महीने तक जूझने के बाद बुधवार की सुबह निधन हो गया। यह कोविड-19 के कारण किसी पहलवान की मौत का पहला मामला है। जापान सूमो संघ ने कहा कि इस पहलवान को चार-पांच अप्रैल को बुखार था लेकिन वह फोन व्यस्त होने के कारण स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों से संपर्क नहीं कर पाया। यही नहीं कई अस्पतालों ने उन्हें भर्ती करने से इन्कार कर दिया था।

बांग्लादेश के क्रिकेट कोच को कोरोना

ढाका। बांग्लादेश के एक कोच और पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर अशिकुर रहमान कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और उनका अभी इलाज चल रहा है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की मीडिया समिति के प्रमुख मोहम्मद जलाल यूनुस ने बताया कि रहमान का अभी मुग्धा अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

भारत में नहीं चलेगा हर प्रारूप के लिए अलग कप्तान: नासिर हुसैन

भारतीय टीम प्रबंधन ने चयन में अच्छा काम नहीं किया

भाषा। नई दिल्ली

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का मानना है कि विराट जैसा रौबदार व्यक्तित्व वाला इंसान कप्तानी साझा करने पर सहज महसूस नहीं करेगा और इसलिए प्रत्येक प्रारूप के लिए अलग अलग कप्तान नियुक्त करने की रणनीति भारत में नहीं चल पाएगी। हुसैन का इसके साथ ही मानना है कि भारतीय टीम प्रबंधन अक्सर चयन को लेकर गड़बड़ी करता है जैसा कि उन्होंने पिछले साल विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ किया। उन्होंने अलग प्रारूप के लिए अलग अलग कोच रखने का विचार भी दिया।

चयन को लेकर हुसैन के विचारों का भारत के पूर्व आलराउंडर युवराज सिंह ने भी समर्थन किया और वह जानना चाहते हैं कि रवि शास्त्री की अगुवाई वाला वर्तमान भारतीय कोचिंग स्टाफ भिन्न मानसिकता वाले खिलाड़ियों से कैसे निबट रहा है। हुसैन से पूछा गया कि क्या भारत में हर प्रारूप के लिए अलग कप्तान रखने की रणनीति कारगर साबित होगी, तो वह इसको लेकर आश्वस्त नहीं लगे। हुसैन ने कहा कि यह आपके चरित्र पर निर्भर करता है। विराट कोहली रौबदार चरित्र का इंसान है और उनके लिए कप्तानी किसी और को सौंपना मुश्किल होगा। वह कुछ भी सौंपना नहीं चाहेगा। दूसरी तरफ इंग्लैंड में हमारे पास इयोन मोर्गन और जो रूट के रूप में दो एक जैसे चरित्र के कप्तान हैं। उन्होंने हालांकि हर प्रारूप के लिए अलग कोच रखने पर सहमति जताई।

हुसैन ने कहा कि कोचों के पास करने के लिए बहुत कुछ होता है, फिर चाहे प्रारूप के हिसाब से अलग कोच क्यों न हो उनके पास काफी काम होता है। मैं बस केवल आपको एक नया विचार दे रहा हूं जैसे कि ट्रेवर बेलिस एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि उसने सीमित ओवरों की क्रिकेट में इंग्लैंड के लिए अच्छा काम किया लेकिन हम टेस्ट मैचों में वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। इसलिए दो अलग अलग कोच रखना सही होगा। हुसैन ने कहा कि चयन में भारतीय टीम प्रबंधन ने अच्छा काम नहीं किया। इतने बेहतरीन बल्लेबाज होने के बावजूद वे नंबर चार के लिए अच्छा बल्लेबाज नहीं ढूंढ पाए।

सीमित ओवरों की क्रिकेट में भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक युवराज इस बात से हैरान हैं कि विक्रम राठौड़ कैसे टी-20 क्रिकेट में भारत के कोच हो सकते हैं। युवराज ने कहा कि आपके पास विक्रम राठौड़ जैसे कोच है। वह मेरे सीनियर थे। जब मैं राज्य की तरफ से खेलता था वह मेंटोर का काम करते थे लेकिन पूरे सम्मान के साथ मैं यह कहना चाहूंगा जिस व्यक्ति ने लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेली हो तब टी-20 और 50 ओवरों की क्रिकेट में दिलचस्पी रखने वाली युवा पीढ़ी को आप क्या बताओगे। विक्रम राठौड़ उन्हें तकनीक के बारे में बता सकता, लेकिन कोई ऐसा नहीं है जो उनके मानसिक पक्ष पर काम कर सके।

भारत- बांग्लादेश दौरों पर फैसला इस सप्ताह के आखिर में

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के आगामी दौरे पर वह इस सप्ताह के आखिर में फैसला लेगा। श्रीलंका क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी एशले डिसिल्वा ने कहा कि दोनों क्रिकेट बोर्ड ने 15 मई तक का समय मांगा था जो हमने दिया। हम मिलकर इस सप्ताह के आखिर में फैसला लेंगे। भारतीय टीम को जून जुलाई में तीन वनडे और तीन टी-20 खेलने श्रीलंका जाना है जबकि बांग्लादेश को जुलाई अगस्त में तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है। अगर दौरे नहीं हो पाते हैं तो कोरोना वायरस महामारी के कारण रद्द होने वाली श्रीलंका की यह लगातार तीसरी घरेलू श्रृंखला होगी।

गेंद को चमकाने के लिए पॉलिश के उपयोग पर होल्डिंग को संदेह

भाषा। मुंबई

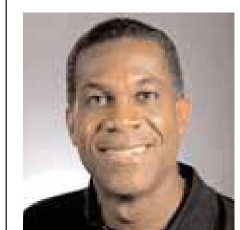

वेस्टइंडीज के अपने जमाने के दिग्गज तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग ने कोविड-19 महामारी से उबरने के बाद क्रिकेट गेंद को चमकाने के लिए कृत्रिम पदार्थ का उपयोग करने पर संदेह व्यक्त करते हुए कहा कि वह नहीं जानते कि यह कैसे काम करेगा। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बहाली पर गेंद को चमकाने के लिए लार का उपयोग करना बंद किया जा सकता है ताकि संक्रमण के जोखिम को कम किया जा सके। होल्डिंग ने कहा कि गेंद को चमकाने के लिए लार या पसीने का उपयोग करना गेंदबाजों की स्वाभाविक प्रवृति है। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा यह गेंदबाजों के लिए मुश्किल होगा। किसी भी गेंदबाज की यह स्वाभाविक प्रवृति होती है कि एक बार गेंद हाथ में आने पर वह उस पर लार या पसीना लगाता है। यह नैसर्गिक है। आस्ट्रेलियाई गेंद निर्माता कंपनी कूकाबुरा गेंद को चमकाने के लिए कृत्रिम पदार्थ तैयार करने में लगा है, लेकिन होल्डिंग ने कहा कि यह गेंदबाजों के लिए दु:स्वप्न बन सकता है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर एक समय के बाद आप सीख जाओगे और इससे सामंजस्य बिठाओगे। मैंने सुना है कि किसी तरह की पॉलिश का उत्पादन किया जा रहा है जो अंपायरों के पास रहेगी और आपको अंपायर के सामने गेंद चमकानी होगी। ईमानदारी से कहूं तो मैं नहीं जानता कि यह कैसे काम करेगा। होल्डिंग ने कहा कि यह किस तरह की पॉलिश होगी। यह ऐसी पॉलिश होगी जो उंगलियों पर चिपक जाए। क्या इसमें फिसलन होगी। अगर इसमें फिसलन होती है तो आप नहीं चाहोगे कि आपकी उंगलियों में फिसलन हो क्योंकि इससे गेंद पर ग्रिप बनाने में मुश्किल होगी। मैं इन सब चीजों के बारे में जानने का इंतजार कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह अलग तरह की दुनिया होगी और जहां तक मुझे लगता है कि इनके साथ आगे बढ़ना वास्तव में दु:स्वप्न होगा।

रामनरेश सरवन के खिलाफ बयानबाजी के लिए गेल को मिल सकती है सजा

भाषा। किंगस्टन

क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के प्रमुख रिकी स्किरिट ने कहा कि क्रिस गेल को रामनरेश सरवन के खिलाफ हाल में कड़ी बयानबाजी करने के लिए सजा भुगतनी पड़ सकती है लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे इस करिश्माई बल्लेबाज के शानदार करियर का अंत नहीं होगा। 40 वर्षीय गेल को कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) की फ्रेंचाइजी सेंट लूसिया जोक्स ने 2020 सत्र के लिए अनुबंधित किया है। उन्होंने अपने पूर्व साथी सरवन को कोरोना वायरस से भी बुरा करार दिया। उन्होंने सरवन पर आरोप लगाया कि उन्होंने उन्हें सीपीएल की टीम जमैका तल्लावाह से बाहर करने की साजिश रची। स्किरिट ने कहा कि हालांकि यह आपसी मतभेद है लेकिन उन्हें नहीं लगता कि यह विवाद जल्दी समाप्त होगा। उन्होंने जमैका ग्लीनर से कहा, मुझे विश्वास है कि इस समय क्रिस और सीपीएल के बीच किसी तरह की चर्चा चल रही है क्योंकि सीपीएल के कुछ नियम हैं जो यहां लागू होंगे क्योंकि क्रिस एक फ्रेंचाइजी टीम से अनुबंधित हैं। स्किरिट ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि यह गेल के करियर के लिहाज से वैश्विक मुद्दा नहीं बनेगा, क्योंकि उनका करियर शानदार रहा है और मैं नहीं चाहता कि उसका अंत इस घटना के साथ हो। इस सलामी बल्लेबाज ने दावा किया था कि जमैका की टीम से उन्हें बाहर करने के पीछे सरवन का हाथ था क्योंकि मध्यक्रम का यह पूर्व बल्लेबाज फ्रेंचाइजी को अपने नियंत्रण में लेना चाहता है।

गेल ने कहा कि सरवन तुम अभी कोरोना वायरस से भी बुरे हो। तल्लावाह के साथ जो कुछ हुआ उसमें तुमने अहम भूमिका निभाई क्योंकि तुम्हारे और मालिक के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं।

बलबीर सिंह सीनियर की हालत अब भी नाजुक

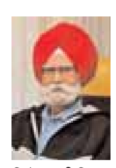

चंडीगढ़। महान हॉकी खिलाड़ी और तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बलबीर सिंह सीनियर की कई बार दिल का दौरा पड़ने और निमोनिया के कारण बुधवार को भी हालत गंभीर बनी हुई है। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार उन्हें गत मंगलवार को सुबह का दिल का दौरा पड़ा था लेकिन रात में देर रात कई बार दिल के दौरे पड़े। सूत्रों ने कहा कि मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में डाक्टर अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं। बलबीर सीनियर को शुक्रवार शाम को तेज बुखार के बाद मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती किया गया था और वह अब भी वेंटिलेटर पर हैं। इस 96 वर्षीय दिग्गज के नाती कबीर ने मंगलवार की शाम अपडेट देते हुए बताया था कि उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। कबीर ने कहा था कि नाना जी को आज सुबह नौ बजे दिल का दौरा पड़ा। उन्हें अभी मेडिकल आईसीयू में रखा गया है। कई अंगों के प्रभावित होने के कारण शुक्रवार आठ मई को उन्हें काफी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी हालत में थोड़ा सुधार हुआ था लेकिन अब उनकी हालत नाजुक है।

अर्जुन पुरस्कार लिए बुमराह व धवन हो सकते हैं दावेदार

भाषा। नई दिल्ली

भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस साल प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा नामांकित किए जाने की उम्मीद है जो 2019 में वरिष्ठता के आधार पर रविंद्र जडेजा से पिछड़ गए थे। बीसीसीआई के अधिकारियों के इस महीने के अंत में पुरूष और महिला वर्गों के लिए नामांकन किए जाने की उम्मीद है लेकिन गुजरात का यह तेज गेंदबाज पिछले चार वर्षों में अपने शानदार प्रदर्शन के बूते सबसे काबिल उम्मीदवार है। अगर बीसीसीआई पुरूष वर्ग में कई नाम भेजता है तो सीनियर सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को भी तरजीह दी जा सकती है क्योंकि वह 2018 में इससे चूक गए थे जबकि बोर्ड ने उनका नामांकन भेजा था। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि पिछले साल, हमने पुरुष वर्ग में तीन नाम बुमराह, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी भेजे थे। बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल दो वर्ष ही पूरे किए थे जबकि चयन मानदंड के अनुसार खिलाड़ी ने शीर्ष स्तर पर कम से कम तीन वर्ष तक प्रदर्शन किया हो इसलिए वह इसे हासिल नहीं कर पाए थे। सूत्र ने कहा कि इसलिए बुमराह (जिन्होंने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीन साल पूरे किए) को नहीं बल्कि जडेजा को इसके लिए चुना गया जो उनसे सीनियर हैं और साथ ही कई वर्षों से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। 26 साल के इस खिलाड़ी ने 14 टेस्ट में 68 विकेट, 64 वनडे में 104 विकेट और 50 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 59 विकेट हासिल किए हैं जिससे उन्होंने भारतीय टीम में शानदार प्रदर्शन किया है। सूत्र ने कहा कि वह निश्चित रूप से बेहतरीन उम्मीदवार हैं। वह आईसीसी के नंबर एक रैंकिंग के गेंदबाज थे। वह एकमात्र एशियाई गेंदबाज हैं जिसने दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज में पांच-पांच विकेट झटके हैं। ऐसी संभावना कम ही है कि बीसीसीआई इस बार मोहम्मद शमी का नाम भेजेगा क्योंकि उनकी पत्नी ने कथित घरेलू हिंसा में उनके खिलाफ पुलिस मामला दर्ज कराया हुआ है, जिसका मतलब है कि वह योग्य नहीं होंगे। जहां तक धवन की बात है तो सीनियर होना एक कारण है क्योंकि उनके सभी समकक्ष (विराट कोहली, रविचंद्रन अश्विन, रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे, चेतेश्वर पुजारा और जडेजा) को यह पुरस्कार मिल चुका है।

न्यूजीलैंड को विश्व कप का संयुक्त विजेता होना चाहिए था: गंभीर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का मानना है कि पिछले साल के विश्व कप में न्यूजीलैंड के प्रदर्शन में सबसे अधिक निरंतरता थी और वे इंग्लैंड के साथ टूर्नामेंट का संयुक्त विजेता बनने के हकदार थे।

लॉर्ड्स में खेले गए एतिहासिक फाइनल में न्यूजीलैंड को बाउंड्री गिनने के नियम के आधार पर मेजबान इंग्लैंड ने हराया था क्योंकि पहले नियमित ओवरों और फिर सुपर ओवर के बाद भी मैच टाई रहा था। क्रिकेटर से राजनेता बने गंभीर ने एक कार्यक्रम क्रिकेट कनेक्टेड पर कहा कि पिछली बार विश्व कप के संयुक्त विजेता होने चाहिए थे। न्यूजीलैंड को विश्व चैंपियन का तमगा मिलना चाहिए था लेकिन यह दुर्भाग्यशाली था।

पूर्व सलामी बल्लेबाज गंभीर का मानना है कि न्यूजीलैंड ने विश्व कप में हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उन्हें वह श्रेय नहीं मिला जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप उनका ओवरआल रिकार्ड देखो तो उनके प्रदर्शन में काफी निरंतरता है। पिछले दो विश्व कप में वे उप विजेता रहे और उनके प्रदर्शन में काफी निरंतरता है।

दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक पैकेज में से है आत्म-निर्भर भारत अभियान

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना वायरस महामारी से बुरी तरह प्रभावित देश की अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए 20 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की है। इसे दुनियाभर के देशों द्वारा इस महामारी से निपटने के लिए घोषित प्रोत्साहनों में सबसे बड़े आर्थिक पैकेज में से एक माना जा रहा है। मोदी का आत्म-निर्भर भारत अभियान या आत्म-निर्भर भारत मिशन 2019-20 में भारत के सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) के 10 प्रतिशत के बराबर है। इस लिहाज से आर्थिक पैकेज के मामले में सिर्फ जापान, अमेरिका, स्वीडन, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी ही भारत से आगे हैं।

हालांकि, दुनियाभर के अन्य देशों द्वारा घोषित राहत पैकेज की तुलना में यह पूरी तरह नया नहीं है। इसमें सरकार द्वारा मार्च में घोषित 1.7 लाख करोड़ रुपये का पैकेज और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तरलता बढ़ाने के लिए उठाए गए विभिन्न कदम और ब्याज दरों में कटौती भी शामिल है। कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए दुनियाभर के देशों में लॉकडाउन है। इससे पैदा हुए आर्थिक संकट को 1930 के दशक की महामंदी के बाद का सबसे बड़ा संकट माना जा रहा है। इसी को देखते हुए दुनियाभर के देश कोरोना वायरस प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा कर रहे हैं। अर्थशास्त्री सेहुन एल्गिन द्वारा कोविड-19 आर्थिक प्रोत्साहन इंडेक्स (सीईएसआई) में जुटाए गए आंकड़ों के अनुसार डॉलर मूल्य में अमेरिका ने सबसे बड़ा यानी 2,700 अरब डॉलर का पैकेज घोषित किया है। हालांकि, जीडीपी के प्रतिशत के हिसाब से जापान से पीछे है। जापान ने अपने जीडीपी के 21.1 प्रतिशत के बराबर पैकेज की घोषणा की है। अमेरिका का पैकेज उसके जीडीपी का 13 प्रतिशत है। उसके बाद स्वीडन ने अपने जीडीपी के 12 प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया ने 10.8 प्रतिशत और जर्मनी ने अपने जीडीपी के 10.7 प्रतिशत यानी 815 अरब डॉलर के पैकेज की घोषणा की है। इटली में कोरोना वायरस ने काफी कहर मचाया है। इटली की सरकार ने करीब 750 अरब यूरो के पैकेज की घोषणा की है। भारत का 20 लाख करोड़ रुपये का पैकेज 265 अरब डॉलर बैठता है। हालांकि, इसमें सारा पैसा सरकार नहीं खर्च करेगी। हालांकि, अमेरिका में घोषित 2,700 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज में पूरी राशि डोनाल्ड ट्रंप सरकार खर्च करेगी। इसमें अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा किए गए उपाय शामिल नहीं हैं।

सेंसेक्स 637 अंक चढ़ा बैंकिंग शेयरों में तेजी

मुंबई। सरकार के 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक सहायता पैकेज का ब्यौरा देने के लिए आयोजित वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के संवाददाता सम्मेलन से पहले बैंकिंग शेयरों में तेजी के चलते प्रमुख शेयर सूचकांक बीएसई सेंसेक्स में बुधवार को 637 अंकों की तेजी आई। कारोबारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था में नई जान डालने के लिए बड़े आर्थिक प्रोत्साहन की घोषणा से घरेलू निवेशकों की बाजार के प्रति धारणा को बल मिला। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स में अधिकतम 1,474.36 अंकों की तेजी देखने को मिली, हालांकि बाद में 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक 637.49 अंकों या 2.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 32,008.61 पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई निफ्टी 187 अंकों या 2.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 9,383.55 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में एक्सिस बैंक सबसे अधिक सात प्रतिशत चढ़ा। इसके अलावा अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, एमएंडएम और बजाज फाइनेंस में भी तेजी रही।

मोदी के आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज में केवल 12 से 13 लाख करोड़ की नई मदद मिलेगी : रपट

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा में से करीब 60 प्रतिशत यानी 12 से 13 लाख करोड़ रुपये ही नई मदद के रूप में हासिल होगा। डीबीएस बैंक की एक रपट के मुताबिक इसमें से एक बड़ी राशि रिजर्व बैंक नकदी सहायता के रूप में पहले ही दे चुका है जो इस पूरे पैकेज का हिस्सा है।

ब्रिक्स बैंक ने कोविड-19 से लड़ने के लिए भारत को एक अरब डॉलर का कर्ज दिया

भाषा। बीजिंग

ब्रिक्स देशों के न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) ने कोरोना वायरस महामारी से लड़ने के लिए भारत को एक अरब डॉलर की आपातकालीन सहायता ऋण राशि दी है, जिसका इस्तेमाल इस महामारी से होने वाले मानवीय, सामाजिक और आर्थिक नुकसान को कम करने के लिए किया जाएगा। शंघाई स्थित एनडीबी की स्थापना ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) ने 2014 में की थी और इस समय इसका नेतृत्व दिग्गज भारतीय बैंकर के वी कामथ कर रहे हैं। एनडीबी के निदेशक मंडल ने 30 अप्रैल को भारत के लिए आपातकालीन सहायता कार्यक्रम ऋण को मंजूरी दी थी और इसका मकसद कोरोना वायरस महामारी के कारण होने वाले मानवीय, सामाजिक और आर्थिक नुकसान को कम करना है।

बैंक के उपाध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी झेन झू ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा, एनडीबी विपत्ति के समय में अपने सदस्य देशों की मदद करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। तत्काल अनुरोध पर तेजी से कार्वाई करते हुए भारत को आपातकालीन सहायता कार्यक्रम ऋण को मंजूरी दी गई।

वंदे भारत मिशन के दूसरे चरण में होगी 30,000 भारतीयों की वापसी: पुरी

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि वंदे भारत मिशन के दूसरे चरण में 31 देशों से 30,000 भारतीयों की स्वदेश वापसी होगी। इसके लिए 16 मई से 22 मई के बीच 149 विमानों का संचालन किया जाएगा। वंदे भारत मिशन के पहले चरण में एअर इंडिया और उसकी अनुषंगी एअर इंडिया एक्सप्रेस सात मई से 14 मई के बीच 64 विमानों का परिचालन किया। इसके तहत 12 देशों से 14,800 भारतीयों को स्वदेश वापस लाया गया है। हालांकि, इसके लिए उनसे किराया वसूला गया है। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए देशभर में 25 मार्च से लॉकडाउन लागू है।

जेट एयरवेज ने विमानन कंपनी के लिए नए सिरे से रुचि पत्र मांगा

मुंबई। जेट एयरवेज के दिवालिया समाधान पेशेवरों ने बंद हो चुकी इस विमानन कंपनी के लिए बुधवार को नए सिरे से रुचि पत्र (ईओआई) मांगा। पिछले साल बंद हो चुकी जेट एयरवेज के लिए चौथी बार ईओआई को आमंत्रित किया गया है। एक सार्वजनिक दस्तावेज के मुताबिक बोली दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि 28 मई है और संभावित समाधान आवेदकों की अंतिम सूची 10 जून को जारी की जाएगी। ताजा ईओआई जारी करने का निर्णय हाल में आयोजित कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) की बैठक में लिया गया। सीओसी ने पिछले सप्ताह विमानन कंपनी के भविष्य पर चर्चा की। यह सीओसी की 11वीं बैठक थी। इस साल मार्च में राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने विमानन कंपनी की कॉरपोरेट दिवालिया समाधान प्रक्रिया को 90 दिन के लिए बढ़ाने की अनुमति दी थी। एयरलाइंस के समाधान पेशेवरों ने कोई बोलीदाता नहीं मिलने पर एनसीएलटी से दिवालिया प्रक्रिया को 90 दिनों के लिए बढ़ाने का अनुरोध किया था। सीओसी ने 18 फरवरी को बोली देने के लिए 10 मार्च की नई समयसीमा तय की।

11 बड़े शहरों में होटल उद्योग बुरी तरह प्रभावित

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के चलते देश के 11 बड़े शहरों में होटल उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसके चलते इस साल जनवरी-मार्च में प्रति कमरा कमाई 29 प्रतिशत तक घट गई। जेएलएल इंडिया के मुताबिक 11 शहरों – अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, गोवा, गुरुग्राम, हैदराबाद, जयपुर, मुंबई, पुणे और कोलकाता में- कमरों के भरे होने का स्तर 5-17 प्रतिशत तक गिर गया, जबकि प्रति कमरा आय में 13-29 प्रतिशत तक कमी आई। प्रॉपर्टी सलाहकार जेएलएल इंडिया ने एक रिपोर्ट में बताया कि वर्ष 2020 की पहली तिमाही में घरेलू होटल और आतिथ्य क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ। आंकड़ों के मुताबिक सभी 11 शहरों में कमरों के भरे होने और कमरों से कमाई, दोनों में कमी हुई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के कई इक्विटी सौदों से कंपनी की रेटिंग सुधरेगी : फिच

भाषा। नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रस्तावित सात अरब डॉलर के राइट्स इश्यू, जियो मंच में आठ अरब डॉलर के इक्विटी सौदों तथा बीपी पीएलसी के साथ संयुक्त उद्यम में एक अरब डॉलर आने से कंपनी की रेटिंग सुधरेगी। फिच रेटिंग्स ने बुधवार को यह बात कही। फिच रेटिंग्स ने बयान में कहा कि राइट्स इश्यू और इक्विटी सौदे पूरे होने के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज की दीर्घावधि की बीबीबी की स्थानीय-मुद्रा जारीकर्ता डिफॉल्ट रेटिंग (आईडीआर) में सुधार होगा। फिच रेटिंग्स ने कहा कि रिलायंस की विदेशी मुद्रा आईडीआर (बीबीबी-स्थिर) रेटिंग देश की ट्रिपल बी- की सीमा की वजह से प्रभावित है। फिच ने कहा कि तेल-से-दूरसंचार क्षेत्र में कार्यरत कंपनी का प्रबंधन मार्च, 2021 तक शुद्ध नकदी की स्थिति को हासिल करने को प्रतिबद्ध है। वह इसे पहले भी हासिल कर सकता है, बशर्ते उसे राइट्स इश्यू और इक्विटी सौदों के लिए नियामकीय और अन्य आवश्यक मंजूरियों 2020 में ही मिल जाएं। कंपनी ने तीन सप्ताह में जियो प्लेटफॉर्म में तीन इक्विटी सौदों की घोषणा की है।

लॉकडाउन: ब्रिटेन का जीडीपी दो प्रतिशत गिरा

लंदन। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था 2020 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर दो प्रतिशत प्रतिशत संकुचित हुई। यह स्पष्ट तौर पर कोरोना वायरस लॉकडाउन (बंद) के अर्थव्यवस्था पर असर को दिखाने वाला आंकड़ा है। वर्ष 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद किसी तिमाही में यह देश की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी गिरावट है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (ओएनएस) ने इस संबंध में आधिकारिक आंकड़े जारी किए। ओएनएस ने कहा कि अर्थव्यवस्था पर कोरोना वायरस का असर साफ दिखता है। मार्च में समाप्त तिमाही में लगभग सभी उप-क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गई।

गोल्ड ईटीएफ ने अप्रैल में 731 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। शेयर बाजार और वैश्विक अर्थव्यवस्था के बुरी तरह प्रभावित होने के कारण निवेशकों ने गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंडों (ईटीएफ) का रुख किया और अप्रैल में इनमें 731 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। निवेश की यह श्रेणी पिछले एक वर्ष में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली परिसंपत्तियों में है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल सुरेश कुमार शर्मा तथा इनकी पत्नी स्वर्णा शर्मा निवासी F-86 WZ-316 गली-3 वीरेन्द्र नगर नई दिल्ली-110058 अपने पुत्र नीरज शर्मा तथा पुत्रवधू गितीका अलमाडी शर्मा से इनके दुर्व्यवहार व नियंत्रण में न होने के कारण सुरेश कुमार शर्मा तथा इनकी पत्नी स्वर्णा शर्मा अपने पुत्र नीरज शर्मा तथा पुत्रवधू गितीका अलमाडी शर्मा से अपने संबंध विच्छेद करते हैं तथा अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं ! भविष्य में नीरज शर्मा तथा गितीका अलमाडी शर्मा से किसी भी प्रकार का लेन देन करते हैं तो मेरे मुवक्किल सुरेश कुमार शर्मा तथा इनकी पत्नी स्वर्णा शर्मा किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं माने जाएंगे!

Tushar Sharma(Advocate)
B1/103,Sant Nagar,Burari,Delhi-84.

न्यूयार्क में आठ वर्षीय जेडेन हार्डओवर के ठीक होकर अस्पताल से निकलने पर पड़ोसियों व आपातकालीन सेवा कर्मियों ने ताली बजाकर किया स्वागत

कोविड-19ः अमेरिकी सीनेटरों के एक समूह का चीन के प्रति कड़ा रुख

चीन पर प्रतिबंध लगाने के लिए संसद में पेश किया विधेयक

भाषा। वाशिंगटन

नौ प्रभावशाली अमेरिकी सीनेटरों के एक समूह ने संसद में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें कहा गया है कि यदि चीन कोरोना वायरस संक्रमण फैलने के पीछे की वजहों की पूरी जानकारी मुहैया नहीं कराता है और इसे काबू करने में सहयोग नहीं देता है, तो अमेरिका के राष्ट्रपति को चीन पर प्रतिबंध लगाने की अनुमति दी जानी चाहिए। कोविड-19 जवाबदेही अधिनियम विधेयक को सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने तैयार किया है और आठ अन्य सांसदों ने इसमें उनका साथ दिया है। इस विधेयक को मंगलवार को सीनेट में पेश किया गया। इस विधेयक में कहा गया है कि राष्ट्रपति 60 दिन के भीतर कांग्रेस में यह प्रमाणित करेंगे कि चीन ने अमेरिका, उसके सहयोगियों या विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसी संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध संस्थाओं के नेतृत्व वाली कोविड-19 संबंधी जांच के लिए पूर्ण जानकारी मुहैया कराई है और उसने मांसाहारी वस्तुओं की बिक्री करने वाले उन सभी बाजारों को बंद कर दिया था, जिनसे जानवरों से मनुष्यों में कोई संक्रमण फैलने का खतरा पैदा होता है। इसमें कहा गया है, यदि राष्ट्रपति इसे प्रमाणित नहीं करते हैं तो उन्हें चीन की सम्पत्तियां सील करने, यात्रा संबंधी प्रतिबंध लगाने, वीजा रद्द करने, अमेरिकी वित्तीय संस्थाओं को चीनी कारोबार को ऋण देने से रोकने और चीनी कंपनियों को अमेरिकी शेयर बाजार में सूचीबद्ध किए जाने पर रोक लगाने जैसे प्रतिबंध लागू करने का अधिकार होगा। ग्राहम ने कहा, मुझे यकीन है कि चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी यदि चीजें नहीं छिपाती, तो वायरस अमेरिका में नहीं पहुंचता। उन्होंने कहा, चीन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को जांच के लिए वुहान प्रयोगशाला में जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। मुझे लगता है कि यदि चीन पर दबाव नहीं बनाया गया, तो वह जांच में कभी सहयोग नहीं करेगा। इसके अलावा सीनेटरों जिम इनहोफे, रोजर विकर, स्टीव डाइन्स, थॉम टिलिस, टॉड यंग, सिंडी हाइडे स्मिथ, माइक ब्रौन और रिक स्काट ने भी इस महामारी के लिए चीन को जवाबदेह ठहराए जाने पर जोर दिया।चीन ने कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी तथ्य छुपाने की बात से इनकार किया है और अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह वुहान प्रयोगशाला से वायरस पैदा होने की बात कहकर लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियांग ने पिछले महीने कहा था, चीन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को कोविड-19 की सबसे पहले जानकारी दी। इसका यह अर्थ नहीं है कि कोरोना वायरस वुहान से पैदा हुआ ... कभी कोई बात छुपाई नहीं गई है और हम कोई बात छुपाने की कभी अनुमति नहीं देंगे। उल्लेखनीय है कि चीन के वुहान से फैले कोरोना वायरस संक्रमण से दुनिया भर में 2,50,000 लोगों की मौत हो चुकी है और 40 लाख से अधिक लोग इससे संक्रमित हैं। इस वायरस से सबसे अधिक प्रभावित अमेरिका हुआ है, जहां इसके कारण 80,000 लोगों की मौत हो चुकी है और 14 लाख लोग इससे संक्रमित हैं।

बीस साल के भीतर चीन से पांच महामारी आईं, कहीं न कहीं तो इसे रोकना होगाः अमेरिकी एनएसए

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओ ब्रायन ने कहा कि बीते बीस साल में चीन से पांच महामारी आई है और इसे किसी ने किसी बिंदु पर तो रोकना ही होगा। उन्होंने दुनियाभर में 2,50,000 लोगों की जान लेने वाली महामारी कोरोना वायरस के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया। ओ ब्रायन ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, दुनियाभर के लोग खड़े होंगे और चीन की सरकार से कहेंगे कि हम चीन से निकल रही इन महामारियों को सहन नहीं करेंगे, फिर चाहे ये पशु बाजारों से निकल रही हो या फिर प्रयोगशालाओं से। उन्होंने कहा, हमें पता है कि यह (कोरोना वायरस महामारी) वुहान से निकली है और परिस्थितिजन्य सबूत बताते हैं कि यह किसी प्रयोगशाला या पशु बाजार से निकली है। एनएसए ने कहा, बीते 20 साल में चीन से पांच महामारी निकली। सार्स, एवियन फ्लू, स्वाइन फ्लू और अब कोविड-19। जन स्वास्थ्य के ऐसे भयावह हालात के साथ दुनिया आखिर कैसे रह सकती है जिसकी शुरुआत चीन से हुई और फिर यह पूरी दुनिया में फैल गया। उन्होंने यह नहीं बताया कि चीन से निकली पांचवी महामारी कौन सी है। ओ ब्रायन ने कहा, इसे कहीं न कहीं तो रोकना होगा। हमने चीन को मदद के लिए स्वास्थ्य पेशेवरों को भेजने का प्रस्ताव दिया था जो उन्होंने अस्वीकार कर दिया।

अमेरिका में पाबंदियां तेजी से हटाई गईं तो अधिक मौतें, आर्थिक नुकसान देखने को मिल सकता है : एंथनी

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार में कोरोना वायरस पर शीर्ष विशेषज्ञ डॉ. एंथनी फॉसी ने मंगवलार को स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर शहर और राज्य घरों में रहने के आदेश तेजी से वापस लेते हैं तो वहां स्थिति बदल सकती है और कोविड-19 से अधिक लोगों की मौत तथा आर्थिक नुकसान देखने को मिल सकता है। फॉसी ने सीनेट की एक समिति और देश को आगाह किया, इसका सही में खतरा है और संक्रामक रोग का ऐसा दौर शुरू होगा कि आप उसे काबू नहीं कर पाएंगे। दरअसल 24 से अधिक राज्यों ने अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के पहले कदम के तौर पर लॉकडाउन को हटाना शुरू कर दिया है। उनका यह बयान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख से बिल्कुल अलग है। वैश्विक महामारी की गंभीरता पर जोर देते हुए फॉसी तथा अन्य विशेषज्ञों ने घर से ही कांग्रेस के समक्ष बयान दिया। फॉसी ने सीनेट की स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम और पेंशन समिति को बताया कि अगर लोगों ने फिर से एकत्रित होना शुरू कर दिया तो संक्रमण के नए मामले आना तथा अधिक लोगों की मौत होना निश्चित है। उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि जब आप इसे फैलने से रोकने की कोशिश करोगे तो भी कुछ मामले दिखाई देंगे। उन्होंने कहा कि बहुत तेजी से आगे बढ़ने पर इसके नतीजे बहुत गंभीर हो सकते हैं। गौतलब है कि लॉकडाउन के कारण अमेरिका में तीन करोड़ से अधिक लोगों के बेरोजगार होने के कारण ट्रंप राज्यों को फिर से खोलने पर जोर दे रहे हैं। हाल ही के एक आकलन के अनुसार पाबंदियों में ढील देने वाले 17 राज्य व्हाइट हाउस के अहम मानदंड पर खरे नहीं उतरते हैं यानी वहां नए मामलों या संक्रमित होने की दर में लगातार 14 दिन तक गिरावट नहीं देखी गई।

वंदे भारत अभियानः अमेरिका में फंसे 240 से ज्यादा भारतीय नागरिक स्वदेश रवाना

भाषा। वाशिंगटन

कोरोना वायरस महामारी के बीच अमेरिका में फंसे भारत के 240 लोगों को लेकर एयर इंडिया का एक विमान डलास अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से स्वदेश रवाना हुआ।

इन यात्रियों में विद्यार्थी, महिलाएं, बच्चे और वरिष्ठ नागरिक हैं। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि अमेरिका में फंसे भारत के 28,000 नागरिक भारत लौटने की इच्छा जता चुके हैं। उन्होंने कहा कि पहले चरण में अमेरिका के चार शहरों न्यूयॉर्क, शिकागो, सैन फ्रांसिस्को, वाशिंगटन डीसी से सात विमानों का संचालन किया गया है। पहला चरण इस सप्ताह समाप्त हो जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में इन शहरों से सात विमानों को रवाना करने की तैयारी चल रही है।भारतीय संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने वंदे भारत अभियान के तहत कई और विमानों के परिचालन से इनकार नहीं किया। कोरोना वायरस महामारी की वजह से विदेश में फंसे भारतीय नागरिकों को स्वदेश वापस लाने का भारत सरकार का यह सबसे बड़ा अभियान है।नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा था कि 31 देशों से 30,000 भारतीय नागरिकों को वंदे भारत अभियान के दूसरे चरण में 149 विमानों के जरिए लाया जाएगा। संधू ने हवाईअड्डे पर स्वदेश रवाना हो रहे लोगों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, यह अप्रत्याशित स्थिति है। कोई भी इसके लिए तैयार नहीं था। जहां कहीं भी भारत के लोग हैं, हम उनकी सेवा में हैं। पहले चरण का पहला विमान सैन फ्रांसिस्को से रविवार को रवाना हुआ था और अंतिम विमान 15 मई को रवाना होगा। इस चरण में करीब 2,000 भारतीय नागिरकों को देश लाया जा रहा है। भारत लौटने की इच्छा रखने वाले लोगों के लिए अब भी पंजीकरण प्रक्रिया चल रही है। यह विशेष विमान सिर्फ भारतीय नागरिकों के लिए है।

सिंगापुर में 673 विदेशी श्रमिक कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए

सिंगापुर। सिंगापुर में कोरोना वायरस संक्रमण के 675 नए मामले सामने आने के बाद यहां कोविड-19 के कुल मामले बढ़ कर 25,346 हो गए।नए मामलों मे केवल दो मरीज सिंगापुर के नागरिक या स्थाई निवासी हैं, जबकि शेष 673 मरीज वर्क परमिट वाले विदेशी नागरिक हैं। सिंगापुर स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या 25,346 पहुंच गई है। संक्रमित लोगों में ज्यादातर डॉरमेट्री में रहने वाले विदेशी नागरिक हैं। डॉरमेट्री एक ऐसे बड़े कमरे को कहते हैं, जिनमें ज्यादा संख्या में बिस्तर लगे होते हैं और उसमें रहने वाले लोगों के लिए एक साझा शौचालय होता है।

ईरान को लेकर अमेरिका की कोशिशों का विरोध करेगा रूस

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वासिली नेबेंजिया ने मंगलवार को कहा कि मॉस्को ईरान पर हथियार प्रतिबंध को बढ़ाने और इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को फिर से लागू करने की अमेरिका की किसी भी कोशिश का विरोध करेगा। एक वीडियो संवाददाता सम्मेलन में की गई नेबेंजिया की इस टिप्पणी से स्पष्ट हो गया है कि ट्रंप प्रशासन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान पर और पाबंदियां लागू करने की किसी भी कवायद के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। सुरक्षा परिषद में रूस के पास वीटो करने का अधिकार है। अमेरिका ने अप्रैल में परिषद के कुछ सदस्यों को संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव का एक मसौदा दिया था जो ईरान पर संयुक्त राष्ट्र के हथियार प्रतिबंध की अवधि अनिश्चितकाल तक के लिए बढ़ाने से जुड़ा है। ईरान पर प्रतिबंध की अवधि अक्टूबर में समाप्त हो रही है। रूस की ईरान को हथियारों की बिक्री फिर से शुरू करने की मंशा छिपी नहीं है।

इंग्लैंड में लॉकडाउन में रियायतें मिलनी शुरू

भाषा। लंदन

इंग्लैंड में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए लॉकडाउन में बुधवार से रियायतें मिलनी शुरू हो गईं और घर से काम करने में असमर्थ कामगार काम पर लौटे लेकिन उन्हें जितना संभव हो सके सार्वजनिक वाहन में यात्रा करने से बचने और साइकिल से, पैदल या खुद से गाड़ी चलाकर जाने की सलाह दी गई है।

● साइकिल से या पैदल कार्य स्थल तक जाने की सलाह

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन द्वारा इस हफ्ते संसद में पेश की गई चरणबद्ध योजना के तहत लोग अब बाहर अधिक समय व्यतीत कर सकते हैं और अपने घर के बाहर एक व्यक्ति से मिल सकते हैं।जिन खेलों में शरीर से दूरी बरतना संभव है उन्हें अनुमति दी गई है जैसे कि गोल्फ और लोगों को चेहरे को ढंककर रखने की सलाह दी गई है। बहरहाल, ब्रिटेन सरकार और स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तर आयरलैंड प्रशासनों के बीच लॉकडाउन नियमों को लेकर कुछ मतभेद हैं। जॉनसन ने कहा, सबसे खराब परिणाम इस विषाणु के फिर से लौटने और काबू से बाहर होने का है, जिससे लोगों की मौत हो सकती है, वहीं दूसरी ओर कड़ी पाबंदियों को फिर से लागू करने से अर्थव्यवस्था को खमियाजा उठाना पड़ सकता है। हमें चौकन्ना रहना होगा, विषाणु को नियंत्रित करना होगा और ऐसा करते हुए जिंदगियों को बचाना होगा। हालांकि, स्कॉटलैंड की नेता निकोला स्टर्जन ने लोगों को इतनी जल्दी काम पर लौटने के लिए विवश किए जाने को लेकर चिंता जताई। इससे पहले जॉनसन ने कहा था कि कुछ कार्यस्थल कोविड-19 पर नए दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए बुधवार से अपने कर्मचारियों को लौटने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

स्पेनः मैड्रिड में कोरोना वायरस को लेकर घोषित किए गए लाकडाउन के खिलाफ लोगों ने किया प्रदर्शन

पाकिस्तान में संक्रमण के 2,000 से ज्यादा नए मामले

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,000 से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं जिसके बाद देश में कुल संक्रमित लोगों की संख्या 34,000 से ज्यादा हो गई है। वहीं 31 और लोगों की मौत हुई जिसके बाद मृतकों का आंकड़ा 737 तक पहुंच गया है। पिछले सप्ताह पाकिस्तान सरकार ने कहा कि अर्थव्यवस्था और श्रमिकों पर पड़ रहे प्रभाव की वजह से चरणबद्ध तरीके से बंद को हटाना शुरू किया जाएगा।राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को 2,255 नए मामले सामने आए। मंत्रालय ने बताया कि 31 और लोगों की मौत हुई जिसके बाद देश में कुल मृतकों की संख्या 737 तक पहुंच गई है। वहीं कुल 34,336 लोग संक्रमित हैं। मंत्रालय ने बताया कि पंजाब में 13,225 मामले, सिंध में 12,610, खैबर पख्तुनख्वा में 5,021, बलूचिस्तान में 2,158, इस्लामाबाद में 759, गिलगित बाल्तिस्तान में 475, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 88 मामले हैं। मंत्रालय ने बताया कि अब तक 8,812 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और कुल 317,699 जांच की गई है। पिछले सप्ताह से मामले बढ़ रहे हैं और अधिकारियों ने लोगों से दिशानिर्देश का पालन करने और बाहर निकलने से बचने की अपील की है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार विदेश से 14 अप्रैल से 10 मई के बीच 43 विमानों से 7,756 पाकिस्तानी नागरिक लौटे हैं और उनमें से 682 संक्रमित पाए गए।

● अर्थव्यवस्था और श्रमिकों पर पड़ रहे प्रभाव की वजह से चरणबद्ध तरीके से बंद को हटाना शुरू किया जाएगाः पाक

यूरोपीय देश पाबंदियों में दे रहे ढील लेकिन नहीं हो रहा बचाव उपायों का कड़ाई से पालन

एपी। रोम

कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित देश इटली में जनजीवन सामान्य करने और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए अनेक पाबंदियों में ढील दी गई है लेकिन कोरोना वायरस को रोकने के लिए जिन नियमों का पालन करना तकरीबन हर देश जरूरी मान रहा है उनकी यहां अनदेखी हो रही है।

● स्पेन कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित था यहां भी संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने के काम की अनदेखी की जा रही है

इटली में लॉकडाउन के नियमों में ढील का दूसरा सप्ताह है। सोमवार को यहां कुछ इलाकों में दुकानें, बार और रेस्तरां खोल दिए गए। लेकिन लोग संक्रमण से बचने के उपाय करते नहीं दिखे और इसके लिए इटली की आलोचना भी हो रही है।इटली के आपातकाल आयुक्त डोमिनिको आरक्यूरी ने इन आलोचनाओं के प्रति मंगलवार को आक्रमक रुख अपनाया और कहा, इटली के लोगों के पास जांच,मास्क, संपर्क का पता लगाना और ऐसे कदम जिन्हें इटली को दोबारा खोले जाने के लिए जन स्वास्थ्य अधिकारी जरूरी मान रहे हैं, नहीं भी हों तब भी उन्हें अच्छी तरह से पता है कि खुद का बचाव कैसे करना है। उन्होंने कहा, कभी मैं गलती करता हूं तो मैं अपनी आलोचना होने की और अगर जरूरी हुआ तो इटली के लोगों से डांट खाने की भी उम्मीद करता हूं।

उन्होंने अपना इल्जाम दूसरों के सिर डाल दिया और कहा कि वे केवल जनता के हित में काम कर रहे हैं। इटली अकेला देश नहीं है जो लॉकडाउन के नियमों में ढील दे रहा है और अर्थव्यस्थ्या को पटरी पर लाने की कोशिश कर रहा है, बल्कि कई देश ऐसा ही कर रहे हैं लेकिन किसी भी देश ने ऐसा कोई उदाहरण पेश नहीं किया है कि कैसे संक्रमण को रोका जा सकता है और आर्थिक गतिविधियां शुरू की जा सकती हैं। फ्रांस ने अपने लोगों की , रक्षा करने, जांच कराने और संक्रमित के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने का प्रण किया लेकिन सोमवार को उसे तब झटका लगा जब देश की संवैधानिक अदालत ने उसके नए वायरस कानून के हिस्से को खारिज कर दिया।अदालत ने संक्रमित के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने संबंधी पूरी भाषा पर आपत्ति जताई और सरकार को लोगों की निजता की सुरक्षा के लिए सावधानी बरतने को कहा।ब्रिटेन में कोराना वायरस से अब तक 32,700 लोगों की मौत हो चुकी है और उसने अपनी जांच क्षमता पांच हजार से बढ़ा कर एक लाख प्रतिदिन कर ली है। लेकिन संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने के बाद यहां संपर्क का पता लगाने का काम बंद कर दिया गया। अब यहां इसके लिए एक ऐप पर काम चल रहा है। फिलहाल 18,000 लोगों को जगह-जगह जा कर संपर्क का पता लगाने के काम में लगाया गया है। यूरोप का एक और देश स्पेन कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित था। यहां भी संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने के काम की अनदेखी की जा रही है। और इसके लिए कोई ऐप लाने की भी कोई योजना नहीं हैं। संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने का काम स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्रों पर डाला गया है। जर्मनी में संक्रमण से तुलनात्मक रूप से कम मौते हुई हैं।

इजराइल में लॉकडाउन के बीच धर्मस्थल में जमा होने के आरोप में 300 लोग गिरफ्तार

एजेंसी। यरूशलम

उत्तर इजराइल में पुलिस ने कोरोना वायरस लॉकडाउन के कारण लगाई गई पाबंदियों का उल्लंघन करने और एक धार्मिक स्थल पर एकत्रित होने के आरोप में मंगलवार को 300 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि माउंट मेरोन में जगह-जगह अवरोधक लगाने और लोगों के बड़े पैमाने पर एकत्र होने पर पाबंदी के बावजूद सैकड़ों यहूदी आए और उन्होंने वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों पर पथराव किया। यहूदी लोग लाग बामोअर अवकाश के दिन माउंट मेरोन में इस धर्मस्थल पर एकत्र होते हैं और जश्न मनाते हैं। कोविड-19 के प्रकोप के कारण 20 से अधिक लोगों के एक स्थान पर एकत्र होने पर पाबंदी है लेकिन यरूशलम में कई स्थानों पर हजारों लोग एकत्र हुए और उन्होंने जश्न मनाया।

कोरोना वायरसः अमेरिका के नेब्रास्का में प्राइमरी चुनाव के लिए हुआ मतदान

एपी। ओमाहा (अमेरिका)

अमेरिका में राष्ट्रपति के चयन की प्रक्रिया के तहत मंगलवार को नेब्रास्का प्राइमरी चुनाव के लिए मतदान अप्रत्याशित रूप से शांत माहौल में हुआ, क्योंकि मतदान स्थल खाली पड़े थे और मेल के जरिए रिकॉर्ड करीब 4,00,000 लोगों ने मतदान किया। नेब्रास्का में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए हुए रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी चुनाव में अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में जो बाइडेन से आसानी से जीत हासिल कर ली। इसके अलावा नेब्रास्का में 2020 की अमेरिकी सीनेट के लिए हुए प्राइमरी चुनाव में रिपब्लिकन अमेरिकी सीनेटर बेन सासे ने जीत हासिल की। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बीच पांच सप्ताह पहले विस्कॉन्सिन चुनाव हुए थे, जिनकी कड़ी आलोचना हुई थी। इसके बाद से नेब्रास्का प्राइमरी चुनाव पहला ऐसा चुनाव है जिसमें व्यक्तिगत रूप से जाकर मतदान करने की इजाजत दी गई है। हालांकि अधिकारियों ने इसमें भी लोगों को मेल के जरिए मतदान करने को प्रेरित किया था। देश में कई अन्य राज्यों में चुनाव की तारीख बदल दी गई है या केवल मेल के जरिए मतदान की प्रणाली को अपनाया गया है। नेब्रास्का में ओमाहा के पापिलियन में मंगलवार सुबह मतदान करने बहुत ही कम लोग आए। पापिलियन के एक मतदाता माइकल रेबे ने कहा कि उन्होंने यहां आकर मतदान इसलिए किया क्योंकि डाक से मतदान पर उन्हें भरोसा नहीं है, लेकिन जब वह वहां पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उस समय केवल वह ही एकमात्र व्यक्ति थे, जो मतदान केंद्र पर मत डालने आए थे। डगलस काउंटी के चुनाव आयुक्त ब्रायन क्रूसे ने कहा कि मतदान करने के लिए केंद्रों पर आने वाले लोगों की संख्या बहुत ही कम रही, लेकिन डाक पत्र से आने वाले मतों को देखें, तो मत प्रतिशत ठीक- ठाक रहने की उम्मीद है।

चीन में कोविड-19 के 15 नए मामले, वुहान में होगी 1.1 करोड़ लोगों की जांच

बीजिंग। चीन में कोविड-19 के 15 नए मामले सामने आए हैं जिनमें से आठ ऐसे हैं जिनमें संक्रमण के कोई लक्षण नहीं हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि वुहान में संक्रमण का कोई नया मामला नहीं है लेकिन यहां के 1.1 करोड़ लोगों की कोविड-19 जांच की जाएगी। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक मंगलवार को सात नए मामले सामने आए जिनमें से एक मरीज बाहर से आया था जबकि छह लोग स्थानीय स्तर पर ही संक्रमण के शिकार हुए। बिना लक्षण वाले आठ नए संक्रमित मरीज भी मिले जिन्हें मिला कर ऐसे मरीजों की संख्या 750 हो गई।

‘केवल मेरी इमेज ही टाइपकास्ट हुई है, मैं पहले जैसा ही हूं’

टेलीविज़न सीरीज़ ‘कहीं तो होगा’ में सुजल के चरित्र से चर्चा में आए अभिनेता **राजीव खंडेलवाल**, इसके बाद कई टीवी शोज़ का हिस्सा बने हैं। इनमें ज़ी थियेटर के लिए टेलीप्ले-कोर्ट मार्शल, के अलावा फ़िल्मों में विभिन्न चरित्र निभाना भी सम्मिलित है। उनकी नवीनतम फ़िल्म अजीत है। पायनियर संवाददाता **शालिनी सक्सेना** ने उनसे बातचीत में जाना कि वो अभिनेता कैसे बने और क्या उन्हें भी लगता है कि उन्हें एक ही प्रकार के रोल मिल रहे हैं

● कोरोना महामारी के चलते राष्ट्रव्यापी बंदी के बाद काम प्रारंभ करने के लिए आप कितने चिंतित हैं?

मुझे किसी प्रकार की चिंता नहीं है। मैं वर्तमान में भी सहज अनुभव करता हूं। ये हमारी परीक्षा का समय है और इसका सभी को सामना करना पड़ रहा है। ये किसी एक के साथ नहीं हो रहा। यही कारण है कि मुझे भी इससे किसी प्रकार का भय नहीं है। मैं काम करने के लिए तत्पर हूं क्योंकि मैं सकारात्मक व्यक्ति हूं। सेट पर जाने में समय लगेगा ऐसा मुझे विदित है। लेकिन मुझे इस बात का विश्वास भी है कि निर्माता हम सभी की सुरक्षा को अवश्य सुनिश्चित करेंगे। मुझे पक्का विश्वास है कि हम सभी तभी काम प्रारंभ करेंगे जब सब कुछ सुरक्षित हो जाएगा।

● टेलीप्ले ‘कोर्ट मार्शल’ किस बारे में है?

ये थियेटर की दुनिया में एक पुराना नाटक है और इसे पहले 80 के दशक में मंचित किया गया था। तब इसकी बहुत सराहना हुई थी। मेरी इच्छाओं की सूची में थियेटर करना शीर्ष पर था। लोग मुझसे पूछा करते थे कि मेरा स्वप्निल रोल क्या है और मैं किसके साथ काम करना चाहता हूं। लेकिन मुझे पता था कि मैं लंबे समय से थियेटर में कुछ करने के लिए बेचैन रहता था। वैसे ये दर्शकों के सामने किया जाने वाला थियेटर नहीं है। इसे नाटक की भांति शूट किया गया है। मेरे लिए नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के कलाकारों के साथ काम करना और इस 90 मिनट के नाटक का हिस्सा बनना एक बड़ी चुनौती जैसी थी लेकिन मैंने इसका खुले हृदय से स्वागत किया। मैं इसे करने से पहले थोड़ा घबराया अवश्य था लेकिन फिर मैंने इसे कुछ भी करके करने का संकल्प लिया और आगे बढ़ गया। इसके बाद जम कर अभ्यास किया गया और अब मुझे इस परियोजना का हिस्सा बनने पर गर्व का अनुभव होता है।

● क्या इस टेलीप्ले में बचाव अधिवक्ता बनने की राह में किसी प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

मैं इसमें एक सेना अधिकारी बना हूं जो बचाव पक्ष का अधिवक्ता है। इसे करने की राह में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन बचाव पक्ष की बात करूं तो इसमें मुझे कोई समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। मैं भी रक्षा सेवा वाले परिवार से जुड़ा हूं। मेरा भाई और पिता सेना में ही थे। यही कारण है कि मुझे शारीरिक भाषा और सैल्यूट आदि करने में कोई समस्या नहीं थी। हमारी टीम में सेना के एक और वरिष्ठ अधिकारी थे उन्होंने भी हर तकनीकी पहलू पर हमारी सहायता की और सब कुछ सही ढंग से होता चला गया। मेरे लिए चुनौती 300 से 400 शब्दों के संवादों को बोलना थी। मुझे हर चरित्र के पास जाना होता था और ये सब कुछ बोलना होता था। मुझे कहानी का अगला भाग भी ध्यान रखना था क्योंकि ये नाटक था। आपको लड़खड़ाने की अनुमति नहीं थी क्योंकि ये एक सामूहिक प्रयास था। किंतु हम सभी को इसे करने में पूरा आनंद आया।

● क्या लोग आपके इस टेलीप्ले ‘कोर्ट-मार्शल’ से जुड़ पाए?

जी हां, कोर्टमार्शल सेना का एक पक्ष है जिसके बारे में सामान्य जनता को पूरी जानकारी नहीं होती। 80 के दशक में क्या कैसे होता था आदि। ये टेलीप्ले समस्या आधारित था और इसमें अधिकारी और अन्य रैंक के बीच विशेषाधिकारों को लेकर उत्पन्न असंतुलन को ही विषय बनाकर दिखाया गया था। पिछले दशक या कहें इसके बाद सेना में भी भारी बदलाव आए हैं। शो में चार दशक पहले की पृष्ठभूमि है। और इसे देखने वालों की कमी नहीं थी चाहे वे हमारी विषय सामग्री से सहमति न भी रखते हों।

> एक तरह से देखा जाए तो मैं स्मार्ट तो हूं ही (हंसते हुए)। लेकिन यदि सही बोलूं तो मैं सदा से ही अभिनेता ही बनना चाहता था। लेकिन इस विषय में भी कुछ आकर्षण था यही कारण था कि मैंने इसे अपनाया। जब स्नातक के लिए किसी विषय को चयन की बात आई तो मैंने इसे चुन लिया।

● क्या आप अपनी फिल्म अजीत के बारे में हमें कुछ बता सकते हैं?

ये निर्देशक तरुण भ्रमर की फिल्म है। इसका जॉनर हॉरर-सस्पेंस है। जब तरुण मुझे कहानी सुनाने आए थे तो मुझे इसकी पटकथा अच्छी लगी। उन्होंने बताया कि चाहे ये उनकी पहली फिल्म ही क्यों न हो, लेकिन उन्हें फिल्म के तकनीकी और अन्य ऐक्शन संबंधी पहलुओं के बारे में पूरी जानकारी है और मुझे इस बात पर विश्वास करना चाहिये। मैं इसमें कैप्टेन अजीत राणा बना हूं जो एक मिशन के दौरान लापता हो जाते हैं और उनके बारे में सभी समझ जाते हैं कि उनकी मृत्यु हो गई है। इस बीच उनकी पत्नी और उनके सर्वश्रेष्ठ मित्र जीवन में आगे बढ़ जाते हैं। फिल्म वास्तव में अजीत के वापस आने के बाद के घटनाक्रम पर आधारित है।

● आपने टीवी, फिल्म और वेब सीरीज़ के बाद अब थियेटर भी कर लिया है। आप अलग अलग प्लेटफॉर्म्स पर किसलिये काम करते हैं?

इसमें प्लेटफॉर्म अधिक महत्वपूर्ण विषय नहीं है बल्कि मैं पूरी परियोजना के बारे में जानकर ही अपनी सहमति देता हूं। मैं अभिनेता हूं तो प्लेटफॉर्म मेरे लिए अधिक महत्व नहीं रखते। मैं किसी एक प्लेटफॉर्म से बंध कर नहीं रह जाना चाहता। आपने कई अभिनेताओं को देखा होगा कि वे हर जॉनर और प्लेटफॉर्म पर रहते हैं और यहां तक कि वे शोज़ होस्ट करते भी देखे जाते हैं। ये तो व्यक्तिगत ऊंचाई की बात है कि कौन सभी प्लेटफार्म्स पर अपनी छाप छोड़ने में सफल होता है।

● अपने फैन्स के लिए क्या आप सुजल ग्रेवाल के चरित्र से आगे बढ़ चुके हैं?

मैं सुजल के प्रशंसकों से कभी दूर नहीं हो सकता। मुझे ये पता है कि महिलाओं के लिए मैं आकर्षण नहीं था बल्कि उनके लिए मुख्य आकर्षण सुजल का मेरा चरित्र था। वे उसके चरित्र के आभामंडल से प्रभावित थीं। महिलाएं एक आदर्श व्यक्ति की छवि की खोज में रहती हैं और सुजल उसमें फिट बैठ गया और वो छवि एक प्यार करने वाले की थी। यही बात उनके मन-मस्तिष्क में रहती है। मैं उस बिंदु से आगे आ चुका हूं लेकिन मेरे हर शो के कुछ प्रशंसक आज भी हैं और मैं उनके संपर्क में रहता हूं।

● बैचलर इन केमिस्ट्री की डिग्री लिये कोई व्यक्ति अभिनय की दुनिया में कैसे आ सकता है?

मैं उस समय भी सोचा करता था कि मेरे भाग्य का निर्णय सदैव केमिस्ट्री को लेकर ही किया जाता रहेगा। मैं इस विषय में स्नातक हूं और यही कारण है कि स्क्रीन पर मेरी केमिस्ट्री अच्छी दिखती है। एक तरह से देखा जाए तो मैं स्मार्ट तो हूं ही (हंसते हुए)। लेकिन यदि सही बोलूं तो मैं सदा से ही अभिनेता ही बनना चाहता था। लेकिन इस विषय में भी कुछ आकर्षण था यही कारण था कि मैंने इसे अपनाया। जब स्नातक के लिए किसी विषय को चयन की बात आई तो मैंने इसे चुन लिया।

● इस इंडस्ट्री में किसी को भी खांचे में फिट करने की परंपरा रही है। आप नहीं सोचते कि ये बात आप पर भी लागू की जा सकती है?

मुझे भी खांचे में फिट किया गया है-लोगों को पता ही नहीं कि अब मैं अगला कौन सा रोल करूंगा। मैं किसी भी भूमिका में फिट हो जाता हूं। जब मैं शो को होस्ट करता था उस समय भी मैं टीवी करता था। जब टीवी करता था तो विविध विषयों और जॉनर वाली फिल्में किया करता था। इसके बाद मैंने मर्जी और स्टेज शो भी किया। मेरा हर प्रोजेक्ट विविधतापूर्ण रहा है। केवल मेरी इमेज ही टाइपकास्ट हुई है और कुछ नहीं।

प्यार पर विश्वास नहीं करती रश्मि देसाई

रश्मि देसाई बिग बॉस 13 की सबसे स्ट्रॉंगेस्ट कंटेस्टेंट थी। शो के दौरान उनके गेम से यादा वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्ख़ियों में रही। कभी सिद्धार्थ शुक्ला से उनका पुराना विवाद तो कभी एक्स बॉयफ्रेंड अरहान खान को लेकर खुलासा छाया रहा। बिग बॉस के घर में दिल टूटने के बाद रश्मि का प्यार नाम से भरोसा उठ गया है। इस बारे में उन्होंने पिंकविला से अपनी फीलिंग्स शेयर की।

अपनी लव लाइफ के बारे में बात करते हुए रश्मि देसाई कहती हैं, ‘आप जिस तरह के प्यार की बात कर रहे हैं, मेरा उससे विश्वास उठ गया है। मैंने किसी ऐसे व्यक्ति को दिया था जिसे मैं वास्तव में प्यार करती और उसे पसंद करती थी। और मैं उस फीलिंग की इजत करती हूं। अब, मैं एक समझदार महिला हूँ जो मेरे आस-पास की स्थितियों को समझती है। मेरे आस-पास कम लोग हो सकते हैं, लेकिन वे मेरे लोग हैं। पहले, मुझे डर लगेगा कि वे मुझे छोड़ सकते हैं, लेकिन बाद में मुझे एहसास हुआ कि मुझे डरने की जरूरत नहीं है। सचे प्यार का इंतजार करने के बजाय, मुझे लगता है कि मुझे ऐसे लोगों के साथ रहना चाहिए जो मेरा सम्मान करते हैं। आगे रश्मि ने कहा कि कुछ होना होगा तो हो जायेगा।

बता दें, बिग बॉस के बाद रश्मि देसाई एकता कपूर के नागिन 4 में एक अलग ही किरदार में नज़र आई। लॉकडाउन से पहले रश्मि ने कुछ एपिसोड की शूटिंग खत्म कर ली थी। उन्हें शलाका के नए किरदार में खूब पसंद भी किया जा रहा था। लेकिन कोरोना वायरस और फिर इतना लंबा लॉकडाउन, जिस वजह से रश्मि के साथ कोई नया एपिसोड शूट नहीं हु । अब तो लॉकडाउन खत्म होने का इंतजार है।

सलमान की पहली हीरोइन भाग्यश्री का कमबैक

सलमान खान के साथ फिल्म ‘मैंने प्यार किया’ से डेब्यू करने वाली भाग्यश्री अब कमबैक कर रही हैं। डेब्यू के बाद भाग्यश्री एकाध फिल्मों में नज़र तो आई लेकिन ये फ़िल्में चली नहीं। इसके बाद उन्होंने अपना करियर छोड़ कर परिवार और बचों की सही परवरिश पर फोकस किया। हालांकि, कुछ सालों बाद वो कन्नड़, तमिल तेलुगु, बंगाली और भोजपुरी फिल्मों में जरुर काम करती रही। अब वो फिल्मों में कमबैक कर रही हैं जिसके बारे में उन्होंने पिंकविला से बात की। सलमान की पहली हीरोइन बाहुबली प्रभास के साथ कर रही हैं कमबैक अपने कमबैक के बारे में भाग्यश्री कहती हैं, हां, बिल्कुल! मैं स्क्रिप्ट पढ़ रही हूं और असल में काम करना भी शुरू कर दिया है। वह एक फिल्म है जिसमें वह प्रभास के साथ है। फिल्म के नाम का एलान अभी नहीं किया गया है। लॉकडाउन से ठीक पहले मैंने शूटिंग शुरू कर दी थी। यह एक बहुत ही दिलचस्प किरदार है, जहां मुझे इसके लिए एक अलग तरह स्किल सीखने को मिलेगी। आगे उन्होंने अपनी दूसरी फिल्म के बारे में कहा कि वो फ़िलहाल इस फिल्म से जुड़ी कोई भी जानकारी साझा नहीं कर सकतीं।

भाग्यश्री ने आगे बताया कि उनके बेटे अभिमन्यु और बेटी की वजह से वो वापस एक्टिंग कर पाई। आगे उन्होंने बताया कि उन्हें कोई अफ़सोस नहीं कि शुरुआती दिनों में उन्होंने काम और फैमिली को साथ में मैनेज नहीं किया। उनकी प्रायोरिटी हमेशा उनकी फैमिली थी और वो परिवार को ही पूरा टाइम देना चाहती थीं।

विद्युत जामवाल के नॉट जस्ट फ्रेंड्स कमेंट पर अदा शर्मा की प्रतिक्रिया

अभिनेत्री अदा खान का कहना है कि जस्ट फ्रेंड्स शब्द का इस्तेमाल आजकल आमतौर पर किया जाता है, लोग अकसर अपने किसी परिचित तक के लिए भी इसका इस्तेमाल करते हैं। कमांडो फ्रेंचाइजी में उनके सह-कलाकार विद्युत जामवाल को एक सोशल मीडिया यूजर ने पूछा कि क्या वह और अभिनेत्री जस्ट फ्रेंड्स हैं?

इसके जवाब में अभिनेता ने कहा था, जस्ट फ्रेंड्स, बिल्कुल भी नहीं..हम साहसी, दयालु, सहज, केंद्रित, आभारी, खुली विचारधारा के, विनयशील, समझदार, चीजों को साझा करने वाले, शिक्षित, खुश मिजाज, शांत, परिपूर्ण और बेस्ट फ्रेंड्स हैं..मैं आपके लिए अदा जैसे किसी इंसान की दुआ करता हूं।

इस बारे में बात करते हुए अदा ने आईएएनएस को बताया, हां, मैंने यह पढ़ा है। विद्युत और मैंने इस पर बात भी की है। विद्युत से पूछा गया था कि क्या वह और मैं सिर्फ दोस्त हैं और उन्होंने इसके जवाब में कई सारे विशेषण दिए कि हम दोनों सिर्फ दोस्त क्यों नहीं हैं। मैं इससे सहमत हूं। जस्ट फ्रेंड्स शब्द का इस्तेमाल आजकल बेहद आमतौर पर किया जाता है, यहां तक कि लोग अपने बस किसी परिचित तक के लिए इस शब्द का प्रयोग करते हैं।

अदा ने आईएएनएस को आगे बताया, मैं जिन्हें वाकई में अपना दोस्त मानती हूं, उनके लिए मैं कुछ अलग महसूस करती हैं। फ्रेंडशिप का मतलब सिर्फ व्हाट्स ऐप पर मैसेज भेजना या किसी पार्टी में लोगों से बात करना ही नहीं है। फ्रेंडशिप का तात्पर्य जब आप किसी चीज को लेकर उदास हैं, तो ऐसे में किसी से बात करना या अपने दिमाग में चल रही बातों को किसी के साथ साझा करने से है। अभिनय की बात करें, तो आने वाले समय में अदा फिल्म मैन टू मैन में नजर आएंगी, जिसकी कहानी अभिनेता नवीन कस्तुरिया के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे फिल्मों में अदा के निभाए किरदार से प्यार हो जाता है और वह उससे शादी कर लेता है, जिसके बाद उसे पता चलता है कि वह शारीरिक रूप से पहले पुरुष थी, जो सर्जरी के बाद औरत बनी है।

दो नई परियोजनाओं के साथ रोम-कॉम शैली में लौटीं रीज विदरस्पून

अभिनेत्री रीज विदरस्पून रोमांटिक शैली में लौटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने नेटफ्लिक्स के साथ दो आगामी रोमांटिक कॉमेडी, योर प्लेस ऑर माइन और द कैक्टस में अभिनय करने के लिए साइन अप किया है।

वेरायटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्मों में काम करने के साथ वह अपने बैनर हेलो सनशाइन कंपनी के माध्यम से प्रोजेक्ट्स को प्रोड्यूस भी करेंगी।

उनकी फिल्म योर प्लेस ऑर माइन एक लॉन्ग डिस्टेंस अच्छे दोस्तों की कहानी है, जिसमें एक के अपने सपनों को पूरा करने के फैसले से दोनों की जिंदगी बदल जाती है।

फिल्म एलीन ब्रोस मैककेन्ना की एक पटकथा पर आधारित है, यह उनके निर्देशन की पहली फिल्म होगी। जेसन बेटमैन और माइकल कॉस्टिगन भी फिल्म से वापसी करेंगे।

द कैक्टस भी सारा हेवुड के इसी नाम के बेस्टसेलिंग उपन्यास पर आधारित है। यह 45 वर्ष की महिला की अप्रत्याशित गर्भावस्था के बारे में है, जिसकी वजह से वह अच्छी तरह से चल रहे जीवन के बारे में सोचने पर मजबूर हो जाती है।

शाहिद को डैडी पंकज कपूर के साथ काम करने में होती है घबराहट

बताया जर्सी में काम करने का एक्सपीरियंस!

शाहिद कपूर की फिल्म ‘कबीर सिंह’ ने पिछले साल बॉक्स-ऑफिस पर धमाका मचा कर रख दिया था। ‘कबीर सिंह’ के बाद से शाहिद की अगली फिल्म ‘जर्सी’ का इंतज़ार बहुत बेसब्री से कर रहे हैं और ऊपर से जर्सी की कहानी में क्रिकेट एक बहुत इम्पोर्टेन्ट हिस्सा है। ‘जर्सी’ के बारे में एक ख़ास बात ये है कि शाहिद एक बार फिर अपने डैडी पंकज कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। शाहिद और पंकज कपूर पहले भी एक बार फिल्म ‘मौसम’ में एकसाथ काम कर चुके हैं।

हालांकि ‘मौसम’ बॉक्स-ऑफिस पर बहुत यादा कामयाब नहीं रही थी, लेकिन शाहिद और पंकज साहब दोनों की परफॉरमेंस बहुत पसंद की गई थी। शाहिद हाल ही में अपने फैन्स से ट्विटर पर बात कर रहे थे, जब उनसे पूछा गया कि अपने पापा के साथ काम करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा। शाहिद ने जवाब देते हुआ कहा, ‘मैं अभी भी उनके साथ फ्रेम शेयर करते हुए नर्वस हो जाता हूं।’

शाहिद ने फैन्स के और भी सवालों के जवाब दिए।

उन्होंने बताया कि लॉकडाउन में घर के कामों में से, बर्तन धोना उनके हिस्से आया है। शाहिद से जब विराट कोहली के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें शाहिद का नया लुक बहुत पसंद है। अपनी फेवरेट स्वीट दिश पूछने पर शाहिद ने बताया, ‘गुलाब जामुन और वनिला आइसक्रीम’।

अमाल मल्लिक ने मैसेडोनियन सिम्फोनिक ऑर्केस्ट्रा के साथ रिकॉर्डिंग की

संगीतकार अमाल मल्लिक ने लॉकडाउन के दौरान मैसेडोनियन सिम्फोनिक ऑर्केस्ट्रा के साथ बैडमिंटन दिग्गज साइना नेहवाल की आगामी बायोपिक के लिए रिकॉर्डिंग की है। अमाल ने कहा, साइना नेहवाल की फिल्म का साउंडट्रैक मेरे अब तक के कामों में सबसे प्रतिष्ठित और शक्तिशाली स्कोर में से एक है। हमने पहले इतना सुंदर कुछ नहीं किया है, यह कुछ ऐसा है जो मल्टी-जेनर की तरह है।

उन्होंने आगे कहा, इसे भारतीय धुन और दिल से गीत के बोल मिले हैं, लेकिन मैसेडोनियन सिम्फोनिक ऑर्केस्ट्रा ने इसमें और सुंदरता जोड़ा है। यह एक्स्ट्रीम जेनर का एक फ्यूजन है, कुछ नया और ताजा मिश्रण है। प्रत्येक संगीतकार ने इसमें सुंदर वाइब जोड़ा है।

हमने स्काइप पर करीब 30 स्ट्रींग्स, 10 ब्रास, और कई चीजों से इसे रिकॉर्ड किया है। ऐसे कठिन समय में संगीत को लाइव बनाना बहुत मुश्किल काम है। उन्होंने आगे कहा, उन्होंने (ऑर्केस्ट्रा) स्कोर और गानों पर बहुत खूबसूरती से काम किया है। मैं परियोजना से जुड़े सभी लोगों का शुक्रगुजार हूं। यह एक विशेष साउंडट्रैक होगा। इसमें बहुत सारा प्यार और जुनून और अच्छा ऑरिजनल गाना है। मैं मेरे निर्देशक अमोल गुप्ता का धन्यवाद करना चाहता हूं, जिनके बिना मैं इतने शानदार गीतों की कल्पना नहीं कर सकता था।